भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन-2024

संकल्प 'विकसित भारत' का

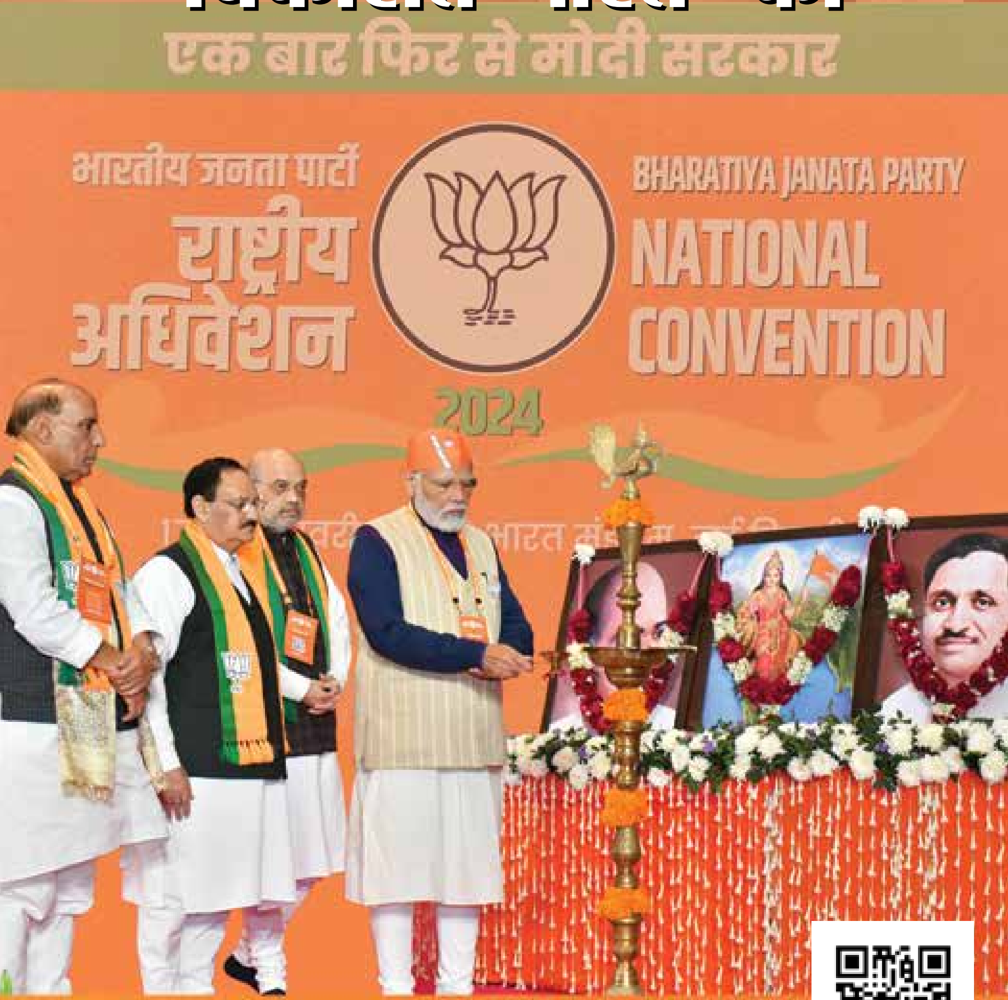

डाउनलोड करने के लिए स्कैन करें

भाजपा प्रकाशन विभाग

भारत मंडपम में 17 फरवरी, 2024 को भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा नेता

नई दिल्ली में 17 फरवरी, 2024 को भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में दीप प्रज्वलित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह और श्री अमित शाह

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन
नई दिल्ली
17-18 फरवरी, 2024

संकल्प 'विकसित भारत' का

भाजपा प्रकाशन विभाग
6-ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002

प्रकाशकीय

हाल ही में नई दिल्ली में संपन्न 'भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन' में शामिल हजारों कार्यकर्ताओं के माध्यम से 'विकसित भारत' का संदेश पूरे देश में गुंजायमान हो रहा है। 'विकसित भारत' के स्वप्न को आज जब पूरा देश 'मोदी की गारंटी' के रूप में देख रहा है, जन-जन के मन में इस स्वप्न के पूरे होने का एक दृढ़ विश्वास है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं सुदृढ़ नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में देश ने जिस प्रकार का व्यापक परिवर्तन देखा है, वह अपने आप में इस बात की गारंटी है कि आने वाले समय में भारत एक बड़ी छलांग लगाने को तैयार है। कांग्रेसनीत यूपीए काल का कुशासन, समस्याओं का जंजाल, व्यापक भ्रष्टाचार, जनता के धन की भारी लूट, हर दिन बढ़ती महंगाई, लुढ़कती विकास दर, खाली होता विदेशी मुद्रा भंडार और पॉलिसी पैरालिसिस को कौन भूल सकता है? देश अब भी उन काले दिनों को नहीं भूल सकता, जब निराशा एवं हताशा हर मन-मस्तिष्क पर छाई हुई थी और स्थिति ऐसी बन गई थी कि अब इस दशक को 'लॉस्ट डिकेड' (खोया हुआ दशक) माना जाता है। आज जब पिछले दस वर्षों में 'रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांस्फॉर्म' को 'स्पीड, स्केल एवं स्किल' के मंत्र से अभिमंत्रित कर कांग्रेसनीत यूपीए के दौर के दलदल से निकालने में सफलता मिली है, तब पूरी तरह से परिवर्तित भारत, उज्ज्वल भविष्य की ओर आंखों में 'विकसित भारत' का स्वप्न लिए आगे बढ़ रहा है।

जहां राष्ट्रीय अधिवेशन का पूरा परिसर 'अबकी बार—400 पार', 'फिर एक बार— मोदी सरकार' एवं 'मोदी-मोदी' के नारों से गूंज रहा था, वहीं कार्यकर्ताओं का अथाह उत्साह पूरे देश में व्याप्त वातावरण को परिलक्षित कर रहा था। अधिवेशन को रोमांचित करने वाला उमंग-उत्साह से परिपूर्ण वातावरण, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के भाषणों से कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास एवं समर्पण और भी अधिक सुदृढ़ हो रहा था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायक उद्बोधन से जहां कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ, वहीं उनके लिए उन्होंने जनसेवा के माध्यम से देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का लक्ष्य भी रखा। आज जब हर कार्यकर्ता 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के नए संकल्प से उत्साहित है, जनता का आशीर्वाद भाजपा पर बरस रहा है।

हम यहां अपने सुधी पाठकों के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह का संबोधन प्रकाशित कर रहे हैं। हम आशा करते हैं कि हमारे पाठक इन भाषणों को पढ़कर उनके विचारों को समझ सकेंगे और 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने के अपने प्रयासों को और मजबूत करेंगे।

प्रकाशक

भाजपा प्रकाशन विभाग

मार्च, 2024 6-ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002

अनुक्रमणिका

प्रकाशकीय

अबकी बार...400 पार...
इस मिशन पर हमें जुट जाना हैः **नरेन्द्र मोदी** 06

प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में देश विकास के पथ
पर अग्रसर है : **जगत प्रकाश नड्डा** 26

2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य के साथ भारत की छवि
एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरीः **राजनाथ सिंह** 51

'विकसित भारत' के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री मोदीजी के सुदृढ़
नेतृत्व में एकजुट होंः **अमित शाह** 73

अबकी बार...400 पार...
इस मिशन पर हमें जुट जाना है: नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में भाजपा का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 17–18 फरवरी, 2024 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया गया। इस अधिवेशन में देशभर से आये लगभग 10,000 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। परंपरा के अनुसार भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अधिवेशन के उद्‌घाटन सत्र को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने समापन सत्र को उद्बोधित किया। 18 फरवरी, 2024 को समापन सत्र को उद्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जो सपने देखे थे, अब उन्हें पूरा करने का समय आ गया है और इसके लिए भाजपा जरूरी है।" प्रधानमंत्रीजी के उद्बोधन का पूर्ण पाठ निम्न है:

भारत माता की जय! भारत माता की जय!

राष्ट्रीय अधिवेशन में यहां उपस्थित और देश के कोने-कोने से जुड़े प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता का मैं अभिनंदन करता हूं। भाजपा का कार्यकर्ता साल के हर दिन, चौबीसों घंटे देश की सेवा के लिए कुछ न कुछ करता ही रहता है, लेकिन अब अगले 100 दिन, नई ऊर्जा, नया उमंग, नया उत्साह, नया विश्वास, नए जोश के साथ काम करने का है। आज 18 फरवरी है, इस कालखंड में जो युवा 18 वर्ष के पड़ाव पर पहुंचे हैं वो देश की 18वीं लोकसभा का चुनाव करने वाले हैं। अगले 100 दिन हम सबको जुट जाना

है, हर नए वोटर तक पहुंचना है, हर लाभार्थी तक पहुंचना है, हर वर्ग, हर समाज, हर पंथ परंपरा सब लोगों के पास पहुंचना है। हमें सबका विश्वास हासिल करना है और जब सबका प्रयास होगा तो देश की सेवा के लिए सबसे ज्यादा सीटें भी बीजेपी को ही मिलेगी।

कल मुझे पदाधिकारियों के साथ बैठने का अवसर मिला। कल दोपहर से आप सबके साथ बैठने का अवसर मिला। मैं नड्डा जी और उनकी पूरी टीम को और आप सबको बधाई देता हूं। जब मैं पदाधिकारियों की बैठक में साल भर के काम का रिपोर्टिंग सुन रहा था। मैं सचमुच में इतना प्रभावित हुआ कि भाजपा के कार्यकर्ता सत्ता में रहने के बावजूद भी समाज के लिए इतना करते हैं। दिन-रात दौड़ते हैं। संकटों के बीच भी करते हैं और सिर्फ और सिर्फ 'भारत मां' की जय के लिए करते हैं। ये दो दिन भी जो चर्चा हुआ है, विमर्श हुआ है देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए हमारे संकल्प दृढ़ करने वाली बातें हुई हैं। मैं इस भव्य आयोजन के लिए प्रेरक विषयों के लिए आप सबको भी, देशभर के कार्यकर्ताओं को भी नड्डा जी माध्यम से सबका अभिनंदन करता हूं।

विद्यासागर जी महाराज को श्रद्धापूर्वक नमन

> ये मेरा सौभाग्य रहा है कि पिछले 50 से भी ज्यादा वर्षों से मुझे देश के गणमान्य आध्यात्मिक मूर्तियों के निकट रहने का, उनके आशीर्वाद पाने का अवसर रहा है

आज मैं समस्त देशवासियों की तरफ से संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज को श्रद्धापूर्वक आदरपूर्वक नमन करते हुए श्रद्धांजलि देता हूं। उनके संल्लेखन समाधिस्थ होने की सूचना मिलने के बाद उनके अनुयायी शोक में हैं, हम सभी शोक में हैं। मेरे लिए तो यह एक व्यक्तिगत क्षति जैसा है। वर्षों तक मुझे व्यक्तिगत रूप से अनेक बार उनसे मिलने का, उनके दर्शन करने का, उनके मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला है। कुछ ही महीने पहले ऐसा ही मन कर गया था, मेरे प्रवास कार्यक्रम को बदल करके बहुत सुबह-सुबह मैं उनके पास पहुंच गया था। तब पता नहीं था कि मैं दुबारा (भावुक)...

उनके दर्शन नहीं कर पाऊंगा। ये मेरा सौभाग्य रहा है कि पिछले 50 से भी ज्यादा वर्षों से मुझे देश के गणमान्य आध्यात्मिक मूर्तियों के निकट रहने का, उनके आशीर्वाद पाने का अवसर रहा है और इसीलिए मैं उस आध्यात्मिक जगत की उस शक्ति को भलीभांति जानता हूं, समझता हूं, अनुभव करता हूं। आपको सुनकर आश्चर्य होगा कि वे तो दिगंबर परंपरा से थे, उनका जीवन कैसा होता है हम जानते हैं, लेकिन शायद ही कोई महत्वपूर्ण घटना ऐसी नहीं होगी या किसी काम में मेरा संबंध आया हो, 24 घंटे के भीतर-भीतर उसका एनालिसिस करके मुझे उनका संदेश आता था। यानी कितने जागरूक थे। अपनी इतनी विराट आध्यात्मिक यात्रा के बाद भी वो हम सबको हमेशा प्रेरणा देते रहे हैं। जीवन भर इतनी सौम्यता के साथ लोगों से मिलते रहे। उन्होंने हमारे युवाओं को परंपराओं से जोड़ा, गरीबों तक शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं पहुंचाईं। उनका पूरा जीवन हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा जैसा है, जिसने गरीबों और वंचितों के लिए काम करने का संकल्प लिया है। आज जब भारत प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है, मुझे ये विश्वास है कि उनके सिद्धांत और उनका आशीर्वाद ऐसे ही भारत भूमि को प्रेरणा देते रहेंगे।

> **आज विपक्ष के नेता भी 'NDA सरकार 400 पार' के नारे लगा रहे हैं और NDA को 400 पार कराने के लिए भाजपा को 370 का माइलस्टोन पार करना ही होगा**

पिछले 10 वर्षों में अभूतपूर्व विकास

पिछले 10 वर्षों में भारत ने जो गति हासिल की है, बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने का जो हौसला पाया है, वो अभूतपूर्व है। इसलिए नहीं कि मैं कह रहा हूं, दुनिया गाजे-बाजे के साथ बोल रही है। भारत ने आज हर क्षेत्र में जो ऊंचाई हासिल की है, उसने हर देशवासी को एक बड़े संकल्प से जोड़ दिया है और ये संकल्प है— विकसित भारत का। अब देश न छोटे सपने देख सकता है और देश न अब छोटे संकल्प ले सकता है। सपने भी विराट होंगे, संकल्प भी विराट होंगे और ये हमारा सपना भी है, हम सबका संकल्प भी है कि हमें भारत

को विकसित बनाना है। इसमें अगले 5 वर्षों की बहुत बड़ी भूमिका होने जा रही है। अगले 5 साल में भारत को पहले से भी कई गुना तेजी से काम करना है। अगले 5 साल में हमें विकसित भारत की तरफ एक लंबी छलांग लगानी है लेकिन सारे लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पहली शर्त है— सरकार में भाजपा की जोरदार वापसी। आज विपक्ष के नेता भी 'NDA सरकार 400 पार' के नारे लगा रहे हैं और 'NDA को, 400' पार कराने के लिए भाजपा को 370 का माइलस्टोन पार करना ही होगा।

कई बार लोग मुझसे कहते हैं...अरे मोदी जी आपने इतना तो सब कुछ कर लिया। जो बड़े-बड़े संकल्प आपने लिए वो तो पूरे कर लिए। अब क्यों इतनी भागदौड़ करनी...? साथियों पूरा देश मानता है...10 साल का बेदाग कार्यकाल और 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालना ये सामान्य उपलब्धि नहीं है। पूरा देश मानता है... हमने देश को महाघोटालों और आतंकी हमलों के खौफ से मुक्ति दिलाई है। पूरा देश मानता है... हमने गरीब और मिडिल क्लास का जीवन बेहतर करने का प्रयास किया है। लेकिन जो लोग सोचते हैं कि अब बहुत हो गया, ऐसा सोचने वालों को मैं एक पुरानी घटना ज़रूर बताना चाहूंगा। एक बार एक नेता मुझे मिले, मेरे प्रधानमंत्री पद के दूसरे कार्यकाल में। बोले—मोदी जी प्रधानमंत्री बनना बहुत बड़ी बात है, आप बन गए। आपने इतने दशकों तक संगठन में काम किया। फिर मुख्यमंत्री के रूप में सेवा की। आप प्रधानमंत्री के रूप में भी दुबारा आ गए। अब जरा बैठो, आराम करो, बहुत कर लिया। ये उन्होंने मुझे कहा था। उनकी वो भावना राजनीति के पुराने अनुभवों से थी।

मैं देश के करोड़ों बच्चों के भविष्य के लिए जीता हूं, जागता हूं, जूझता रहता हूं। देश के करोड़ों युवाओं, करोड़ों बहनों-बेटियों, करोड़ों गरीबों का सपना ही मोदी का संकल्प है

लेकिन साथियो, हम राजनीति के लिए नहीं राष्ट्रनीति के लिए निकले हैं। हम तो छत्रपति शिवाजी महाराज को मानने वाले लोग हैं। जब छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ तो उन्होंने ये नहीं किया कि अब तो

छत्रपति बन गए, सत्ता मिल गई तो चलो उसका आनंद लो। उन्होंने अपना मिशन जारी रखा। ऐसे ही, उनसे प्रेरणा लेकर के मैं अपने सुख-वैभव के लिए जीने वाला व्यक्ति नहीं हूं। मैं बीजेपी सरकार का तीसरा टर्म, सत्ता भोग के लिए नहीं मांग रहा हूं।

करोड़ों गरीबों का सपना ही मोदी का संकल्प

मैं राष्ट्र का संकल्प लेकर निकला हुआ व्यक्ति हूं। अगर मैं अपने घर की ही चिंता करता तो आज करोड़ों गरीबों के घर नहीं बना पाता। मैं देश के करोड़ों बच्चों के भविष्य के लिए जीता हूं, जागता हूं, जूझता रहता हूं। देश के करोड़ों युवाओं, करोड़ों बहनों-बेटियों, करोड़ों गरीबों का सपना ही मोदी का संकल्प है। इस संकल्प की पूर्ति के लिए ही हम सब सेवाभाव से दिन-रात एक कर रहे हैं। 10 वर्षों में हमने जो हासिल किया, वो तो एक पड़ाव मात्र है, मंजिल तक पहुंचने का एक नया विश्वास है, अभी हमें अपने देश के लिए, कोटि-कोटि भारतीयों के लिए, हर भारतीय का जीवन को बदलने के लिए, बहुत कुछ हासिल करने के सपने हैं, संकल्प है। इसके लिए बहुत से निर्णय बाकी हैं।

> **आज भाजपा, युवा शक्ति, नारीशक्ति, गरीब और किसान शक्ति को विकसित भारत के निर्माण की शक्ति बना रही है**

आज भाजपा, युवा शक्ति, नारीशक्ति, गरीब और किसान शक्ति को विकसित भारत के निर्माण की शक्ति बना रही है। पहले लोगों को लगता था कि सरकारें बदलती हैं, व्यवस्था नहीं बदलती। हमने सच्चे अर्थ में सामाजिक न्याय की भावना से हर व्यवस्था को पुरानी सोच, पुरानी अप्रोच से बाहर निकाला। जिनको किसी ने नहीं पूछा, हमने उन्हें पूछा है, इतना ही नहीं हमने उनको पूजा है। आदिवासियों में भी सबसे पिछड़ी जनजातियों को पहले किसी ने नहीं पूछा। हमने उनके लिए पीएम जनमन योजना बनाई। लाखों विश्वकर्मा परिवारों को किसी ने नहीं पूछा। हमने उनके लिए पीएम विश्वकर्मा योजना बनाई। रेहड़ी-ठेले-फुटपाथ पर काम करने वाले लाखों साथियों के बारे में किसी ने नहीं सोचा। हमने उनके लिए पीएम स्वनिधि

योजना बनाई।

हमने महिलाओं के हितों की चिंता की

पहले की सरकारों ने महिलाओं के हितों की, उनके जीवन में आ रही परेशानियों की भी कभी चिंता नहीं की। हमारे यहां बेटियों को गर्भ में ही मार डालने की कितनी विराट समस्या थी। हमने इसके लिए हमने सामाजिक चेतना और कड़े कानून, दोनों का सहारा लिया। पहली बार देश में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसा एक जन-आंदोलन चला, जिसका एक बहुत ही सार्थक प्रभाव हुआ। हमने बालिकाओं के, महिलाओं के पोषण पर विशेष बल दिया। हमने पोषण अभियान चलाया, ताकि गर्भवती महिलाओं को उचित मदद मिल सके। स्वस्थ महिला ही स्वस्थ संतान को जन्म दे सकती है। गर्भ के समय महिलाओं को उचित पोषण मिले, इसके लिए मातृवंदना योजना के तहत सवा 3 करोड़ से अधिक बहनों को सीधी मदद दी। हमने सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत लगभग 5 करोड़ गर्भवती महिलाओं का हेल्थ चेकअप किया। प्रयास यही था कि माता और शिशु, दोनों के जीवन पर पहले जो खतरे रहते थे, उन्हें कम किया जा सके। 2014 से पहले महिला सुरक्षा को लेकर कितनी चिंताएं होती थीं। हर कोई चिंतित रहता था। हमने रेप जैसे संगीन अपराधों में फांसी की सज़ा सुनिश्चित की। ऐसे मामलों का तेज़ी से निपटारा हो इसके लिए भी विशेष व्यवस्थाएं बनाईं।

> **गर्भ के समय महिलाओं को उचित पोषण मिले, इसके लिए मातृवंदना योजना के तहत सवा 3 करोड़ से अधिक बहनों को सीधी मदद दी। हमने सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत लगभग 5 करोड़ गर्भवती महिलाओं का हेल्थ चेकअप किया**

मैं देश का पहला प्रधानमंत्री हूं जिसने शौचालय जैसे विषय को लाल किले से उठाया। मैं देश का पहला प्रधानमंत्री हूं, जिसने महिलाओं के खिलाफ अपशब्दों पर लाल किले से नाराजगी व्यक्त की थी। नारी गरिमा, नारी सम्मान हमारे लिए सर्वोपरि है। मुझे गर्व है कि बीते 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने

महिलाओं का जीवन आसान बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। हमने 10 करोड़ उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिया। हमने 4 करोड़ घर बनाए, जिनमें से 3 करोड़ से ज्यादा घर महिलाओं के नाम रजिस्टर में है। हमने महिलाओं के नाम 3 करोड़ ज्यादा घर रजिस्टर करवाकर उनको घर का मालकिन बनवाया। हमने 10 करोड़ परिवारों की बहनों को पहली बार नल से जल दिया। हमने 12 करोड़ परिवारों की बहनों को टॉयलेट दिया। ये चारदीवारी नहीं इज्जत घर है। हमने 1 रुपए में सुविधा सेनिटेरी पैड्स की योजना शुरु की। हमने 25 करोड़ से ज्यादा महिलाओं के बैंक अकाउंट खोले। हमने 30 करोड़ से अधिक मुद्रा लोन, महिला लाभार्थियो को दिए।

सेल्फ हेल्प ग्रुप्स से जुड़ीं 10 करोड़ बहनें

बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए, बेटियों को नौकरी करने में आसानी हो, इसके लिए भी हमने अनेक कदम उठाए हैं। हमने सेल्फ हेल्प ग्रुप्स से 10 करोड़ बहनों को जोड़ा। हमने 1 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाया। खादी को जो फिर से नया जीवन मिला है, उसका फायदा भी सबसे अधिक गांव की बहनों को ही हुआ है। हमने प्रेग्नेंसी लीव को बढ़ाकर 26 हफ्ते किया। पहले फैक्ट्रियों में या दूसरी जगहों पर महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने के लिए अनेक अड़चनें थीं। हमने श्रम कानूनों में सुधार करके, इनको भी दूर किया। हमने पैरामिलिट्री फोर्स में महिलाओं की भर्ती दोगुने से अधिक की। हमने सेनाओं के अग्रणी मोर्चों में महिलाओं की तैनाती को सुनिश्चित किया। हमने सैनिक स्कूलों और मिलिट्री अकेडेमी के दरवाज़े बेटियों के लिए खोल दिए।

हमने प्रेग्नेंसी लीव को बढ़ाकर 26 हफ्ते किया। पहले फैक्ट्रियों में या दूसरी जगहों पर महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने के लिए अनेक अड़चनें थीं। हमने श्रम कानूनों में सुधार करके, इनको भी दूर किया

इस बार 26 जनवरी को कर्तव्य पथ नारी शक्ति से पूरे देश को प्रेरणा दे रहा था। आने वाले समय में हमारी माताओं-बहनों-बेटियों के लिए अवसर

ही अवसर आने वाले हैं। 'मिशन शक्ति' से देश में नारीशक्ति की सुरक्षा और सशक्तीकरण का संपूर्ण इकोसिस्टम बनेगा। अब 15 हजार महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप को ड्रोन मिलेंगे। ड्रोन दीदी खेती में वैज्ञानिकता और आधुनिकता लाएगी। अब देश में 3 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बनाई जाएंगी। पीएम विश्वकर्मा योजना से परंपरागत कला और शिल्प से जुड़ी बहनें सशक्त होंगी। नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी से बेटियों को शिक्षा और स्किल के मामले में सबसे अधिक फायदा होगा। गांव के पास ही बेहतर स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर बनने से बेटियां स्पोर्ट्स में कमाल करेंगी।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण

आज जब मैं बीते 10 वर्षों पर नजर डालता हूं, तो कितना ही कुछ याद आता है। ये 10 वर्ष साहसिक फैसलों, दूरगामी निर्णयों के नाम रहे। जो काम सदियों से लटके थे, हमने उनका समाधान करने का साहस करके दिखाया है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण करके हमने 5 सदियों का इंतजार खत्म किया है। गुजरात के पावागढ़ में भी 500 साल बाद धर्मध्वजा फहराई गई है। 7 दशक बाद हमने करतारपुर साहब राहदारी खोली। 7 दशक के इंतज़ार के बाद देश को आर्टिकल-370 से मुक्ति मिली। लगभग 6 दशक बाद राजपथ, कर्तव्य पथ के नए स्वरूप में सामने आया। 4 दशक बाद आखिरकार, वन रैंक वन पेंशन की मांग पूरी हुई। 3 दशक बाद आखिरकार, देश को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति मिली। 3 दशक बाद आखिरकार, लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण मिला। तीन तलाक की बुराई के विरुद्ध कड़ा कानून बनाने का साहस भी हमने ही दिखाया। दशकों से नए संसद भवन की ज़रूरत महसूस हो रही थी, उसे हमने ही पूरा किया। ये प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता का सौभाग्य है कि वो ऐसी अनेक सिद्धियों का निमित्त बन सके।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण करके हमने 5 सदियों का इंतजार खत्म किया है। गुजरात के पावागढ़ में भी 500 साल बाद धर्मध्वजा फहराई गई है

कोई भी देश हो, वो अपना भविष्य तभी संवार सकता है, जब वो अपने इतिहास को सहेजकर रखता है। बीते वर्षों में भारत ने अपने इतिहास को सहेजा भी है, संवारा भी है। हमने नेशनल वॉर मेमोरियल का निर्माण किया। हमने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक बनाई। हमने अंडमान में नेताजी सुभाष और परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर द्वीपों का नामकरण किया। हमने दांडी में नमक सत्याग्रह स्मारक का निर्माण किया। हमने बाबा साहेब आंबेडकर से जुड़े पंचतीर्थ को विकसित किया। हमने रांची में भगवान बिरसा मुंडा की स्मृति में म्यूजियम बनवाया। सरदार पटेल को समर्पित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, हमारे कार्यकाल में बनी। 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस हमारी सरकार ने घोषित किया। 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित करने का अवसर हमें मिला। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में याद करने का निर्णय हमारी सरकार ने लिया। 26 दिसंबर को हमने साहिबजादों की स्मृति में वीर बाल दिवस घोषित किया। 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित करने का फैसला भी हमारी ही सरकार ने किया और 21 जून को संयुक्त राष्ट्र ने इंटरनेशन योगा डे भी हमारी ही सरकार के प्रयासों से घोषित किया।

> **भारत को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में लगभग 60 साल लगे। 2014 में जब देश ने हमें अवसर दिया, तो 2 ट्रिलियन मार्क भी बहुत बड़ा लग रहा था। लेकिन 10 वर्षों में हमने अपनी अर्थव्यवस्था में 2 ट्रिलियन डॉलर और जोड़ लिए हैं**

विपक्ष के हमारे दल भले ही योजनाओं को पूरा करना ना जानते हों, लेकिन झूठे वादे करने में इनका कोई जवाब नहीं रहा है। बावजूद इसके आज एक वायदा करने से ये सारे राजनीतिक दल घबराते हैं। एक भी राजनीतिक दल के मुंह से नहीं सुना होगा आपने, जो वादा हम कर रहे हैं उसका जिक्र भी करने का सामर्थ्य उनके पास नहीं है। वो वायदा है— विकसित भारत का। इन लोगों ने स्वीकार कर लिया है कि ये लोग भारत को विकसित नहीं बना सकते। सिर्फ और सिर्फ बीजेपी ही ऐसी पार्टी है, जिसने इसका सपना देखा है। हम मिशन मोड पर भारत को 2047 तक, देश जब आजादी का 100

साल मनाएगा, हम भारत को विकसित देश बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हमने तीसरे टर्म में भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनाने का संकल्प लिया है। ये मोदी की गारंटी है और जब मैं भारत को तीसरी आर्थिक ताकत बनाने की बात करता हूं...तो उसका मतलब भी बहुत गहरा है। इसका मतलब है, भारत के आर्थिक, सामरिक और सांस्कृतिक सामर्थ्य का कई गुना विस्तार, चहुं दिशा में विस्तार।

हमने अर्थव्यवस्था में 2 ट्रिलियन डॉलर जोड़े

हम इसके लिए कितनी तेज़ी से काम कर रहे हैं, इसका हिसाब लगाना भी ज़रूरी है। भारत को (ये आंकड़ा याद रखिए) वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में लगभग 60 साल लगे। 2014 में जब देश ने हमें अवसर दिया, तो 2 ट्रिलियन मार्क भी बहुत बड़ा लग रहा था। लेकिन 10 वर्षों में हमने अपनी अर्थव्यवस्था में 2 ट्रिलियन डॉलर और जोड़ लिए हैं। 1 के लिए 60 साल,10 साल में 2 और जोड़ दिया। जब भारत दुनिया की 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था था, 11 से 10 पर आने में दम उखड़ गया उनका, हम 11 से पांच पर ले आए। जब 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था थी। तब इंफ्रास्ट्रक्चर का बजट 2 लाख करोड़ रुपए भी नहीं बना पाते थे। आज भारत पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था है तो भारत का इंफ्रा बजट 11 लाख करोड़ को पार कर रहा है। इसी वजह से आज गरीबों के करोड़ों घर बन रहे हैं। आज गरीबों के घर तक पानी पहुंच रहा है। आज देश में रिकॉर्ड मेडिकल कॉलेज, अस्पताल, कॉलेज-यूनीवर्सिटीज़ बन रहे हैं। गांव तक सड़कें बन रही हैं। जब भारत दुनिया की टॉप तीन अर्थव्यवस्थाओं में आएगा, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि विकास कार्यों के लिए हमारे पास कितनी ज्यादा पूंजी होगी। इसलिए, भारत के टॉप तीन इकॉनॉमी में आने का मतलब

आज भारत पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था है तो भारत का इंफ्रा बजट 11 लाख करोड़ को पार कर रहा है। इसी वजह से आज गरीबों के करोड़ों घर बन रहे हैं। आज गरीबों के घर तक पानी पहुंच रहा है

है— भारत के हर परिवार का जीवन स्तर सुधरेगा, भारत के हर परिवार की आय, बहुत अधिक बढ़ जाएगी। भारत का पब्लिक ट्रांसपोर्ट और आधुनिक बनेगा। भारत में रोजगार के लिए नए सेक्टर खुलेंगे, रोजगार के और ज्यादा मौके बनेंगे। भारत के युवा को भारत में ही फंडिंग के ज्यादा से ज्यादा अवसर आएंगे। भारत की महिलाओं को हर मोर्चे पर आगे बढ़कर नेतृत्व करने का मौका मिलेगा। हमारे किसान Latest Technology से जुड़कर काम करेंगे। कृषि उत्पाद में वैल्यू एडीशन करेंगे। लोगों का जीवन बेहतर बनाने के लिए देश में पर्याप्त संसाधन और व्यवस्थाएं मौजूद होंगी।

युवा भारत के हाथों में विकसित भारत अभियान की बागडोर

मुझे खुशी है कि आज विकसित भारत अभियान की बागडोर भी भारत के युवाओं ने संभाल ली है। पिछले डेढ़ साल में विकसित भारत के संकल्प से जुड़े सुझावों के लिए (और लोगों को ऐसा लगता होगा कि हम बात...लेकिन ऐसा नहीं है, इस पर हम डेढ़ साल से चुपचाप काम कर रहे हैं, सरकार की मशीनरी को लगाया है) और आपको जानकर खुशी होगी अब तक 15 लाख से ज्यादा लोगों ने विकसित भारत कैसा हो, रोडमैप कैसा हो इनीशिएटिव कैसा हो, नीतियां कैसी हो इस पर विचार विमर्श हुआ है। लोगों ने अपने आइडिया दिए हैं। आपको जानकर और खुशी होगी कि इन 15 लाख में से आधे, 35 वर्ष से कम आयु के हैं। पूरी युवा सोच के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। इन लाखों युवाओं ने विकसित भारत का रोडमैप सुझाया है।

युवा ऊर्जा से भरा हुआ भारत आज अपने लिए बड़े लक्ष्य तय कर रहा है, जो लक्ष्य तय करता है, उन्हें अपनी आंखों के सामने प्राप्त भी करता है

युवा ऊर्जा से भरा हुआ भारत आज अपने लिए बड़े लक्ष्य तय कर रहा है, जो लक्ष्य तय करता है, उन्हें अपनी आंखों के सामने प्राप्त भी करता है। हम 2029 में भारत में यूथ ओलंपिक और 2036 में ओलंपिक खेलों का आयोजन कराने के लिए काम कर रहे हैं। हम 2030 तक हमारी रेलवे को नेट जीरो

के टारगेट पर लाकर कार्बन मुक्त करने की दिशा में काम कर रहे हैं। हम 2030 के बजाय अपनी टारगेट डेट से 5 साल पहले ही पेट्रोल में 20 प्रतिशत Ethanol Blending का लक्ष्य भी हासिल कर लेंगे। भारत 2070 तक नेट जीरो के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भी नीतियां बना रहा है। इसका अर्थ है कि आने वाले समय में हमारे देश में अनगनित ग्रीन जॉब्स बनेंगी।

विकसित भारत वो नहीं होगा जिसका भविष्य भाग्य के भरोसे हो। इसलिए दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता को हम तेजी से कम कर रहे हैं। इसलिए हम देश के लिए बड़े लक्ष्य बना रहे हैं और उनके लिए योजनाबद्ध तरीके से काम भी कर रहे हैं। भविष्य में हम एक ऐसा भारत देखेंगे, जिसे लाखों करोड़ रुपये का खाद्य तेल बाहर से लाने की जरूरत नहीं होगी। हमारे पाम ऑयल मिशन की मदद से हमारे किसान ही इतने सशक्त हो जाएंगे, कि वो देश के पैसों की बचत कर सकें। बीते कुछ वर्षों में दलहन, तिलहन और श्री अन्न के लिए विशेष नीतियां बनाई गई हैं। जिससे छोटे-छोटे किसानों को मदद हो रही है। भविष्य में भी हमारे किसानों को इनसे और लाभ मिलेगा।

> हमने आजादी के अमृत वर्ष को जनांदोलन बनाया। और काम क्या किया— तालाब बनाए। हर गांव में जब तालाब बनते हैं तो वो किसान को सुरक्षित करते हैं, शुद्ध पानी की गारंटी देते हैं, जमीन उर्वरक बना देते हैं

60 हजार से ज्यादा बने नए सरोवर

किसानों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए हमने देश के कोने-कोने में अमृत सरोवर अभियान भी शुरू किया है। आजादी का अमृत महोत्सव हम बहुत कुछ कर सकते थे। हम दिल्ली के अंदर कोई बड़ा ताबूत खड़ा करके नाम लिखवा सकते थे कि आजादी के अमृत काल में मोदी जी ये बनाकर गए। हमने आजादी के अमृत वर्ष को जनांदोलन बनाया। और काम क्या किया— तालाब बनाए। हर गांव में जब तालाब बनते हैं तो वो किसान को सुरक्षित करते हैं, शुद्ध पानी की गारंटी देते हैं, जमीन उर्वरक बना देते हैं।

हमने भविष्य को सोच करके ऐसे काम हम करते हैं। इस अभियान के तहत देश में 60 हजार से ज्यादा नए सरोवर बनाए जा चुके हैं। 60 हजार तालाब; शायद ही किसी सरकार के नसीब में ये काम करने का सौभाग्य आया होगा। ये सरोवर जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में किसानों की मदद करेंगे।

आज ग्रीन हाइड्रोजन से जुड़े अभियान और सोलर रूफटॉप मिशन के कारण देश RENEWABLE ENERGY के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। बहुत जल्द भारत, दुनिया का सेमीकंडक्टर हब बनेगा और इससे पूरी दुनिया में नई Computing Revolution को भी भारत गति देने का निमित्त बनने वाला है। पोर्ट लेड ग्रोथ से पब्लिक ट्रांसपोर्ट तक, आने वाले समय में हर क्षेत्र को नई ऊंचाई मिल सकेगी।

भाजपा, आज देश का एकमात्र दल है जो एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना के प्रति इतना आग्रही भी है और इतना समर्पित भी है। मैं पिछले महीने के अपने अनुभवों को कभी भूल नहीं सकता। इस दौरान मुझे भगवान श्री राम से जुड़े कई स्थलों के भ्रमण करने का अवसर मिला। मेरा 11 दिनों का अनुष्ठान चल रहा था। उस अनुष्ठान के दरम्यान मैं नासिक, लेपाक्षी, त्रिप्रयार, श्रीरंगम, रामेश्वरम धनुषकोडी जगहों पर मैं एक सामान्य साधक के तौर पर गया था। इस दौरान मुझे दक्षिण भारत के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों से जो स्नेह मिला आशीर्वाद मिले, इसका मैं शब्दों में बयान नहीं कर सकता हूं। ये पॉलिटिकल पंडितों के पैरामीटर वो कभी आ नहीं सकता है। जब मैं सड़कों से गुजर रहा था, लोग अपने वचन से, अपने भावों से मुझ पर अपना आशीर्वाद बरसा रहे थे। इस दौरान मुझे कंब रामायण का पाठ सुनने का अवसर मिला। ये ठीक उसी जगह पर हुआ जहां महान कवि कंबन ने 800 वर्ष पूर्व अपने रामायण की रचना की थी। आप कल्पना कर सकते है उसी स्थान पर बैठ कर मैं कंब रामायण को सुन रहा था। उस भाव विश्व को मैं ही अनुभव कर सकता हूं। ये एक ऐसा अद्भुत क्षण था, जिसमें एक भारत—श्रेष्ठ भारत की भावना पूरी तरह समाहित थी। मुझे विश्वास है कि आप सभी ने कम-अधिक मात्रा में

> **हम हमेशा विभिन्न तरीके से देशवासियों को करीब लाने का निरंतर प्रयास करते हैं। एकता सूत्र में बांधने के लिए हमारी कोशिश रहती है**

इसे महसूस किया होगा। हम हमेशा विभिन्न तरीके से देशवासियों को करीब लाने का निरंतर प्रयास करते हैं। एकता सूत्र में बांधने के लिए हमारी कोशिश रहती है, चाहे संयुक्त राष्ट्र में जाकर के पहली बार कोई तमिल में बोलता है। जगद्गुरु बश्वेश्वरा का संदेश दूर-दूर तक पहुंचाने के लिए हम लेकर जाते हैं। काशी तमिल संगमम का आयोजन हो, काशी तेलुगु संगमम का आयोजन हो, या फिर बीएचयू में सुब्रह्मण्यम भारती के नाम पर चेयर की स्थापना हो, हम जी 20 करते हैं तो देश के कोने कोने में जाकर करते हैं। विदेश से मेहमान आते हैं तो दिल्ली को ही देश नहीं मानते हम हर राज्य में लेकर जाते हैं। हम राजभवनों में हर राज्य के स्थापना दिवस मनाए जाते हैं। कोई राजभवन होगा, नागालैंड भी वहां स्थापना दिवस मनाया जाएगा और गुजरात का भी मनाया जाएगा, महाराष्ट्र का भी मनाया जाएगा, गोवा का भी मनाया जाएगा हर राज्य भवन में राष्ट्रीय एकता का उत्सव बना दिया जाता है। हम अपनी विविधता को सेलिब्रेट करते हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना हमारे दिल के बहुत करीब है, इसे मजबूत बनाने के लिए हम काम करते रहेंगे।

हम वोट और सीटों के हिसाब से काम नहीं करते हमारे लिए देश का हर कोना समृद्ध हो, विकसित हो, यही हमारा भाव है

हमारे शासन में दिखती है 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' की भावना

'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना हमारी गवर्नेंस में भी दिखती है। हर क्षेत्र के विकास पर हमारा पूरा फोकस है। नॉर्थ ईस्ट का उदाहरण आपके सामने है। पहले की सरकारों में नॉर्थ-ईस्ट को पूरी तरह अनदेखा कर दिया गया था। क्योंकि पार्लियामेंट की सीटें कम है, उनका इंटरेस्ट ही नहीं था। हम वोट और सीटों के हिसाब से काम नहीं करते हमारे लिए देश का हर कोना समृद्ध हो, विकसित हो, यही हमारा भाव है। आज चाहे सियाचिन हो, या फिर देश के आकांक्षी जिले हों, कोई हमसे दूर नहीं है। वो गांव, जिन्हें पहले आखिरी गांव कहा जाता था, हमारे लिए देश के पहले गांव बन गए हैं। मेरे सारे कैबिनेट के मंत्री उन गावों में रात बिताकर आए, कुछ को तो माइनस 15

डिग्री में रूकना पड़ा, क्योंकि आत्मसात करना चाहते हैं। हमारे लिए देश का हर हिस्सा महत्वपूर्ण है, हर हिस्से पर हमारा फोकस है।

जो भी राजनीति में दिलचस्पी रखता है और जिसके लिए लोकतांत्रिक मूल्य महत्व रखते हैं, वो भी अगर न्यूट्रल है तो पब्लिकली हमारी प्रशंसा करते हैं, न्यूट्रल नहीं है तो खानगी में तो कर ही देते हैं। इसकी एक बड़ी वजह है, हमने समय के साथ खुद को सकरात्मकता के साथ बदलने का प्रयास किया है। हमने अपनी राजनीतिक व्यवस्था को नए और आधुनिक विचारों के लिए खुला रखा है। आजादी के बाद वर्षों तक, जिन्होंने हमारे देश पर शासन किया, उन्होंने एक व्यवस्था बना दी थी। उस व्यवस्था में कुछ बड़े परिवारों के लोग ही सत्ता के केंद्र में रहे। उनके आसपास रहने वाले लोगों को ही राजनीतिक ताकत मिलती रही। अहम पदों पर परिवार के करीबियों को ही आगे बढ़ाया गया। हमने इस व्यवस्था को भी बदल दिया। हमने नए लोगों को मौका दिया कि वो हमारी व्यवस्था का हिस्सा बनें और परिणाम लाकर दिखाएं। इससे व्यवस्था में नयापन आया और इसका लोकतांत्रिक स्वरूप कायम रहा। हमारी कैबिनेट में रिकॉर्ड संख्या में नॉर्थ ईस्ट के मंत्री हैं। नागालैंड से पहली महिला सांसद राज्यसभा में सांसद बनी हैं। हमें गर्व है कि हमने पहली बार त्रिपुरा के मंत्री को काउंसिल ऑफ मिनिस्टर्स में शामिल किया। पहली बार हमारी सरकार में अरुणाचल प्रदेश को कैबिनेट मिनिस्टर मिला। पहली बार, गुर्जर मुस्लिम को राज्यसभा के लिए नॉमिनेट किया गया। हमारी सरकार में ही, गोवा से एक कैबिनेट मंत्री बनाया गया। हमें गर्व है कि हम बीजेपी की एक ऐसी संस्कृति का हिस्सा हैं, जहां मंत्रालय में रिकॉर्ड ओबीसी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाता है।

नागालैंड से पहली महिला सांसद राज्यसभा में सांसद बनी हैं। हमें गर्व है कि हमने पहली बार त्रिपुरा के मंत्री को काउंसिल ऑफ मिनिस्टर्स में शामिल किया

सबके लिए है हमारी सरकार

हमारी सरकार सबके लिए है। 'सबका साथ, सबका विकास' हमारे काम

से ही झलकता है। हमें गर्व होता है जब करतारपुर साहिब कॉरिडोर के द्वारा लाखों सिख श्रद्धालुओं की आध्यात्मिक इच्छाएं पूरी होती हैं। आप कल्पना कीजिए 70 साल तक भारत की सीमा रहकर सिख अनुयायी दूरबीन से करतारपुर साहिब के दर्शन करते थे। हमने स्थिति बदली है। हमने लंगर की वस्तुओं से GST भी हटाया। हमने स्वर्ण मंदिर के लिए FCRA रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित किया, जिससे विदेशियों को सेवा करने का अवसर मिला। पहली बार, 'वीर बाल दिवस' मनाकर हमने सत्य और न्याय के लिए बलिदान देने वाले साहबजादों के शौर्य को सम्मान दिया। आज केरल का बच्चा भी जानता है कि साहिबजादे का बलिदान कैसा था। नागालैंड का बच्चा भी जानता है कि साहिबजादों ने कितना बड़ा बलिदान दिया था। अफगानिस्तान से गुरुग्रंथ साहब के स्वरूपों को पूरे सम्मान से वापस लाए। इसके साथ ही, हमारी सरकार ने हज की प्रक्रिया में सुधार करके यात्रा को सुविधाजनक बनाया। आज बिना मेहरम के हज करना भी संभव हुआ है। इससे महिलाओं के लिए भी हज करना आसान हो गया है। और हजारों महिलाएं गईं।

> **तमाम देशों से हमारे रिश्ते कैसे मजबूत हुए हैं, ये आज दुनिया देख रही है। आज पश्चिमी एशिया के देशों से हमारे संबंध अब तक की सबसे मजबूत स्थिति में हैं**

2014 में जब मैंने शपथ ली, तो हमारे कई आलोचक कहते थे, मोदी जी एक राज्य के बाहर उनका क्या अनुभव है, इतना बड़ा देश, इतनी बड़ी दुनिया... मोदी क्या करेगा। लेकिन वो सब देख लें... विदेश नीति को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कही जाती थीं। मैं कुछ दिनों पहले ही UAE और कतर से वापस आया हूं। तमाम देशों से हमारे रिश्ते कैसे मजबूत हुए हैं, ये आज दुनिया देख रही है। आज पश्चिमी एशिया के देशों से हमारे संबंध अब तक की सबसे मजबूत स्थिति में हैं। 2015 में जब मैं UAE गया था, आप हैरान हो जाएंगे। मेरे से पहले उसके 34 साल पहले तक कोई भी पीएम वहां नहीं पहुंचा था। सोचिए कि किस तरह हमने उस पूरे क्षेत्र को छोड़ रखा था। कांग्रेस की सरकारें, पूरे वेस्ट एशिया को सिर्फ पाकिस्तान के संदर्भ में देखा करती थीं।

उन्हें भारतीयों की शक्ति और उनके विश्वास पर भरोसा ही नहीं था, लेकिन आज भारत इस क्षेत्र से संबंधों का नया अध्याय लिख रहा है। पहले लोग सोचते थे कि बस तेल का इंपोर्ट कर लेते हैं और यहां से सस्ते लेबर भेज देते हैं। ताकि उनको रोजी रोटी मिल जाए। लेकिन अब ऐसा नहीं है। आज ट्रेड, टेक्नॉलाजी, टूरिज्म और ऐसे अनेक क्षेत्रों में हमारे संबंध बेहतर हो रहे हैं और हम निरंतर विकास कर रहे हैं। यहां तक कि अरब के 5 देशों ने मुझे अपना सर्वोच्च सम्मान तक दिया है। ये सम्मान मोदी का नहीं, 140 करोड़ भारतीयों के सामर्थ्य का सम्मान है।

विदेश नीति के जो भी जानकार हैं, वो विदेश से मिल रहे संकेत भी पकड़ रहे होंगे। आज अलग-अलग देशों में सत्ता और विपक्ष के दल ये खुलकर मानते हैं कि भारत के सशक्त होने से पूरी दुनिया का हित होने वाला है। ये पूरी दुनिया मानने लगी है। आज हर महाद्वीप में भारत का सम्मान, भारत की ताकत बढ़ रही है। हर देश भारत से गहरे संबंध बनाने पर जोर दे रहा है। इन सबके बीच कोई देश हमारी सरकार से बातचीत के लिए; आप जानकर हैरान होंगे; अभी तो चुनाव बाकी है लेकिन मेरे पास जुलाई, अगस्त, सितंबर के डेट पड़े हुए हैं, निमंत्रण देकर के। इसका क्या अर्थ है? इसका अर्थ ये है कि दुनिया के विभिन्न देश भी बीजेपी सरकार की वापसी को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त है, वो भी जानते हैं, दुनिया का हर देश जानता है, दुनिया की हर शक्ति जानती है। आएगा तो मोदी ही। आएगा तो मोदी ही।

कांग्रेस, अस्थिरता की जननी है। कांग्रेस परिवारवाद की जननी है। कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है। और कांग्रेस, तुष्टीकरण की भी जननी है

कांग्रेस से देश को बचाना हर भाजपा कार्यकर्ता का दायित्व

कांग्रेस से देश को बचाना, देश के हर नागरिक को बचाना, बीजेपी के हर कार्यकर्ता का दायित्व है। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड हम सभी के सामने है। कांग्रेस, अस्थिरता की जननी है। कांग्रेस परिवारवाद की जननी है। कांग्रेस

भ्रष्टाचार की जननी है। और कांग्रेस, तुष्टीकरण की भी जननी है। 70 के दशक में जब देश में कांग्रेस के विरुद्ध गुस्सा बढ़ना शुरु हुआ, तो खुद को बचाने के लिए इसने अस्थिरता का सहारा लिया। हर नेता की सरकार, कांग्रेस ने अस्थिर की। आज यहां प्रस्ताव के समय इसकी चर्चा आई है, मैं ज्यादा उसके लिए कहता नहीं हूं। आज भी ये लोग अस्थिरता पैदा करने के लिए नई-नई साजिशें कर रहे हैं। इन लोगों ने मिलकर जो गठबंधन बनाया है, उसकी भी यही पहचान है। कांग्रेस के पास विकास का एजेंडा नहीं है, फ्यूचर का रोडमैप नहीं है। ये देश को कभी भाषा के आधार पर, तो कभी क्षेत्र के आधार पर बांटने में जुटे हुए हैं।

कांग्रेस का एक सबसे बड़ा पाप ये रहा है कि वो देश की सेनाओं का मनोबल तोड़ने से भी पीछे नहीं रही है। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक शक्ति को नुकसान पहुंचाने में कांग्रेस ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। जब भी देश के रक्षा क्षेत्र में कोई बड़ा काम हुआ, जब हमारी सेनाओं ने कोई उपलब्धि हासिल की कांग्रेस ने हर बार उन पर सवाल उठाए। आप सिर्फ सोचिए कि पांच साल पहले इन लोगों ने क्या-क्या कहा था। इन लोगों ने हर कोशिश की कि हमारी वायुसेना को राफेल जैसे एडवांस एयरक्राफ्ट ना मिल पाएं। इन्होंने अपप्रचार किया कि हिंदुस्तान एरोनॉटिकल लिमिटेड को खत्म किया जा रहा है। ये लोग तो एचएएल के बाहर, फोटो तक खिंचाने चले गए, लेकिन देखिए कि एचएएल आज कैसे धूमधाम से आगे बढ़ रहा है। आज देखिए कितने सारे ऑर्डर उनके यहां बुक किए गए हैं। देखिए कि उसकी मार्केट वैल्यू कितना बढ़ गया है। ये वही लोग हैं, जिन्होंने हमारी सेनाओं के सर्जिकल स्ट्राइक करने पर उनके पराक्रम पर सवाल खड़ा कर दिया। जब एयरस्ट्राइक हुई तो उसकी सफलता के प्रमाण मांगे जाने लगे। कांग्रेस, भारतीय सेनाओं के अपमान का कोई मौका नहीं छोड़ती।

कांग्रेस में एक वर्ग है, जो कहता है मोदी से तीखी नफ़रत करो। मोदी पर व्यक्तिगत आरोप लगाओ। मोदी की छवि खराब करने के लिए हर हथकंडे अपनाओ

कन्फ्यूज है कांग्रेस

कांग्रेस कितनी कन्फ्यूज़ है, इसका उदाहरण मैं आपको देता हूं। कांग्रेस में लड़ाई चल रही है और बड़ी तगड़ी लड़ाई चल रही है, सिद्धांतों और योजनाओं को लेकर नहीं चल रही है। कांग्रेस में एक वर्ग है, जो कहता है मोदी से तीखी नफ़रत करो। मोदी पर व्यक्तिगत आरोप लगाओ। मोदी की छवि खराब करने के लिए हर हथकंडे अपनाओ। वहीं कांग्रेस में एक और वर्ग है। जो कहता है कि मोदी पर व्यक्तिगत आरोप, नफरत से कांग्रस को बाहर निकलो। इससे कांग्रेस को और ज्यादा नुकसान होता है। यानी कांग्रेस हमसे सैद्धांतिक मुद्दों पर लड़ाई नहीं लड़ रही है। कांग्रेस, इतनी हताश है कि उसमें सैद्धांतिक विरोध, वैचारिक विरोध का साहस भी नहीं बचा। इसलिए, गाली-गलौज और मोदी पर झूठे आरोप ही उनका एकमात्र एजेंडा बन गया है। लाल किले से मैंने कहा था— यही समय है, सही समय है। भारत के इतिहास में आज वो समय आ गया है, जब हमें अपने देश का भाग्य बदल देना है। मैंने देशवासियों को लाल किले से कहा था कि अगर आप 10 घंटे काम करेंगे तो मोदी 11 घंटे काम करेगा, अगर आप 12 घंटे काम करेंगे तो मैं 13 घंटे काम करूंगा, अगर आप 14 घंटा काम करेंगे तो मैं 15 घंटे काम करूंगा।

मेरे साथियो, देशभर के मेरे कार्यकर्ताओ, देश उज्ज्वल भविष्य की आशा लगाए लोगों से मैं कहना चाहूंगा। आने वाले 100 दिनों तक बीजेपी के हर कार्यकर्ता को अपने लिए नए लक्ष्य बनाने होंगे, उन्हें प्राप्त करना होगा। बीते वर्षों में भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ करोड़ों लाभार्थियों को मिला है। आपको हर लाभार्थी तक पहुंचना है। मेरी एक व्यक्तिगत प्रार्थना है, करोगे? हर लाभार्थी के पास जाइए, उनको कहना कि प्रधानसेवक नरेन्द्र मोदी ने उन्हें प्रणाम कहा है और इसमें आपको नमो एप से भी बड़ी मदद मिलेगी। आप नमो एप के जरिए मेरा प्रणाम और मेरी चिट्ठी उन लाभार्थी तक जरूर पहुंचाएं। किसी भी बूथ में एक भी फर्स्ट टाइम वोटर ऐसा न हो, जिस तक बीजेपी का कार्यकर्ता पहुंचा न हो। आपको उन्हें पिछले 10 वर्षों के काम और आने वाले 5 वर्षों के प्लान के बारे में बताना है। आपको उन्हें नमो एप पर विकसित भारत का ब्रांड एंबेसेडर बनाना है। मतदान के दिन, इन सभी मतदाताओं को बूथ पर लाकर हमें कमल निशान पर मतदान करवाना है। जहां एनडीए के साथी हों उनके

निशान पर मतदान करवाना है। आपको याद रखना है, हमें सिर्फ सरकार बनाने के लिए ही लोगों को नहीं जोड़ना, बल्कि देश बनाने के लिए भी लोगों को जोड़ना है। जो किसी भी कारण से अभी भी भाजपा से दूर है, उन तक हमें पहुंचना है। 'सबका साथ-सबका विकास' ही हमारा मंत्र है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जो सपने देखे थे, अब उन्हें पूरा करने का समय आ गया है और इसके लिए भाजपा जरूरी है, भाजपा सरकार जरूरी है।

आज देश की जनता कह रही है...

- भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई होती रहे... इसलिए भाजपा जरूरी है।
- महंगाई पर लगाम लगी रहे... इसलिए भाजपा जरूरी है।
- देश के दुश्मनों में डर बना रहे... इसलिए भाजपा जरूरी है।
- निवेश और नौकरी के अवसर बढ़ते रहें...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- भारत तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बने...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- भारत में तेजी से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' सफल हो... इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- करोड़ों भारतीयों को मुफ्त राशन मिलता रहे... इसलिए भाजपा जरूरी है
- किसानों को सम्मान निधि मिलती रहे... इसलिए भाजपा जरूरी है
- शत-प्रतिशत लाभार्थी तक तेज़ी से हर लाभ पहुंचे... इसलिए भाजपा ज़रूरी है।

साथियो,

आप यहां से एक नए संकल्प के साथ अपने क्षेत्र में जाएं। अबकी बार...400 पार...इस मिशन पर हमें जुट जाना है। आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

भारत माता की जय! भारत माता की जय! भारत माता की जय!

❑❑❑

प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर अग्रसर है : जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 17 फरवरी, 2024 को भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पार्टी संगठन और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा, "मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा तीसरे कार्यकाल के रूप में हैट्रिक लगाएगी।" हम अपने सुधी पाठकों के लिए इस भाषण का पूर्ण पाठ यहां प्रकाशित कर रहे हैं:

आज के इस महा-अधिवेशन में हम सबके बीच में उपस्थित, हम सबके सम्मानीय आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी, मंच पर विराजमान भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड के सभी सदस्यगण, मंच पर विराजमान सभी मुख्यमंत्रीगण, उप-मुख्यमंत्रीगण, हमारे राष्ट्रीय पदाधिकारीगण और यहां इतनी बड़ी संख्या में देश के कोने-कोने से एकत्र हुए हमारे महा-अधिवेशन के, राष्ट्रीय परिषद् के सदस्यगण, मीडिया के मेरे साथी।

ये हम सबके लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है कि हम इस महा-अधिवेशन के चश्मदीद गवाह बन रहे हैं। ये हम सबके लिए सौभाग्य की बात है कि आज एक ऐसे माहौल में हम एकत्र आये हैं, जहां हमें पीछे भी जीत दिखी है और आगे भी जीत आयेगी। आज हम सबके बीच में हमारे नेता यशस्वी प्रधानमंत्री जिन्होंने देश को, पार्टी को, समाज को, सभी को नेतृत्व प्रदान करके राजनीति में एक नया आयाम स्थापित किया है। सबसे पहले मैं अपने यशस्वी प्रधानमंत्री जी का तालियों के साथ उनका स्वागत करता हूं,

अभिनंदन करता हूं।

मैं बारम्बार बोलता हूं, आप लोग भी राजनीति में विभिन्न जिम्मेवारियों में काम करते रहे हैं और कर भी रहे हैं। एक जिम्मेवारी ही अपने आप में क्या होती है और उसको निभाना कितना कठिन होता है, लेकिन देश के प्रधान सेवक, प्रधान प्रशासक जिनको देश के प्रशासन के कामों में पूर्णतः व्यस्तता रहती है, हर तरीके से रहती है, उसके बावजूद भी पार्टी उनकी प्राथमिकता है और पार्टी के लिए वे हमेशा खड़े रहे। ये हम सबके लिए बहुत सौभाग्य की बात है जिनकी प्रायरिटी में पार्टी आगे कैसे बढ़ेगी, पार्टी कैसे आगे चलेगी, किस तरह से हम पार्टी को आगे बढ़ा सकते हैं। जिसको हम कहते हैं सेकेंड-सेकेंड, हर पल इस बात की चिंता करने का काम करते हुए मैंने प्रधानमंत्री मोदी जी को देखा है और ऐसे प्रधानमंत्री जी हमारे बीच में हैं, जिनका हमको मार्गदर्शन मिलेगा। मैं उनका पुनः हार्दिक अभिनंदन और स्वागत करता हूं। मैं इस महा-अधिवेशन में आप सब लोगों का भी तहेदिल से हार्दिक अभिनंदन करता हूं, स्वागत करता हूं। मैं आप लोगों का अभिनंदन इसलिए भी करता हूं कि आप लोगों को कई बार मुझ पर गुस्सा भी आता होगा, कई बार मेरे टेलीफोन आपको तंग भी करते होंगे, कई बार मेरे वीडियो कांफ्रेंसेस नए काम के लिए प्रेरित करने का भी काम करते होंगे, लेकिन आप सब लोग जमीनी स्तर पर संगठन को खड़ा करने का काम करते हैं। मैं फिर से आपका हार्दिक अभिनंदन करता हूं, स्वागत करता हूं।

हमने इमरजेंसी भी देखी, संघर्ष भी देखा। हमने चुनाव में हारने और जीतने की प्रक्रिया भी देखी, लेकिन हम सबको बहुत खुशी है कि पिछला दशक जो गुजरा है वो प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में उपलब्धियों से भरा है

सात दशक के भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में हमने हर कालखंड को देखा है, हमने संघर्ष का काल देखा, हमने, जब हमारी उपेक्षा की जा रही थी, वो काल भी देखा। हमने वो काल भी देखा जब हम जमानत बचाने के लिए चुनाव लड़ते थे। हमने इमरजेंसी भी देखी, संघर्ष भी देखा। हमने चुनाव में हारने और जीतने की प्रक्रिया भी देखी, लेकिन हम

सबको बहुत खुशी है कि पिछला दशक जो गुजरा है, वो प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में उपलब्धियों से भरा है, ये हम सबके लिए यह बहुत ही खुशी का विषय है और बहुत ही खुशी के साथ मैं आप सबके साथ शेयर करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व के कारण पार्टी को लोगों ने जिस तरह से स्वीकारा है वह भी हम सबके सामने है। 2009 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को जहां देश का 18.8 प्रतिशत का समर्थन मिला था, वहीं 2014 में मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी 31.3 प्रतिशत पर पहुंच कर खड़ी हुई और 2019 में हमने अपना ही रिकार्ड तोड़ा। जहां 282 से 303 सीटें आईं, वहीं 31 प्रतिशत से बढ़कर 37 प्रतिशत वोट प्रतिशत बढ़ा। ये भी हमें ध्यान रखना चाहिए।

30 साल बाद पूर्ण बहुमत की सरकार मोदी जी के नेतृत्व में 2014 में बनी और उसके 5 साल बाद फिर से अगर कोई सरकार पूर्ण बहुमत की बनी तो वह आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी की बनी

हमारी जीत की शृंखला निकली और हमने जीतने की जो पारी थी उसको खेलना शुरू किया। हमें याद है 30 साल बाद पूर्ण बहुमत की सरकार मोदी जी के नेतृत्व में 2014 में बनी और उसके 5 साल बाद फिर से अगर कोई सरकार पूर्ण बहुमत की बनी तो वह आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी की बनी। वो भी हमको याद रखना चाहिए।

भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी

आज हमें इस बात का भी फख्र है और हम गौरव महसूस करते हैं कि आज हमारी 4-4 पीढ़ी जिन्होंने अपने जीवन खपा दिए, इस दृश्य को देखने के लिए एक सपना रहा होगा उनके लिए। आज हमारा अधिवेशन नहीं, महाधिवेशन हो जाता है। राष्ट्रीय परिषद् नहीं, वो महाधिवेशन हो जाता है और हमारा सम्मेलन नहीं, जनसभा में बदल जाती है। ये परिस्थिति आज आपके सामने आकर खड़ी है और हम आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी, वर्ल्ड्स लारजेस्ट पॉलिटिकल पार्टी हैं।

2014 से पहले हमारी केवल 5 सरकारें थीं। वह 5 प्रदेशों में सरकारें थीं और लंबे समय तक हम 5-6 पर रुके हुए थे, लेकिन 2014 के बाद आपको जानकर खुशी होगी कि आज एनडीए की 17 प्रदेशों में सरकारें हैं और 12 प्रदेशों में विशुद्ध भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं।

हम उस समय 2014 से पहले लगभग 17.4 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते थे। आज हम 58 प्रतिशत की जनसंख्या का नेतृत्व करते हैं। यह सब भारतीय जनता पार्टी की सरकारों और आदरणीय प्रधानमंत्री जी के कारण हुआ है।

हमारी वोट परसेंटज वेस्ट बेंगाल में 10 प्रतिशत थी। हमारी सीट की संख्या 3 थी विधानसभा में। आज हम 77 सीटों पर चुनाव जीतकर आए और हमारा वोट शेयर 38.5 प्रतिशत है

2019 की जीत की शृंखला आपके सामने रखता हूं। 2019 में और 2019 के बाद जो हमारे 26 प्रदेशों में चुनाव हुए और उस 26 में से 16 में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी विशुद्ध सरकार बनाई है। 16 चुनाव हम जीते। अगर हम बाई-इलेक्शन की बात करें, तो विधानसभा में लगभग 100 इलेक्शन, एक सैंचुरी बाई-इलेक्शन हमने इन पिछले 5 वर्षों में जीता है। और उसी तरीके से 8 लोकसभा के उप-चुनाव हुए और उस 8 में से 6 लोकसभा सीटें भारतीय जनता पार्टी ने जीती हैं। ये हमारा रिकार्ड है। हमारे जो लोकल बॉडी के इलेक्शन होते हैं उसमें हमने 9,836 सीट्स हमने जीती हैं। और आपको जानकर खुशी होगी कि 186 स्थानों पर हमने म्युनिसिपल कॉरपोरेशन में जीत हासिल कराई है, मेयर बनाए हैं। अगर हम असेंबली के इलेक्शन की बात करें तो उत्तर प्रदेश में हम पूर्ण बहुमत में आए। वहीं 34 साल बाद फिर कोई सरकार आई तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई। मैं वेस्ट बंगाल की बात भी जोड़ना चाहता हूं। हमारी वोट परसेंटज वेस्ट बेंगाल में 10 प्रतिशत थी। हमारी सीट की संख्या 3 थी विधानसभा में। आज हम 77 सीटों पर चुनाव जीतकर आए और हमारा वोट शेयर 38.5 प्रतिशत है। वह दिन दूर नहीं है, अगली बारी के लिए तैयार हो जाइए, वह बारी हमारी है।

1997 से गुजरात में लगातार भाजपा सरकार

गुजरात में हम 1997 से लगातार सरकार बना रहे हैं। ये छोटी जीत नहीं है। लगातार इतने सालों से सरकार बनाना और सरकार में रहना और वहां 'एंटी-इंकम्बेंसी' नहीं, 'प्रो-इंकम्बेंसी' होती है। 'प्रो-इंकम्बेंसी' का वोट पड़ता है, ये भी आपको ध्यान रखना चाहिए। आज हरियाणा में 2014 के बाद पहली बार सरकार बनाई। मुझे याद है, जब मैं हरियाणा के चुनाव के प्रचार में जाता था और बोलता था कि हम सरकार बनाएंगे। 2014 के पहले लोग हमारा उपहास करते थे। कहते थे तो साहब आप पूरी सरकार बनाएंगे! सोचते थे कि ये संभव नहीं है। पर 2014 के बाद हमारी सरकार बनी और फिर से 2019 में दोबारा हमारी सरकार बनी। यह हरियाणा में हुआ है।

असम में हम कभी कल्पना नहीं कर सकते थे कि कभी वहां हमारी सरकार बनेगी। पर पूर्व के इलाके के बारे में सोचते थे कि वहां 20 सीटें आ जाएंगी। मुझे याद है 2012 का चुनाव और 2011 का चुनाव भी याद है। असम में हमारी क्या स्थिति थी, लेकिन 2014 के बाद असम में चुनाव हुआ और हमने भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाई और दोबारा सरकार बनाई। हमने सरकार रिपीट की है। ये भी हमको याद रखना चाहिए।

2014 के बाद असम में चुनाव हुआ और हमने भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाई और दोबारा सरकार बनाई। हमने सरकार रिपीट की है

बिहार में एनडीए ने सबसे ज्यादा सीटें जीतीं

बिहार में हम एनडीए में सबसे ज्यादा सीट जीतकर आए और अभी हमारी सरकार वहां है। उत्तराखंड की चर्चा करना चाहूंगा। पहाड़ी प्रदेश में बोला करते थे अदला-बदली। एक बार तुम्हारी एक बार हमारी सरकार, लेकिन उत्तराखंड में भी हम सरकार में आए और दोबारा सरकार में आए।

मणिपुर में कभी भी हम सोच नहीं सकते थे कि हमारी सरकार आएगी। हमने वहां सरकार भी बनाई और 'फुल मेजोरटी' से दोबारा सरकार बनाई। ये भी हमको समझ में आना चाहिए और इसलिए कांग्रेस के पेट में पीड़ा

होनी स्वाभाविक है, जिन्होंने लंबे समय तक यहां पर राज किया था। आज वहां पर कमल खिल रहा है। अगर मैं मेघालय-त्रिपुरा की बात करूं। कभी सोचा नहीं था कि त्रिपुरा में सरकार आएगी, लेकिन त्रिपुरा में सरकार आई और वो जो पलटने की बारी थी, वो पलट दी उन्होंने। पलटने के बाद कांग्रेस और कम्युनिस्ट दोनों मिलकर हमारे खिलाफ लड़े, तब भी त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई। मेघालय में हमने सरकार बनाई एनडीए की। नागालैण्ड में हम फिर वहां आए और अपनी सरकार बनाई। तो इसलिए सरकारों का हमारा सिलसिला चलता रहा, लेकिन आनंद हमको तब आया होगा जब अभी 3 प्रदेशों के चुनाव हुए— राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में और यहां भी भारतीय जनता पार्टी ने सरकार बनाई।

जो संकल्प आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लिए, उन सारे संकल्पों को पूरा करने का काम बखूबी उन्होंने किया और उसी कारण से गांव में मजबूती आई, गरीबों को ताकत मिली

ये सब संभव हुआ है क्योंकि लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी जी पर विश्वास किया। ये सब संभव हुआ है, क्योंकि लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी जी की गारंटी को गारंटी पक्की होने की गारंटी माना है। इसलिए संभव हुआ है और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी जी के कार्यक्रमों और कार्यक्रमों के साथ-साथ किए गए कार्यों पर मोहर लगाई है।

मैं यहां पर यह भी कहना चाहता हूं कि जो संकल्प आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लिए, उन सारे संकल्पों को पूरा करने का काम बखूबी उन्होंने किया और उसी कारण से गांव में मजबूती आई, गरीबों को ताकत मिली, दलितों को सम्मान मिला, महिलाओं का सशक्तीकरण हुआ, किसानों को मुख्य धारा में शामिल किया गया और शोषितों-वंचितों में विश्वास पैदा हुआ कि अब वे शान से जी सकते हैं। ये परिस्थिति आकर खड़ी हुई है और इसलिए इन तीन चुनावों में भी हमको जीत हासिल हुई। जब मैं छत्तीसगढ़ की बात करता हूं। आप सभी यहां बैठे हैं। आप सब मुझसे पूछा करते थे— छत्तीसगढ़ तो छोड़ दो। बाकी बताओ राजस्थान का क्या होगा? मध्य प्रदेश

का क्या होगा? क्या यही भाषा नहीं थी? ऐसे ही तो बोलते थे... वो तो गया। अब तो मध्य प्रदेश सोचो, अब तो राजस्थान सोचो। मैं आपके सामने बताना चाहता हूं कि छत्तीसगढ़ की जो जीत हुई है, हमने पहले वहां 3 सरकारें बनाई हैं। लेकिन उन 3 सरकारों में भी हमें जो जीत मिली उससे कहीं ज्यादा जीत इस बार हमें मिली है। 90 में से 54 सीटें पहली बार भारतीय जनता पार्टी जीतकर आई है और हमारा वोट प्रतिशत 33 प्रतिशत से बढ़कर 46 प्रतिशत हो गया। 13 प्रतिशत हमारा वोट प्रतिशत बढ़ा है। ये छत्तीसगढ़ की कहानी मैं आपको सुनाना चाहता हूं।

मैं चाहूंगा जो राजनीतिक दृष्टि रखते हैं वो इसकी स्टडी करें कि किस तरीके से प्रधानमंत्री जी ने जो रणनीति बनाई, हमारे अमित शाह जी ने जो रणनीति बनाई और जो हमारे लोगों ने इसे क्रियान्वित किया उसके कारण आज छत्तीसगढ़ जहां हार की बात करते थे, वहां जीत में और वो भी अकल्पनीय जीत तक पहुंच पाए।

मोदी के मन में एमपी

> **मध्य प्रदेश में लोगों ने साफ कह दिया था कि एमपी के मन में मोदी है, मोदी के मन में एमपी है। ये छू गया है। ये लोगों को रास आ गया**

मध्य प्रदेश में लोगों ने साफ कह दिया था कि एमपी के मन में मोदी है, मोदी के मन में एमपी है। ये छू गया है। ये लोगों को रास आ गया। लोगों ने विश्वास किया कि मोदी के मन में एमपी है और एमपी के मन में मोदी है। लोगों ने उस पर जुड़ाव दिया और हम वहां भी रिकार्ड मार्जिन से टू-थर्ड मेजोरटी से आए। 230 में से 163 सीटें जीतकर आए और हमने वहां भी शानदार जीत हासिल की है और हमारा वोट शेयर 41 प्रतिशत से बढ़कर 48 प्रतिशत हो गया।

राजस्थान में हमें कहते थे फिफ्टी-फिफ्टी। आएगा, नहीं आएगा, फिफ्टी-फिफ्टी। वहां भी हमने सरकार बनाई और वहां भी हमने 3 प्रतिशत की वोट-वृद्धि की और वहां भी हमारी सरकार बनी। लोग तेलंगाना के बारे में चर्चा करते हैं। मैं अपने साथियों से बोलना चाहता हूं कई बार हार में भी जीत होती है और हमने ये जीत हासिल की है। तेलंगाना की अगर मैं बात करूं। एक विधायक था हमारा और हमारा वोट शेयर 7.1 प्रतिशत था और आज हमारा

वोट शेयर 14 प्रतिशत हो गया। डबल हो गया। 8 विधायक हमारे जीतकर आये हैं। अगली बार हम किसी तरह से छोड़ने वाले नहीं हैं। वहां भी हमारी सरकार बनेगी। इस तैयारी से हम लगे हैं।

जो इतनी बड़ी जीत हासिल हुई, प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व पर जनता ने विश्वास किया और आप सभी कार्यकताओं ने धरती पर जो अथक मेहनत की और उसको वोट में ट्रांसफर करने में आप लोगों ने काम किया। आप सब लोगों को बहुत-बहुत बधाई और आप सभी लोगों को साधुवाद! जिन्होंने इस काम को आगे बढ़ाया है।

भाजपा एक विचारधारा आधारित पार्टी

> पार्टी ने एक लंबी वैचारिक यात्रा भी पूरी की है और जब मैं वैचारिक यात्रा की बात बोलता हूं, तो अकेली भारतीय जनता पार्टी है जिसने सन् 1951 में जो कहा, 2023 और 2024 में उसी बात पर अड़ी रही

पार्टी ने एक लंबी वैचारिक यात्रा भी पूरी की है और जब मैं वैचारिक यात्रा की बात बोलता हूं, तो अकेली भारतीय जनता पार्टी है जिसने सन् 1951 में जो कहा, 2023 और 2024 में उसी बात पर अड़ी रही। कोई पार्टी नहीं है जिसका वैचारिक अधिष्ठान टिका हुआ हो। कोई राजनीतिक दल नहीं है। अगर वो दल है तो वह भारतीय जनता पार्टी है।

हम लोग जिसकी यात्रा 'एकात्म-मानववाद' से सरलीकरण करते हुए और उसको साकार रूप देते हुए 'अंत्योदय' तक पहुंची और अंत्योदय को कार्य रूप देते हुए हमारे प्रधानमंत्री जी ने उसी को आगे बढ़ाया।

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास', इस बात को आगे बढ़ाने का कार्य किया। और इसी को फिर से जब लोग भारत की जनता को छोटी-छोटी जातियों में बांटने के प्रयास में लगे हैं, जब वो वोट-बैंक की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए लगे हैं, जब वे सरकार बनाने के लिए प्रयास करते हैं और उसके बाद वह सरकार किसी जाति विशेष वर्ग की हो जाती है।

अगर किसी ने इस संस्कृति को बदला और इसको चैलेंज किया तो वह हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया 'ज्ञान' के माध्यम से, जी फॉर गरीब, वाय फॉर युवा, ए फॉर अन्नदाता और एन फॉर नारीशक्ति। अगर गरीब की चिंता हो गई, अगर युवा की चिंता हो गई, अगर अन्नदाता की चिंता हो गई, अगर महिलाओं की, नारी शक्ति की चिंता हो गई, तो देश की समाज की चिंता हो जाती है। इस बात को आगे रखा है।

80 करोड़ गरीबों के लिए अन्न की व्यवस्था

हम आपके सामने गौरव के साथ कह सकते हैं। ये नारे नहीं है— प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना। 80 करोड़ की जनता को अन्न की व्यवस्था करना और उसके कारण 25 करोड़ की जनसंख्या गरीबी की रेखा से ऊपर उठ जाती है। और नए पंख के साथ आसमान की तरफ उड़ जाती है। तो यह भी हम सबको देखने वाली बात है।

> जब हम बात करते हैं प्रधानमंत्री आवास योजना की, तो 4 करोड़ 10 लाख मकान बन गए। पक्के घर, जिन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था, वो घर बनकर भी तैयार हो गए और आगे का लक्ष्य लेकर प्रधानमंत्री जी चले हैं ताकि कोई भी गरीब कच्चे मकान में ना रहे, उसको पक्की छत मिल सके

और जब हम बात करते हैं प्रधानमंत्री आवास योजना की, तो 4 करोड़ 10 लाख मकान बन गए। पक्के घर, जिन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था, वो घर बनकर भी तैयार हो गए और आगे का लक्ष्य लेकर प्रधानमंत्री जी चले हैं ताकि कोई भी गरीब कच्चे मकान में ना रहे, उसको पक्की छत मिल सके। इसकी व्यवस्था की गई। आयुष्मान भारत योजना इससे मुझे भी जुड़ने का मौका मिला। 9 महीने के अंदर इतनी बड़ी योजना 55 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपए का सालाना गंभीर बीमारियों से लड़ने के लिए उसकी व्यवस्था करना। ये काम किसी ने किया है तो यह काम आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया, 'आयुष्मान भारत' के तहत। आपको जानकर यह भी खुशी होगी कि यह दुनिया का सबसे बड़ा

हेल्थ प्रोग्राम है।

स्वच्छ भारत में 11 करोड़ से ज्यादा इज्ज्त घर बने। हमारे बहुत से लोग उत्तर प्रदेश से आये हैं, बिहार से आये हैं। बहुत से लोग पूर्व से आये हैं। उन्होंने देखा है अपने जीवन में हमारी बहनें, हमारी माताएं पानी का लोटा लेकर सड़कों पर किस तरह से उन्हें अपने दैनिक नित्य कर्म के लिए अमानवीय स्थिति देखनी पड़ती थी। आज 12 करोड़ लोगों को 'इज्जत घर' देकर प्रधानमंत्री जी ने महिलाओं का सशक्तीकरण भी किया और महिलाओं को डिग्निटी के साथ जीने का अधिकार दिया। ये भी हम सबको मालूम है। उज्ज्वला योजना, उजाला योजना।

मैं बताना चाहता हूं। मैं गांव से पहाड़ से आता हूं। मैं बार-बार सुनाता हूं। हमारी बहनें सवेरे 5 बजे उठती थीं, जंगलों में जाती थीं। लकड़ियां काटती थीं। लकड़ियां काटकर बोझा उठाकर घर लाती थीं। फिर वो फूकनी से फूंक-फूंक कर चूल्हों को जलाती थीं। इनका धुंआ अपनी छातियों पर लेती थीं। ये समय भी हमने देखा है।

उज्ज्वला योजना में 11 करोड़ से ज्यादा माताओं-बहनों को आज गैस कनेक्शन मिला है, पूरी ताकत के साथ महिला सशक्तीकरण हुआ है

लेकिन उज्ज्वला योजना से 11 करोड़ से ज्यादा माताओं-बहनों को आज गैस कनेक्शन मिला है, पूरी ताकत के साथ महिला सशक्तीकरण हुआ है।

18 हजार गांवों को मिली बिजली

18 हजार गांवों में बिजली पहुंचाना, ये बहुत बड़ी बात है। जिन लोगों ने कभी बिजली नहीं देखी थी, आप कल्पना कीजिए कैसा देश होगा? कैसे गांव होंगे? कैसा प्रदेश होगा?

आज तो उन 18 हजार गांवों को बिजली मिली। साथ ही में 2 करोड़ 62 लाख को हमारे यहां सौभाग्य योजना में उनके घरों में बिजली पहुंचाई गई। नई दृष्टि से नया जीवन मिला है।

जल जीवन मिशन में 11 करोड़ घर ऐसे हैं जिनको पहली बार पाइप से

पानी पहुंचाया गया। मैं जब 1993 में पहली बार एमएलए बना था। तो बहनें मेरे पास आती थीं, कहती थीं— देखो, ये 3 किलोमीटर से पहाड़ से नीचे उतरकर एक घैला पानी लेने आई हूं और अब मैं 3 किलोमीटर चढ़ूंगी। दिन के मेरे 3 घंटे लगते हैं। क्या जीवन जीऊंगी, इस तरीके की बात किया करती थीं। आज बदलते भारत में मोदी जी के नेतृत्व में 11 करोड़ घरों में 'हर घर जल, हर घर नल' पहुंचाने की योजना बनाई गई। तो इसलिए नई उपलब्धियों भरा हमारा दशक रहा है। इन योजनाओं को आगे बढ़ाने का हमने कार्य किया है।

यहां मैं नारीशक्ति वंदन विधेयक की चर्चा ना करूं तो शायद मैं नारी शक्ति के साथ अन्याय करूंगा। जो काम 30 सालों से राजनीतिक कारणों से रुका हुआ था, 30 सालों से जो विधेयक पास नहीं हुआ, प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में 3 दिनों के अंदर वह नारी शक्ति वंदन विधेयक लोकसभा और राज्यसभा से पास हो गया और हमारे गृहमंत्री अमितभाई शाह जी की रणनीति से धारा 370 को सदा-सदा के लिए समाप्त कर लिया, वो भी हमने देखा है।

भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण

हमने वह भी समय देखा, मैं उस समय युवा मोर्चा का कार्यकर्ता होता था, जब 1989 में पालमपुर में अधिवेशन हुआ था। राष्ट्रीय कार्यकारिणी हुई थी, हिमाचल में, हमारे प्रदेश में और वहां प्रस्ताव पारित हुआ था कि हम राम मंदिर के रास्ते को प्रशस्त करने के लिए प्रयास करेंगे। 1989 में और उसके बाद हमने वर्षों नारे लगाये। 'राम लला हम आयेंगे, मंदिर वहीं बनायेंगे।'

1989 में और उसके बाद हमने वर्षों नारे लगाये। राम लला हम आयेंगे, मंदिर वहीं बनायेंगे

बीच में कुछ लोगों ने उपहास भी किया और कहा, 'राम लला हम मंदिर वहीं बनायेंगे, लेकिन तिथि नहीं बतायेंगे।' या तिथि कब बतायेंगे। तो हमने कहा आपको तिथि भी बतायेंगे और आप जरूर आएंगे। आप आये नहीं, ये आपके कर्म थे लेकिन 22 तारीख को आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने 11 दिनों

का कठोर अनुष्ठान करने के बाद राम लला का प्राण प्रतिष्ठा की, वह भी हम सब लोगों ने देखा।

आज हम भव्य राम मंदिर और रामलला को विराजमान होते हुए वहां देखते हैं। 22 तारीख को उनकी वहां प्राण प्रतिष्ठा हुई और राम लला के इस कार्यक्रम में न सिर्फ कोई गांव, कोई देश या कोई प्रदेश बल्कि सारी दुनिया में दीप जले। और सारे मंदिरों में घंटियां बजीं और राम लला का स्वागत किया गया है। यह जो हमारा वैचारिक अनुष्ठान था, उसको हम लोगों ने पूरा किया। इसलिए हमें खुशी होती है।

अभी-अभी आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने, जो हमारे भारत के महान सपूत रहे, जिन्होंने देश के लिए, समाज के लिए अपना योगदान दिया, उनको 'भारत रत्न' देकर, एक बहुत बड़ी पहल करके, उनके कार्य को, उनके जीवन को, समाज में स्थापित उनके कार्य को एक तरीके से रेकोग्नाइज कर, उनको इज्जत देते हुए, उन्हें 'भारत रत्न' देने का कार्य किया, उसके लिए भी ये राष्ट्रीय परिषद प्रधानमंत्री मोदी जी का हार्दिक धन्यवाद करती है और उनको नमन करती है।

> **अभी-अभी आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने, जो हमारे भारत के महान सपूत रहे, जिन्होंने देश के लिए समाज के लिए अपना योगदान दिया। उनको 'भारत रत्न' देकर उनको एक बहुत बड़ी पहल करके, उनके कार्य को, उनके जीवन को, समाज में स्थापित उनको एक तरीके से रेकोग्नाइज करना, उनको इज्जत देते हुए जो ये 'भारत रत्न' का कार्य किया**

'भारत रत्न' सम्मान

हमारे भारत रत्न में, हमारे वरिष्ठतम नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी जी जिन्होंने पार्टी को पूरे जीवन ताकत लगाकर एक विशालकाय पार्टी बनाने में अपना योगदान दिया, ये हम सब लोगों को अच्छी तरीके से याद है और इसके साथ-साथ लंबा राजनैतिक सार्वजनिक जीवन जिस शुचिता के साथ जीया, वह हम सबके लिए उदाहरण है। भारत के गृहमंत्री और उपप्रधानमंत्री के रूप में भी जो उन्होंने देश की सेवा की, वह भी हमें ध्यान है। ऐसे वरिष्ठ

नेता को भारत रत्न से नवाजा गया, उसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी का हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

चौधरी चरण सिंह जी जो किसानों के अधिकारों के लिए सारे जीवन लड़ते रहे, शुचिता का जीवन व्यतीत किया। सादगी का जीवन व्यतीत किया। किसानों के लिए अग्रसर रहे और किसान भाइयों की आवाज को बुलंद करते रहे। ऐसे हमारे पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को 'भारत रत्न' दिया गया। कर्पूरी ठाकुर जी जिन्होंने सामाजिक न्याय के लिए पिछड़े वर्ग के लिए, अति पिछड़े वर्ग के लिए, एक साधारण तरीके से जीवन जीते हुए, गरीबों की जो लड़ाई लड़ी और उनके सौंवे साल के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री जी ने उनको भी 'भारत रत्न' से नवाजा। इसके लिए मैं उनको बधाई देता हूं। सार्वजनिक जीवन में सादगी के साथ कर्पूरी ठाकुर जी ने अपना पूरा योगदान दिया। और सामाजिक न्याय पिछड़े वर्ग के लिए, ओबीसी वर्ग के लिए, अति पिछड़ा वर्ग के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगाया; ऐसे महान सपूत को भी प्रधानमंत्री जी ने भारत रत्न से नवाजा।

हरित क्रांति के जनक कहे जाने वाले जिन्होंने फूड सिक्युरिटी भारत में लाया और ये जो खाद्य सुरक्षा का विषय आया इसको लाने में, भारत को सामर्थ्यवान बनाने में एम.एस. स्वामीनाथन का बहुत बड़ा योगदान था। उनको भी भारत रत्न से नवाजा गया

हमारे पी.वी. नरसिम्हा राव जी जो भारत के प्रधानमंत्री रहे और जिन्होंने विभिन्न जिम्मेवारियों में देश की सेवा की और उनकी विजनरी लीडरशिप की, जिसने आर्थिक दृष्टि से एक नये आयाम को आगे बढ़ाया। इसके साथ-साथ भाषाओं को आगे बढ़ाने का काम किया। साथ में शिक्षा के लिए काम किया। उनको भी भारत रत्न से नवाजा गया।

हमारे डॉ. श्री स्वामीनाथन जी जिनको हम एक तरीके से 'फादर आफ ग्रीन रिवोल्यूशन' कहते हैं। हरित क्रांति के जनक कहे जाने वाले जिन्होंने फूड सिक्युरिटी भारत में लाया और ये जो खाद्य सुरक्षा का विषय आया इसको

लाने में, भारत को सामर्थ्यवान बनाने में एम.एस. स्वामीनाथन का बहुत बड़ा योगदान था। उनको भी भारत रत्न से नवाजा गया। मैं प्रधानमंत्री जी को इस प्रकार के निर्णय लेने के लिए और इन सबको भारत रत्न देने के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूं और बधाई देना चाहता हूं।

भारत मंडपम—देश का एक गौरवशाली चिन्ह

> भारत मंडपम को रोकने का प्रयास किया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी अडिग रहे, डिगे नहीं, काम चलता रहा और रिकार्ड टाइम पर भारत मंडप बनकर आज हम सबके बीच में है

मैं अगर सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करूं तो चंद मिनट और चंद शब्दों में करना ये नामुमकिन है। इसलिए ये कठिन है कि मैं विकास यात्रा के बारे में कौन-सा आयाम पकड़ूं और कौन सा आयाम छोड़ दूं। हम आज यहां बैठे हैं इस भारत मंडपम में। बहुत से हमारे पुराने लोगों को याद होगा। वो यहां आया करते थे। वो प्रगति मैदान के नाम से जाना जाता। प्रगति नाम की कोई चीज नहीं थी। प्रगति कहीं दिखती नहीं थी। वही 1971-72 का ढांचा। जब मैं 11 साल का था तब मैंने प्रगति मैदान देखा था। जब उस समय यहां पर एशिया का 71 फेयर लगा था। और उसके बाद यह टूटी-फूटी अवस्था में था और आज यही 'भारत मंडपम' देश का एक गौरवशाली चिह्न बनकर हम सबके सामने है। ये हम सबको देखने को मिलता है और उनकी प्रगति की तो प्रगति मैदान में आपने देख ली, लेकिन उन्होंने मोदी जी की इस प्रगति को रोकने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी।

कोविड के दौरान कोर्ट में गए। भारत मंडपम को रोकने का प्रयास किया। बाधाएं डालीं, अटकाने का काम किया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी अडिग रहे, डिगे नहीं, काम चलता रहा और रिकार्ड टाइम पर भारत मंडप बनकर आज हम सबके बीच में है। हम सब जानते हैं कि ये रिकार्ड टाइम में पूरा हुआ ही, यह भारत मंडपम एक ऐतिहासिक गौरवशाली विषय का भी इतिहास बना, जब जी-20 से इस भारत मंडपम का श्री गणेश हुआ। जी-20 के देश

के लोग आए, यहां पर एक तरीके से कहा जाए तो हमारे यहां त्योहार का माहौल भी था और उस जी-20 में जो फैसले लिए गए वो भी आप सबको मालूम है। अफ्रीकन यूनियन को परमानेंट मेंबर्स के तौर पर जोड़ा गया। यूनानिमसली फैसले लिए गए। रिजॉल्यूशन पास हुआ।

जब हम भारत मंडपम की बात करते हैं तो यहां आपको जानकर खुशी होगी, हर दिन कम से कम 4-5-6 प्रोग्राम होते रहते हैं। दिन में यहां कम से कम हर दिन 15 हजार से 20 हजार लोग इस परिसर के अंदर आते हैं और उस कार्यक्रम में शामिल होते हैं। मैं आपसे निवेदन करूंगा कि आपको यदि मौका मिले तो 'यशोभूमि' में अवश्य जाएं। वो यशोभूमि इससे भी बड़ा भव्य निर्माण हुआ है। वहां पर भी कन्वेंशन सेंटर बना है और इस तरह से देश की प्रगति में ये भारत मंडपम और यशोभूमि ने एक अपना स्थान बनाया है।

> अफ्रीकन मेंबर को परमानेंट मेंबर्स के साथ जोड़ा गया। यूनानिमसली फैसले लिए गए। रिजॉल्यूशन पास हुआ

यदि हम देश की आर्थिक स्थिति की बात करें, तो एक समय में हम 'फ्रैजाइल फाइल' में थे, आज हम 'टॉप 5' में है। आज मैं यह भी कहना चाहता हूं कि 2024 में मोदी जी की हैट्रिक लगेगी, थर्ड टर्म आयेगा और हम तीसरी आर्थिक शक्ति बनकर तैयार होंगे।

हमारी विरोधी पार्टी के कुछ बड़े अर्थशास्त्री बने हुए हैं। वे कहते हैं ग्रोथ तो नहीं हो रही है। मैं उनको बोलता हूं, हां, तुम्हारी ग्रोथ तो नहीं हो रही है। ये तो पक्की बात है। इसमें तो कोई दो राय नहीं है। और होगी भी नहीं लेकिन देश की ग्रोथ रेट को देखना हो तो वह तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। आईएमएफ ने कहा है कि अगर 'ब्राइट स्पॉट' कोई है तो भारत है जिसको हमें ध्यान में रखकर चलने की बात है। जब मैं ग्रोथ रेट की बात करता हूं, तो आप आंकड़े जरा ध्यान में रखिएगा। यूएसए का ग्रोथ रेट है 1.5 परसेंट, जर्मनी का ग्रोथ रेट है 0.9 परसेंट, चाइना का ग्रोथ रेट है 4.2 प्रतिशत। जापान का ग्रोथ रेट है 1 परसेंट और भारत का ग्रोथ रेट है 6.3 परसेंट।

अब देखिए, मैं किसी को आंखें तो दे सकता हूं, दृष्टि तो दे नहीं सकता।

अगर जिसको दृष्टि नहीं है तो हम क्या कर सकते हैं। ऐसे कांग्रेसी भाई जो इस तरह की बात करते हैं। मैंने जैसे कहा कि मोर्गन स्टेनली कैपिटल इंटर रिपोर्ट में एमर्जिंग मार्किट में हिस्टोरिक-हाई, ऐतिहासिक-हाई 18.2 प्रतिशत भारत का है। यह बात मोर्गन स्टेनली रिपोर्ट में कही गई है।

आज 20 शहरों में दौड़ रही है मेट्रो ट्रेन

अगर मैं नेशनल हाइवेज की बात कहूं तो 1 लाख 46 हजार किलोमीटर नेशनल हाइवे बने हैं और यह 60 प्रतिशत पिछली सरकार से ज्यादा बने हैं और उसी तरह से नेशनल हाइवे में जो फोर लेन बनी है वह ढाई गुना बनी है। मेट्रो पहले 5 शहरों में थी आज 20 शहरों में मेट्रो दौड़ रही है। एयरपोर्ट हमारे 74 होते थे आज 149 हैं। बहुत जल्दी प्रधानमंत्री मोदी जी के अगले विजिट में 150 एयरपोर्ट बनकर तैयार हो जाएंगे।

> यूएसए का ग्रोथ रेट है 1. 5 परसेंट, जर्मनी का ग्रोथ रेट है 0.9 परसेंट, चाइना का ग्रोथ रेट है 4.2 प्रतिशत। जापान का ग्रोथ रेट है 1 परसेंट और भारत का ग्रोथ रेट है 6.3 परसेंट

आपको जानकर खुशी होगी कि भारत के विकास के लिए 3 लाख 75 हजार करोड़ किलोमीटर ग्रामीण सड़कें बनी हैं।

ऑप्टिकल फाइबर 2 लाख पंचायतों में कनेक्ट कर दिया गया है। 1300 नए रेलवे स्टेशन बन रहे हैं। एक साल का इंतजार करें, एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन में अंतर समझ में नहीं आयेगा, ऐसे हमारे रेलवे स्टेशन बन रहे हैं। आज हम मोबाइल में सेकेंड लार्जेस्ट एक्सपोर्टर हैं, 97 प्रतिशत मोबाइल अब भारत में बन रहे हैं। 'एप्पल' में भी अब 'मेड इन इंडिया' लिखा आ रहा है।

ऑटोमोबाइल में हम तीसरी लार्जेस्ट मार्केट बन गए हैं। डिफेंस के एक्सपोर्ट में हम आल टाइम हाई हैं। 16 हजार करोड़ रुपये का हम एक्सपोर्ट कर रहे हैं। 15 नए ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) बन गए हैं। 319 मेडिकल कॉलेज बन गए हैं। 7 नए आइआइटी बने हैं। 7 इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट बने हैं। 16 नई ट्रिपल आइआइटीज बनी

हैं। आपको जानकर खुशी होगी कि हमारे अनुसूचित जाति के भाइयों का हायर एजुकेशन में एनरोलमेंट 44 परसेंट हो गया है। हमारे अनुसूचित जनजाति भाइयों का हायर शिक्षा में 65 परसेंट एनरोलमेंट बढ़कर हुआ है, वह भी हमको ध्यान में रखना चाहिए। ओबीसी का 44 प्रतिशत हायर एजुकेशन में एनरोलमेंट हुआ है। ये भी हमको ध्यान में रखना चाहिए।

ई-जैम के माध्यम से भ्रष्टाचार को समाप्त किया गया। 34 लाख करोड़ रुपये गरीबों के खाते में ट्रांसफर हुए। 10 करोड़ फेक बेनिफिसियरों को इसमें हटाया गया है। 2 करोड़ 45 लाख करोड़ रुपये जो लिकेजेज थीं, उसको भी रोकने का काम हुआ। महिलाओं की भागीदारी की दृष्टि से सेल्फ हेल्प ग्रुप में 10 करोड़ महिलाओं को जोड़ा गया। और अभी 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने के निर्णय को आगे बढ़ा रहे हैं। उसको भी हमने पूरा करने का प्रयास किया है। मुद्रा योजना में महिलाओं को स्वरोजगार योजना के साथ जोड़ने का काम किया गया।

ऑप्टिकल फाइबर 2 लाख पंचायतों में कनेक्ट कर दिया गया है। 1300 नए रेलवे स्टेशन बन रहे हैं। 1 साल का इंतजार करें, एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन में अंतर समझ में नहीं आयेगा, ऐसे हमारे रेलवे स्टेशन बन रहे हैं

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अगर देखा जाए तो भारत आत्मनिर्भर बना और 'विश्वमित्र' की दृष्टि से हम आगे बढ़ें। ग्लोबल साउथ की हम आवाज बने और इसके साथ-साथ कोविड वैक्सीन मैत्री के तहत लगभग 100 देशों में 30 करोड़ वैक्सीन पहुंचाने का काम किया और उनकी विपदा में हम खड़े रहे। अंतरराष्ट्रीय जगत में प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में हमने एक बार साबित कर कि देश का इंटरेस्ट हम ध्यान में रखेंगे, लेकिन इसके साथ-साथ विश्व बंधुत्व को साथ लेकर चलेंगे। इस संदेश को हमने देने का प्रयास किया है।

इंटरनेशनल सोलर अलायंस की दृष्टि की नींव प्रधानमंत्री मोदी जी ने रखी। वो भी हम सबके सामने है। जी-20 की प्रेसीडेंसी में पहले हमने यूनानिमस रिजॉल्यूशन भी पास किया और भारत और मिडिल-ईस्ट का जो

यूरोप का कोरिडोर है, उसको भी बनाने की सहमति बनाई गई। यह भी काम उस जी-20 की बैठक में हुआ। इसके साथ-साथ अफ्रीकन यूनियन को परमानेंट मेंबरशिप देने का काम भी प्रधानमंत्री मोदी जी ने सफलतापूर्वक पूरा किया है।

विषय बहुत हैं बोलने को और मुद्दे भी बहुत हैं बोलने को। मैंने पहले ही कहा कि चंद शब्दों में उपलब्धियां नहीं बताई जा सकतीं, लेकिन आज अगर जब यूनाइटेड नेशन जनरल एसेंबली में प्रधानमंत्री मोदी जी ने 'योग' को रखा, 175 देशों ने इसे यूनानिमस रूप से एडॉप्ट किया। तो आज 21 जून योग दिवस दुनिया में स्थापित हो गया। ये भी हम सबको मालूम है। अगर हम ईयर आफ मिलेट्स-2023 को याद करें, तो उसका भी नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया। और उन्होंने यूनाइटेड नेशन जनरल एसेंबली को कहकर पूरा किया।

जी-20 की प्रेसीडेंसी में पहले हमने यूनानिमस रिजॉल्यूशन भी पास किया और भारत और मिडिल-ईस्ट का जो यूरोप का कोरिडोर है। उसको भी बनाने की सहमति बनाई गई

चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग

जहां तक रेस्क्यू आपरेशन का सवाल है। वंदे भारत मिशन हो, कोविड में सब लोगों को घर वापिस लाने का सवाल हो। आपरेशन दोस्त हो। सीरिया से लोगों को वापिस लाने का सवाल हो। या फिर आपरेशन गंगा हो, जिसमें यूक्रेन से लोगों को लाने का सवाल हो। सभी में सफलता हम सबको मिली है और मोदी जी ने बढ़-चढ़कर पहल की है और इस पहल के कारण मंगल यान से चंद्रयान, ये संभव हुआ तो इसी दशक में हुआ। सॉफ्ट लैंडिंग चंद्रयान की अगर साउथ पोल में हुई, तो वह भी दृश्य हम लोगों ने अपनी आंखों से देखा।

आदित्य एल-1 का सफल प्रयास भी हमलोगों ने देखा, तो हमने धरती पर, दुनिया में और अंतरिक्ष में भी एक विशेष स्थान बनाया है। ये भी हम सबको ध्यान में रखने की आवश्यकता है। मैं इसके साथ-साथ यह भी बताना

चाहूंगा कि पार्टी ने भी पिछले दस सालों में बहुत तीव्र गति से काम को आगे बढ़ाया है और आगे बढ़ाने का काम किया है।

जैसाकि मैंने कहा कि अमित भाई शाह के नेतृत्व में पार्टी ने एक विस्तार रूप लिया। उसी विस्तार रूप को हम सभी लोग आगे बढ़ाते हुए और आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

आज मुझे खुशी है 18 करोड़ कार्यकर्ताओं की पार्टी, जिसमें राष्ट्रीय संगठन से लेकर और 8 लाख 74 हजार बूथ पर हमारी बूथ समिति और बूथ का अध्यक्ष होना, आज यह परिस्थिति आकर खड़ी है। इसलिए वी आर कैडरबेस्ड पार्टी। वी आर दी लार्जेस्ट पॉलिटिकल पार्टी और बूथ के साथ-साथ लाखों कार्यकर्ता हमारे जुड़े हैं। ये हमारी स्थिति है। लोकसभा में हम सबसे बड़ी पार्टी हैं। राज्य सभा में हम सबसे बड़ी पार्टी। 1500 के आसपास हमारे विधायक चुनकर आये हैं। हमारे लगभग 170 एमएलसी है। जैसाकि मैंने कहा हमारे 93 मेयर हैं और हमारे डिप्टी मेयर मिला लें तो 163 से ज्यादा हैं। हमारे 539 म्युनिसिपल चेयरमैन हैं। हमारे 297 जिला परिषद् के अध्यक्ष हैं। हमारे 1000 के आसपास नगर पंचायत के अध्यक्ष हैं और उत्तर से दक्षिण तक पूर्व से पश्चिम तक हर जगह है तो कमल है।

आदित्य एल-1 का सफल प्रयास भी हमलोगों ने देखा। तो हमने धरती पर, दुनिया में और अंतरिक्ष में भी एक विशेष स्थान बनाया है

दक्षिण भारत में भाजपा के 29 सांसद

पैन इंडिया पार्टी बनी है तो भारतीय जनता पार्टी बनी है। लोग हमसे चर्चा करते हैं कि आप साउथ में नहीं हैं। मैं आपके सामने एक रिकार्ड रखना चाहता हूं। साउथ में भी, कांग्रेस के 28 एमपी हैं और भारतीय जनता पार्टी के 29 एमपी हैं। ये भी याद रखना है। साउथ में भी, राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी की 8 सीटें हैं और कांग्रेस की 7 सीटें हैं। ये भी हमको ध्यान में रखना है।

आप सबका मैं धन्यवाद करना चाहता हूं। जब कोविड आया, लॉकडाउन लगा। प्रधानमंत्री मोदी जी ने फ्रंट से लीड किया। एक ऐसा समय था जो

हमने कभी देखा नहीं था। जिसके बारे में हमारे पास कोई तर्जुबा नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी ने बुलंदी के साथ देश को फ्रंट से लीड किया और कहा पहले 'जान है तो जहान है'। लॉकडाउन लगाया। देश को तैयार किया।

जब देश तैयार हो गया तो प्रधानमंत्री जी ने कहा— 'जान भी है और जहान भी है', आगे बढ़ चलो। इस तरीके से नेतृत्व किया। उस समय जो लोग उपहास उड़ाया करते थे— ताली बजाओ, थाली बजाओ, उन्होंने नहीं बजाई। सारे देश ने ताली भी बजाई, थाली भी बजाई। दीया भी जलाया और देश मोदी जी के साथ खड़ा हुआ। वो हम सबने देखा। ऐसे समय में आपने पार्टी से आह्वान किया। आपने ही वो नाम रखा 'सेवा ही संगठन' है। संगठन किसलिए है। विपत्ति काल में काम करने के लिए, सेवा के लिए और मुझे खुशी है मित्रो! मैं आपसे बताना चाहता हूं आप सभी कार्यकर्ताओं को मैं हजार बार साधुवाद करता हूं। आप लोगों ने अपनी जान की परवाह किये बगैर दिन-रात काम किया। कोविड में आप निकल पड़े और आपने करोड़ों के हिसाब से मास्क बांटे। आपने लाखों के हिसाब से सेनिटाइजर बांटा। आपने लाखों के हिसाब से फूड का राशन बांटा। आपने लाखों के हिसाब से फूड के किट बांटे। लोगों तक भोजन पहुंचाया। आपने हजारों की मात्रा में बुर्जुर्गों को दवाई पहुंचाने का भी काम किया। कार्यकर्ताओं ने अपनी जान की चिंता नहीं की। उनको इसी दौरान एक बार नहीं बल्कि 2-2 बार कोरोना हुआ। फिर भी वो डटे रहे और मैदान में काम करते रहे। ये सेवा ही संगठन है। ये हमने सीखा। इसके लिए आपको धन्यवाद देता हूं।

पैन इंडिया पार्टी बनी है तो भारतीय जनता पार्टी बनी है। लोग हमसे चर्चा करते हैं कि आप साउथ में नहीं हैं। मैं आपके सामने एक रिकार्ड रखना चाहता हूं। साउथ में भी, कांग्रेस के 28 एमपी हैं और भारतीय जनता पार्टी के 29 एमपी हैं

आदरणीय मोदी जी की सूझ-बूझ से उस समय जो पार्टी को दिशा मिली उसके माध्यम से हम उस कार्य को आगे बढ़ा सके हैं।

महा-जनसंपर्क अभियान आपने किया। 'गांव चलो' अभियान आपने सफल किया। बूथ सशक्तीकरण का काम आपने बहुत अच्छा किया। उसी

तरह से आपने प्रशिक्षण का काम बहुत अच्छे तरीके से किया।

मुझे खुशी है हमारे 5,515 चुने हुए प्रतिनिधि में, जिसमें हमारे जिला परिषद के अध्यक्ष, जिला परिषद् के उपाध्यक्ष, जिला परिषद् के सदस्य, बीडीसी के सदस्य, बीडीसी के चेयरमैन और इसी तरीके से नगर पंचायत के अध्यक्ष; इन सबकी ट्रेनिंग-अभ्यास वर्ग का काम कोई राजनीतिक दल नहीं कर पाया है। इसको किया तो भारतीय जनता पार्टी ने किया। ये भी हम आपके सामने बताना चाहते हैं।

मुझे खुशी है हमारे 5,515 चुने हुए प्रतिनिधि में, जिसमें हमारे जिला परिषद के अध्यक्ष, जिला परिषद् के उपाध्यक्ष, जिला परिषद् के सदस्य, बीडीसी के सदस्य, बीडीसी के चेयरमैन और इसी तरीके से नगर पंचायत के अध्यक्ष; इन सबकी ट्रेनिंग-अभ्यास वर्ग का काम कोई राजनीतिक दल नहीं कर पाई है। इसको किया तो भारतीय जनता पार्टी ने किया

मेरी माटी–मेरा देश

'मेरी माटी-मेरा देश' जो सरकार का कार्यक्रम था। उस कार्यक्रम को भी बखूबी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लगभग 3 लाख गांव तक पहुंच करके और वहां मिट्टी को कलश में लेकर 'भारत मां' की मिट्टी को कलश में लेकर, दिल्ली में लाने का काम किया।

और 31 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में, जो उद्यान बना है, उसमें उस मिट्टी को डाला भी गया और साथ ही साथ, प्रधानमंत्री जी का हम लोगों को संबोधन मिला। 'मेरी माटी-मेरा देश', इसको भी हम लोगों ने बखूबी पूरा किया है।

उसी तरीके से बस्ती संपर्क कार्यक्रम विशेष रूप से हमारे अनुसूचित जाति मोर्चा ने किया, लेकिन सारी पार्टी उसमें लगी। उसको भी पूरी ताकत से पूरा करने का कार्य किया।

उसी तरीके से बस्ती संपर्क के साथ-साथ बूथ सशक्तीकरण का कार्यक्रम जैसा कि मैंने कहा उसको को भी पूरा करने का कार्य किया।

आज हम 8 लाख 40 हजार से ज्यादा बूथों पर पहुंच चुके हैं और वो दिन

दूर नहीं है जब हम 10 लाख से ज्यादा बूथों तक अपने काम को पहुंचाएंगे। आप लोगों की ताकत पर हम इस काम को पूरा करने वाले हैं। इस तरीके से हम आगे बढ़ेंगे। नवमतदाता सम्मेलन हुआ। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने लगभग 32 लाख, हमारे 18 वर्ष से जो पहली बार मतदाता हैं, उनको संबोधित किया। इसके साथ-साथ पूरे देश में लगभग 52 लाख लोगों का पंजीकरण हुआ। विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ। इस कार्य को युवा मोर्चा ने बखूबी पूरा किया है। ऐसे विशेष कार्यक्रम बहुतायत रूप में किए गए। उनको पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ाया गया। एक कार्यक्रम 'Know BJP' के तहत विदेश से जो हमारे 60 से ज्यादा राजदूत आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में आ चुके हैं। उन्होंने आकर भारतीय जनता पार्टी को समझने का प्रयास किया।

आज हम 8 लाख 40 हजार से ज्यादा बूथों पर पहुंच चुके हैं और वो दिन दूर नहीं है जब हम 10 लाख से ज्यादा बूथों तक अपने काम को पहुंचाएंगे

आठ देशों से राजनीतिक राजदूतों के डेलीगेशन भारतीय जनता पार्टी को समझने के लिए आज बीजेपी के कार्य को जानने के लिए आए हैं। इसके साथ-साथ किसी देश के विदेश मंत्री हों, चाहे नेपाल के प्रधानमंत्री हों, इनका भी आगमन भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में हुआ है। इसलिए बहुआयामी दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी आगे बढ़ रही है।

मित्रो! मैंने शुरू में कहा था। हमने पीछे अपनी जीत देखी है, हमने आगे भी जीत देखनी है। आज हम लोगों के मन में उत्साह है। हम उत्साहित हैं, लेकिन उत्साह के साथ-साथ प्रफुल्लित भी हैं, लेकिन उसके साथ-साथ हमको चेतन अवस्था में रहते हुए 370 पार करना है और एनडीए को 400 लाना है। उसकी तरफ हमको आगे बढ़ना है। 370 हमको पार करना है और इसके लिए हर बूथ पर पूरी ताकत के साथ जुटना है।

हमारे सामने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं, जो काम करते हैं, मुझे पूरा भरोसा है आप पर। आप पूरी ताकत से लगे हैं और भारतीय जनता पार्टी मोदी जी के नेतृत्व में थर्ड टर्म में हैट्रिक भी करेगी और रिकॉर्ड तोड़कर आगे

नई दिल्ली में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन की कुछ झलकियां

नई दिल्ली में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन की कुछ झलकियां

बढ़ेगी। इस तरीके से हम आगे बढ़ेंगे।

मैं आपका ज्यादा समय न लेते हुए अपनी बात को यहीं विराम देता हूं और इस आशा के साथ अगली बार जब हम मिलेंगे तो हम 370 पार होंगे। भाजपा और एनडीए 400 पार करेगी।

बहुत-बहुत धन्यवाद! जय भारत!

❑❑❑

2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य के साथ भारत की छवि एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरी: राजनाथ सिंह

'भारत मंडपम', नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के पहले दिन 17 फरवरी, 2024 को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 'विकसित भारत—मोदी की गारंटी' प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन इस बात में अटूट विश्वास व्यक्त करता है कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार 3.0 देश में विकास की गति और तेज करते हुए सफलता के नए रिकॉर्ड बनाएगी। भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन अपने सर्वोच्च नेता और देश के आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को विश्वास दिलाता है कि पार्टी का पूरा संगठन, एक–एक कार्यकर्ता समर्पित भाव से उनके बताये रास्ते पर चलने के लिए कटिबद्ध है, ताकि 2047 तक 'विकसित भारत' का सपना साकार हो सके। हम उनके वक्तव्य का पूरा पाठ यहां प्रकाशित कर रहे हैं:

भारत माता की जय! भारत माता की जय!!

अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले और भारत का कद ऊंचा करने वाले हमारे प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी, भारतीय जनता पार्टी के यशस्वी राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जगत प्रकाश नड्डा जी, संसदीय बोर्ड के सभी सम्मानित सदस्यगण, भारतीय जनता पार्टी के समस्त पदाधिकारीगण और इस सभागार में मौजूद मेरे सभी कार्यकर्ता बहनो एवं भाइयो।

आज मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है, जैसा राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने कहा कि हमें राजनीतिक प्रस्ताव आप सबके समक्ष प्रस्तुत करना है। जो राजनीतिक प्रस्ताव है मैं समझता हूं कि उसकी प्रतिलिपि भी आप सबको प्राप्त हो गई होगी और इस राजनीतिक प्रस्ताव का जो नामनक्लेचर है, जो नाम दिया गया है, वह है 'विकसित भारत-मोदी की गारंटी।' मैं यहां पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, 'मोदी की गारंटी की तरफ।'

मेरे कार्यकर्ता बहनो-भाइयो, हर व्यक्ति सच्चाई को स्वीकार करेगा। भारत की राजनीति में 1947 के बाद नेताओं की कथनी और करनी में अंतर होने के कारण, नेताओं के वड्र्स और डिड्स में अंतर होने के कारण, नेताओं के कहने और करने में अंतर होने के कारण, भारत की राजनीति में विश्वसनीयता का संकट यानी 'क्राइसिस आफ क्रेडिबिलिटी' पैदा हुई थी। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं। डंके की चोट पर कह सकता हूं कि भारत की राजनीति में पैदा हुए इस विश्वास के संकट को इस क्राइसिस ऑफ क्रेडिबिलिटी को किसी ने पूरे दिलेरी के साथ, मजबूती के साथ उस चुनौती को स्वीकार किया है तो हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने स्वीकार किया है। हमारे मोदी जी जो कहते हैं वह करते हैं और वह कहते हैं, मोदी की गारंटी की गारंटी है। यानी पॉइंट वन परसेंट भी जो मैं कह रहा हूं, उसे न होने की कोई गुंजाइश नहीं है, इस दृढ़ विश्वास के साथ हमारे प्रधानमंत्री बोलते हैं। मोदी जी के राजनीति का ट्रैक रिकॉर्ड आप सब जानते हैं कितना शानदार है, जो बोलेंगे वह करेंगे। इसीलिए राजनीतिक प्रस्ताव में 'विकसित भारत' बनाने का जो हम लोगों ने लक्ष्य निर्धारित किया है और यह लक्ष्य भी दिया है हम सभी को हमारे प्रधानमंत्री ने। तो इस विकसित भारत को बनाने की भी हमारे प्रधानमंत्री की पक्की गारंटी है और इस पर आधारित हमारा यह प्रस्ताव है।

> **हमारे मोदी जी जो कहते हैं वह करते हैं और वह कहते हैं, मोदी की गारंटी की गारंटी है। यानी पॉइंट वन परसेंट भी जो मैं कह रहा हूं, उसे न होने की कोई गुंजाइश नहीं है**

आज भारत जिस स्थिति में पहुंचा है, उससे आप सभी परिचित हैं। आप

ही नहीं परिचित हैं, बल्कि भारत के प्रति सारी दुनिया अच्छी तरह वाकिफ है। मुझे याद है 2013 में भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष था। राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए, एक डेलिगेशन का नेतृत्व करते हुए मैं अमेरिका गया था और उस समय गोवा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में आदरणीय मोदी जी को इलेक्शन कैंपेन कमिटी का चेयरमैन घोषित किया था। जब मैं वहां गया सीनेट के कई डेलिगेशन के साथ हमारी बातचीत हुई। थिंक टैंक के लोगों के साथ बातचीत हुई। कांग्रेस के लोगों के साथ हमारी बातचीत हुई। सारे वहां के मेंबर ऑफ पार्लियामेंट, एक तो उनके अंदर विश्वास था कि भविष्य में मोदी जी का नेतृत्व भारत में होने वाला है, तो भारत आगे जाएगा ही, दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती। लेकिन मुझे याद है, एक-दो सीनेट के मेंबर थे जिन्होंने कहा था, 'नो द सक्सेस स्टोरी ऑफ इंडिया दिस आवर, इवन बिफोर इट हेज पिक्ड अप।' उनका कहना था कि इंडिया की सक्सेस स्टोरी पूरी तरह से समाप्त हो चुकी है। उस समय मैंने जवाब दिया था— 'द सक्सेस स्टोरी ऑफ़ इंडिया इज नॉट ओवर, इट इज वेटिंग फॉर बीजेपी, द लीडरशिप ऑफ श्री नरेन्द्र मोदी टू कम इन टू पॉवर'। पर परमात्मा ने यह सोच ली थी, और मैं देख रहा हूं कि आज पूरी तरह से साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है।

इन 10 वर्षों में भारत की दशा भी बदली है, भारत की दिशा भी बदली है और भारत की मनोदशा में भी एक क्रांतिकारी परिवर्तन हमको देखने को मिलता है

21वीं सदी भारत की

आज दुनिया का हर राष्ट्रीय अध्यक्ष बोलता है। 21वीं सदी दुनिया में यदि किसी देश की बात करता है, तो उसे देश का नाम है भारत। और वह दिन है और एक आज का दिन है प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अपने सफल 10 वर्ष पूरे किए हैं। इन 10 वर्षों में भारत की दशा भी बदली है, भारत की दिशा भी बदली है और भारत की मनोदशा में भी एक क्रांतिकारी परिवर्तन हमको देखने को मिलता है। पहले यही भारत था, 'करंट अकाउंट

डेफिसिट' को फाइनेंस करने के लिए देश और विदेश के लोगों से यह आग्रह किया जाता था। विदेश के सामने हाथ फैलाकर याचना की जाती थी कि हमारे यहां करंट अकाउंट डेफिसिट को कम करने के लिए आप इन्वेस्टमेंट करिए। आज हालात पूरी तरह से बदल गए और जैसा हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि 2013 में मॉर्गन स्टेनली ने कहा था— भारत को फ्रैजाइल फाइव कंट्रीज की कतार में लाकर खड़ा किया था। आज वही मॉर्गन स्टेनली और दुनिया की मानी जानी फाइनेंशियल फॅर्म्स यह कहती हैं कि भारत दुनिया की 'फ्रैजाइल फाइव' में नहीं है, बल्कि दुनिया की 'फैबुलस फाइव' में आकर खड़ा हो गया है। यह एक बड़ा अंतर हमको देखने को मिलता है। हमारे प्रधानमंत्रीजी का संकल्प है— 2027 आते-आते हमारा भारत, दुनिया की टॉप-3 इकॉनोमीज में आकर खड़ा हो जाएगा। भारत को 2047 तक एक विकसित भारत बनाने की बात हमारे प्रधानमंत्री जी ने कही है। मैं समझता हूं, मैं ही नहीं, मैं अभी इंग्लैंड गया था, वहां के लोग भी मानते हैं कि जो मोदी जी ने अब तक कहा है, सब हुआ है। लगता है कि उनकी जिह्वा पर सरस्वती बैठी हुई है। अब उन्होंने भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने की यानी डेवलप्ड कंट्री बनाने की बात कही है, तो निश्चित रूप से पूरा होकर रहेगा। यह अब दुनिया को विश्वास और एक भरोसा यह पैदा हुआ है।

> **पिछले 10 साल आर्थिक, राजनीतिक सामरिक और संवैधानिक और सांस्कृतिक दृष्टि से मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं यह भारत के लिए स्वर्णिम सिद्ध हुए हैं**

पिछले 10 वर्षों में हुए अनेक ऐतिहासिक निर्णय

एक बड़े संकल्प के साथ हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी और उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार और इस समय भारतीय जनता पार्टी की सरकारें काम कर रही हैं। पिछले 10 वर्षों में बड़ी तेजी से तमाम निर्णय और निर्णय के साथ-साथ कई मेजर रिफॉर्म्स किए गए हैं। चाहे वह जम्मू-कश्मीर से धारा-370 समाप्त करने का हो, नए संसद भवन के निर्माण का हो, नारी शक्ति वंदन

का हो अथवा तीन तलाक की कुप्रथा को समाप्त करने का हो, जीएसटी लागू करने का हो, मिशन चंद्रयान हो या आदित्य की लॉन्चिंग हो, अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो, जन-धन-आधार मोबाइल की त्रिमूर्ति के सहयोग से डीबीटी का सफल संचालन हो। या फिर आतंकवाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई हो। यानी पिछले 10 साल आर्थिक, राजनीतिक, सामरिक और संवैधानिक और सांस्कृतिक दृष्टि से मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं यह भारत के लिए स्वर्णिम सिद्ध हुए हैं।

यह बात आप भी विश्वास के साथ बोल सकते हैं और मैं समझता हूं कि हमारे विरोधी राजनीतिक दल के लोगों का दिल भी बोलता होगा। आज का समय दुनिया में किसी दूसरे देश का नहीं है, आज का समय 'भारत का समय' है। इतना ही नहीं, पूरे विश्व का भारत पर लगातार विश्वास बढ़ रहा है। भारत के सामर्थ्य को लेकर दुनिया में एक पॉजिटिव सेंटीमेंट जो पहले कभी नहीं हुआ करता था, आज वह पॉजिटिव सेंटीमेंट सारी दुनिया में डेवलप हुआ है। भारत की सफलता को लेकर दुनिया में ऐसा पॉजिटिव सेंटीमेंट, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि जितना अंतरराष्ट्रीय राजनीति के बारे में मैं जानता हूं, उस आधार पर मैं कह सकता हूं, इस प्रकार का पॉजिटिव सेंटीमेंट भारत के बारे में पैदा होगा कभी, इसकी पहले हम लोग कभी कल्पना भी नहीं करते थे। इसका भी श्रेय यदि दिया जाना चाहिए तो हमारे भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को दिया जाना चाहिए।

> पिछले 10 वर्ष बेहद अभूतपूर्व रहे। इस दौरान जहां हमारी ग्रोथ रेट लगातार बढ़ रही है वहीं हमारा फिजिकल डिफिसिट भी लगातार घट रहा है। पिछले 10 वर्षों में हमारा एक्सपोर्ट बड़ा है। करंट अकाउंट डेफिसिट कम हुआ है। इन्वेस्टमेंट हमारा इस समय नई बुलंदी पर है और महंगाई पूरी तरह से भारत में काबू है

आज महंगाई पूरी तरह काबू में

आज मैं सोचता हूं, तो मुझे लगता है कि सचमुच मोदी जी ने यह बात

कही है, 'यही समय है सही समय है', जो उन्होंने कहा है, वह सोच समझकर कहा है, नाप-तोल कर कहा है और दिल से कहा है। पिछले 10 वर्ष बेहद अभूतपूर्व रहे। इस दौरान जहां हमारी ग्रोथ रेट लगातार बढ़ रही है वहीं हमारा फिजिकल डिफिसिट भी लगातार घट रहा है। पिछले 10 वर्षों में हमारा एक्सपोर्ट बढ़ा है। करंट अकाउंट डेफिसिट कम हुआ है। इन्वेस्टमेंट हमारा इस समय नई बुलंदी पर है और महंगाई पूरी तरह से भारत में काबू है। यह स्थिति है। पिछले 10 वर्षों में अपॉर्चुनिटी और इनकम दोनों बढ़े हैं और गरीबी कम हुई है। यह वह समय है, जब कन्सम्प्शन भी बढ़ा। सरकारी और गैर सरकारी कंपनियों का मुनाफा भी बढ़ा है। बैंक एनपीए में रिकॉर्ड कमी आई है। बैंक के 'नॉन परफॉर्मिंग ऐसेट' में इतनी कमी नहीं आई थी, जितनी कि मोदी जी की सरकार बनने के बाद कमी आई है। इसका परिणाम यह हुआ है कि आज भारत के आम नागरिक का विश्वास ऑल टाइम हाई पर है। स्टॉक मार्केट, ऑल टाइम हाई पर है। वहीं भारत के विकास में रोड़े अटकाने वालों की निगेटिविटी ही ऑल टाइम लो पर हो गई है। एक समय था जब देश का सोना, दुनिया के दूसरे देशों में गिरवी रखा जाता था।

> **2020 में कोरोना का संकट पूरे विश्व में बढ़ रहा था। किस तरीके से मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार कोरोना की चुनौती से निपटी है, मैं समझता हूं किसी कार्यकर्ता को बताने की आवश्यकता नहीं है**

एक समय ऐसे हालात पैदा हो गए थे कि फॉरेन एक्सचेंज, वन मिलियन डॉलर से कम था, उस समय केंद्र सरकार इंटरनेशनल मोनेटरी फंड और वर्ल्ड बैंक के आगे एक भिखारी के रूप में खड़ी होती थी। आज फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व 600 बिलियन डॉलर से अधिक हो चुका है। वह इंटरनेशनल मोनेटरी फंड जिसके आगे हम याचक बनकर खड़े थे, आज उसी इंटरनेशनल मोनेटरी फंड की चीफ क्रिस्टालिना जॉर्जीवा कहती हैं कि वैश्विक विकास में भारत दुनिया की आर्थिक प्रगति का सबसे प्रमुख इंजन बनने जा रहा है, यह है भारत के विकास की गारंटी। 2020 में कोरोना का संकट पूरे विश्व में बढ़ रहा था। किस तरीके से मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार कोरोना की चुनौती से निपटी है, मैं समझता

हूं किसी कार्यकर्ता को बताने की आवश्यकता नहीं है। हमारे जो लोग दुनिया के दूसरे देशों में फंसे हुए थे, मुझे याद है वह क्षण, मैं भी बैठा हुआ था। जब इस संबंध में चर्चा हो रही थी, लोग कहते थे बाहर निकालिए साहब। जैसे भी हो, हमारे बच्चे वहां से आने चाहिए। जब रशिया का अटैक यूक्रेन पर हो रहा था, उस समय भी लोग यही कह रहे थे कि साहब यूक्रेन से हमारे बच्चों को बाहर निकालिए। यह कोई छोटा काम नहीं था, यह चैलेंजिंग टास्क था। हमारे प्रधानमंत्री जी ने टेलीफोन उठाया। उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति मिस्टर जेलेंस्की से बात की, रशिया के राष्ट्रपति मिस्टर पुतिन से बात की। साथ ही साथ, अमेरिका के राष्ट्रपति मिस्टर बाइडेन से बात की और वहां पर हमारे ढाई हजार से अधिक नौजवान जो पढ़ाई-लिखाई कर रहे थे वह सकुशल बाहर आ गए। यह है भारत।

भारत ने बड़ी सूझबूझ से किया कोरोना संकट का मुकाबला

> हमारे प्रधानमंत्रीजी का यह मानना है कि इस तरफ वर्तमान ही नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर भी इन्वेस्ट किया जाना चाहिए। लंबी सोच है। उनका मंत्र रहा है— 'मनी सेव्ड, इज मनी अर्नड'

कोरोना के संकट से निपटने के लिए, किस तरीके से प्रभावी कदम हमारी सरकार ने उठाए हैं, मैं समझता हूं कि इससे आप सब अच्छी तरह से परिचित हैं। मुझे मालूम है कि उस समय पर खूब दबाव बनाया गया कि नोट छाप कर डिमांड पूरी करिए। लोगों का कहना था कि संकट गहरा रहा है कोरोना के कारण, फाइनेंशियल क्राइसिस पैदा हो रही है। नोट छापकर डिमांड पैदा करिए ताकि ग्रोथ रेट बढ़े। तब मोदी जी ने वह नहीं किया। लोगों की बातें नहीं सुनी। कई देशों ने किया, आज उसका दुष्परिणाम यह है कि वहां पर महंगाई का एक अभूतपूर्व संकट पैदा हो गया है। इस समय दुनिया के जो विकासशील अथवा विकसित देश माने जाते हैं; यदि सर्वाधिक महंगाई कहीं पर नियंत्रित है, तो वह हमारे और आपके देश भारत में नियंत्रित है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी ने सूझबूझ का परिचय देते हुए ऐसा कोई कदम नहीं उठाया, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था

को लॉन्ग टर्म में उसका खामियाजा भुगतना पड़े। यह उनकी ही दूरदृष्टि का परिणाम था।

हमारे प्रधानमंत्री का यह मानना है कि इस तरफ वर्तमान ही नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर भी इन्वेस्ट किया जाना चाहिए। लंबी सोच है। उनका मंत्र रहा है 'मनी सेव्ड, इज मनी अर्नड' का यह मंत्र जैसे हमने प्रोजेक्ट तेजी से पूरा करके उन्हें समय पर खत्म करके भी पैसे बचाए हैं। टाइम बाउंड तरीके से प्रोजेक्ट को पूरा करना इस सरकार की सबसे बड़ी पहचान बन गई है। और मैं कह सकता हूं आज भी मोदी जी जब भी किसी कार्यक्रम में जाते हैं, तो कहते हैं इसका शिलान्यास यदि हमने किया है इसका उद्घाटन भी मैं ही करूंगा। यह एक सेंस ऑफ कॉन्फिडेंस हमारे प्रधानमंत्री के अंदर, इतना जबरदस्त यह कॉन्फिडेंस है। यह कोई छोटी बात नहीं है। यानी विश्वास है कि चाहे कितनी भी बड़ी हमारी चुनौती हमारे सामने आकर क्यों न खड़ी हो जाए। हम उस चुनौती पर विजय प्राप्त करेंगे और मोदी जी के नेतृत्व में सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन करते हुए, नई टेक्नोलॉजी की मदद से पारदर्शी तरीके से सभी लाभार्थियों की न केवल पहचान की है, बल्कि बिना किसी भेदभाव के हर योजना का लाभ दिया गया है। करोड़ों फर्जी लाभार्थियों के नाम भी निकल गए। वैसे तो हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में इस राजनीतिक प्रस्ताव की बहुत सारी बातों पर चर्चा की है। इसलिए उसके संबंध में यहां पर चर्चा नहीं करूंगा, लेकिन जिन बिंदुओं पर उन्होंने प्रकाश नहीं डाला है, मैं उन्हीं को आपके सबके सामने प्रस्तुत करने की कोशिश करूंगा। 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' सिस्टम के माध्यम से, यह स्कीम शुरू की गई और एक-एक पाई सही लाभार्थी के बैंक के खातों में पहुंचाने का काम हमारी सरकार ने किया है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम का परिणाम यह हुआ

देश में काम करने की स्पीड पहले की अपेक्षा कई गुना बढ़ गई है। 2014 में जहां पर भारत में स्टार्टअप की संख्या 300, 400, 500 हुआ करती थी। आज आपको जानकर और खुशी होगी कि भारत में स्टार्टअप की संख्या 1,20,000 से अधिक पहुंच गई है

है कि देश के करीब 3 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बच गए।

आज भारत में स्टार्टअप की संख्या 1,20,000

देश में काम करने की स्पीड पहले की अपेक्षा कई गुना बढ़ गई है। 2014 में जहां पर भारत में स्टार्टअप की संख्या 300, 400, 500 हुआ करती थी। आज आपको जानकर और खुशी होगी कि भारत में स्टार्टअप की संख्या 1,20,000 से अधिक पहुंच गई है। भारत में मोबाइल का जहां तक प्रश्न है, एक दशक के दौरान मोबाइल की मैन्युफैक्चरिंग में पांच गुना का इजाफा हुआ है। ऐसा और दुनिया में कहीं देखने को नहीं मिलेगा। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का जहां तक सवाल है, उसे सुनिश्चित करने के लिए 40 हजार ऐसे कंप्लायंस हैं या तो उन्हें हटा दिया गया है या उन्हें सिंपलीफाई कर दिया गया है, उनका सरलीकरण कर दिया गया है। एनवायरमेंट क्लीयरेंस लेने में 600 दिन लग जाते थे, दो-दो साल, ढाई-ढाई साल एनवायरमेंट क्लीयरेंस नहीं मिलता था लोगों को। सारे प्रोजेक्ट्स रुके रह जाते थे। जो एनवायरमेंट क्लीयरेंस 600 दिनों में मिला करते थे, अब वह 75 दिन से कम समय में लोगों को प्राप्त हो रहे हैं। इसलिए विकास की गति में भी तेजी आई है।

> **राजमार्गों की लंबाई 90 हजार किलोमीटर से बढ़कर 1.46 लाख किलोमीटर हो गई है और चार लेन वाले राजमार्गों की लंबाई में ढाई गुना वृद्धि हुई है। 25,000 किलोमीटर से अधिक रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं। अमृत भारतीय स्टेशन योजना के तहत 1300 से ज्यादा रेलवे स्टेशन का कायाकल्प भी हुआ है**

10 साल में कैपिटल एक्सपेंडिचर 5 गुना बढ़कर 10 लाख करोड़ रुपया हो गया है और आपको जानकर खुशी होगी कि इस बार वह बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपए हो गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग के बारे में बताया है अध्यक्ष जी ने। राजमार्गों की लंबाई 90 हजार किलोमीटर से बढ़कर 1.46 लाख किलोमीटर हो गई है और चार लेन वाले राजमार्गों की लंबाई में ढाई गुना वृद्धि हुई है। 25,000 किलोमीटर से अधिक रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1300 से ज्यादा रेलवे स्टेशन का कायाकल्प भी हुआ है। बंदरगाहों पर कार्गो मैनेजमेंट की क्षमता जितनी पहले थी उससे दोगुनी हो गई है। मैं समझता हूं दक्षिण भारत में रहने वाले लोग इसे अच्छी तरह समझते होंगे। हाई स्पीड कॉरिडोर की लंबाई 500 किलोमीटर हुआ करती थी, जो आज बढ़कर 4000 किलोमीटर से अधिक हो गई है। देश में 10000 किलोमीटर गैस पाइपलाइन भी बिछाई गई है। सिर्फ पांच शहरों तक सीमित मेट्रो की सुविधा अब 20 शहरों तक पहुंच गई है। देश के लगभग 2 लाख ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा जा चुका है।

11 करोड़ परिवारों को मिला 'नल से जल'

लगभग 11 ग्रामीण परिवारों तक पहली बार पाइप से पानी पहुंचा गया है। यह है हमारी सरकार। हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी का प्रयास रहा है कि नीतियां और योजनाएं ऐसी बनाई जाएं, जिससे हर नागरिक को जहां लाभ हो वहीं उसकी बचत भी हो। अब 'जल जीवन मिशन' की वजह से गरीबों को शुद्ध पानी मिलना संभव हुआ है। इस वजह से आपको जानकर खुशी होगी कि बीमारी का भी खर्च कम हुआ है। 'आयुष्मान भारत' की चर्चा हमारे अध्यक्ष जी ने की थी, लेकिन इसके कारण देश के गरीब की बचत ही बचत हुई है। 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बचत हुई है। जन-औषधि केंद्र पर 80 परसेंट का डिस्काउंट मिला हुआ है। आप जानते हैं इससे गरीबों की जेब की कितनी बचत हुई है। 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गरीबों की बचत हुई है। यह है हमारी सरकार। जन कल्याण का काम सरकारी खजाने पर बोझ न बनने पाए, इसके लिए भी सरकार ने काफी दृढ़ता दिखाई है। मुफ्त बिजली इस देश में एक ऐसा लालच है, जो कोई राजनीतिक दल यह देने में रंच मात्र भी परहेज नहीं करता है,

जन-औषधि केंद्र पर 80 परसेंट का डिस्काउंट मिला हुआ है। आप जानते हैं, इससे गरीबों की जेब की कितनी बचत हुई है। 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गरीबों की बचत हुई है

लेकिन हमारे प्रधानमंत्री ने मुफ्त बिजली देने का वादा; भले ही वह चुनाव का समय रहा हो, कभी भी जनता के साथ नहीं किया है। बल्कि इसका एक नया तरीका हमारे प्रधानमंत्री ने निकाला है, वह एक करोड़ घरों के लिए रूफटॉप सोलर स्कीम लेकर आए हैं। इस स्कीम से लोग बिजली पैदा करके अपना बिजली बिल जीरो कर सकेंगे। ज्यादा बिजली बेचकर वह पैसा भी कमा सकेंगे। यह बात मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं, यूपीए के समय एलईडी बल्ब 400 रुपए में मिलता था। अब जानते हैं एलईडी बल्ब 40-50 रुपए में मिलता है। दस गुना कीमत कम हो गई है। इस एलईडी के कारण लोगों के करीब-करीब 20 हजार करोड़ रुपए अब तक के बचे हैं।

साथियो, सिर्फ नारे देने से काम नहीं होता; लेकिन आजाद भारत में प्रथा चल पड़ी कि नारे दो, लोगों को गुमराह करो, लोगों का मत हासिल करो। राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं की जानी चाहिए। राजनीति की जानी चाहिए तो देश बनाने के लिए, समाज बनाने के लिए राजनीति की जानी चाहिए। 70 के दशक में मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं, हमारे यहां गरीबी हटाओ के नारे दिन-रात दिए जाते थे, मगर गरीबी हटी नहीं, गरीबों की संख्या लगातार बढ़ती चली गई। गरीबी के नाम पर अपनी दुकान सजाने वाले लोग, अमीर होते चले गए। मगर जब एक गरीब परिवार में जन्मे मोदी जी ने प्रधानमंत्री का पद संभाला, तो उन्हें पता था कि क्या करना है और जो किया उसका परिणाम यह हुआ है कि पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। गरीबी के संकट से उन्हें निजात मिली है। यह मेरा आंकड़ा नहीं है। यह नीति आयोग का आंकड़ा है। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है, बल्कि एक तपस्वी प्रधानमंत्री के 10 साल की यह तपस्या का परिणाम है। गरीबों के लिए जिंदगी खपाने का यह परिणाम है। यह कोई छोटी बात नहीं है।

राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं की जानी चाहिए। राजनीति की जानी चाहिए तो देश बनाने के लिए, समाज बनाने के लिए राजनीति की जानी चाहिए

गरीबों को सबसे अधिक काम आ रही है 'मोदी की गारंटी'

आज 'मोदी की गारंटी' सबसे अधिक उनके काम आ रही है, जिनके पास बैंक को गारंटी देने के लिए कुछ नहीं था। मैं फिर से दोहराना चाहूंगा। आज मोदी की गारंटी, सबसे अधिक उनके काम आ रही है, जिनके पास बैंक को गारंटी देने के लिए कुछ नहीं था। साल 2014 तक भी देश में करोड़ों लोग ऐसे थे जिनका बैंक में खाता नहीं था और आपको मालूम है, देश में 50 करोड़ गरीबों के खाते खुल गए हैं। आज बिना गारंटी के रेहड़ी-पटरी वाले लोगों को बैंकों से लोन मिल रहा है। उनकी गारंटी किसने दी है। उनकी गारंटी देने वाला भी कोई चाहिए। उनकी गारंटी देने वाला एक ही भारत माता का सपूत है, जिसका नाम है नरेन्द्र मोदी जी, जो आज हमारे भारत के प्रधानमंत्री हैं।

आज कृषि बजट 1,25,000 करोड़ रुपये

> साल 2014 में कृषि बजट, खेती-बाड़ी का बजट केवल 25,000 करोड़ रुपये हुआ करता था। आज आपको जानकर खुशी होगी, कृषि का बजट बढ़कर 1,25,000 करोड़ रुपए हो गया है

किसानों के हित में भी कई उल्लेखनीय कार्य हुए हैं, किसान की सबसे बड़ी इनपुट खाद होती है। मैं भी किसान परिवार से आता हूं, सबसे ज्यादा इनपुट कॉस्ट खाद की होती है। आपको जानकर खुशी होगी, दुनिया में आज यूरिया की एक बोरी 3000 रुपये तक में मिल रही है, लेकिन भारत में वही बोरी 300 रुपए में मिल रही है। साल 2014 में कृषि बजट, खेती-बाड़ी का बजट केवल 25,000 करोड़ रुपये हुआ करता था। आज आपको जानकर खुशी होगी, कृषि का बजट बढ़कर 1,25,000 करोड़ रुपए हो गया है। 10 वर्षों में लगभग 18 लाख करोड़ रुपए एमएसपी के रूप में धान और गेहूं के खरीद करने के लिए किसानों को मिले हैं और यह 2014 से पहले के 10 सालों की तुलना में ढाई गुना अधिक हमारी सरकार ने एमएसपी दी है। 'पीएम किसान सम्मान निधि' के तहत अब तक 2 लाख 80 हजार करोड़ रुपये किसानों को मिल चुके हैं। फसल बीमा योजना के तहत किसानों ने 30 करोड़ रुपया प्रीमियम दिया है। इसके बदले उन्हें सरकार ने डेढ़ लाख करोड़ रुपए का

क्लेम दिया है। आज भारत का एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट चार लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। देश में पहली बार पशुपालकों और मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड का आज लाभ मिल रहा है। किसानों की एक बहुत बड़ी समस्या आप जानते हैं, भंडारण की होती है। उसकी सुविधा के अभाव के कारण एक बहुत बड़ा संकट पैदा होता है, इस संकट को दूर करने के लिए हमारी सरकार ने कई प्रभावी कदम उठाए हैं। इसके तहत इस समय पूरे देश में कोल्ड स्टोरेज का एक नेटवर्क भी तैयार किया जा रहा है।

हमारी सरकार ने 'नमो ड्रोन दीदी' योजना प्रारंभ की है। इससे महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों या सेल्फ हेल्प ग्रुप को ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग दी जा रही है। उन्हें ड्रोन दिए जा रहे हैं। भविष्य में यह 'नमो ड्रोन दीदी' ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खेती-किसानी की बहुत बड़ी ताकत हमारी यह बहनें बनने जा रही हैं। जहां तक किसानों का प्रश्न है, किसानों के लिए हमारी सरकार ने जितना काम किया है, मैं दावे के साथ कह सकता हूं, क्योंकि इस देश का मैं कृषि मंत्री भी रह चुका हूं, इसके पहले किसी भी सरकार ने किसानों के लिए इतना काम नहीं किया है। पहली बार किसानों और खेत में काम करने वाले कामगारों को पेंशन का काम यदि किसी भारत माता के सपूत ने किया है तो भारतमाता के उस सपूत का नाम है नरेन्द्र मोदी। और मैं कह सकता हूं जो हमारी बातचीत होती है, उस आधार पर मैं कह सकता हूं कि हमारे प्रधानमंत्री के लिए किसान, उनके परिवार के सदस्य से कम नहीं है। जो संवेदनशीलता उनके अंदर मैंने किसानों के प्रति देखी है, किसानों की समस्याओं पर उन्होंने सदैव बहुत ही सहानुभूति तरीके से विचार किया है और उसका उचित समाधान भी दिया है। इसके लिए हम सभी तालियां बजाकर हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी का अभिनंदन करें।

> **हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में उनके नेतृत्व में धारा 370 को हम लोगों ने तार-तार कर दिया। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के साथ, जो लंबे समय से जुल्म और अत्याचार हो रहा था, भेदभाव हो रहा था, उसको हमने डंके की चोट पर समाप्त किया है**

धारा 370 की समाप्तिः खत्म हुआ जम्मू–कश्मीर व लद्दाख के साथ भेदभाव

हमारे राष्ट्रीय अध्यक्षजी ने आपके सामने बतलाया कि धारा 370 की समाप्ति की मांग, जब 1951 का पहला चुनाव हुआ था, तब से भारतीय जनसंघ कर रही है। धारा 370 को समाप्त करने की बात हम करते चले आ रहे हैं। अपने चुनावी घोषणा-पत्र में हम अभी भी करते थे। लोग यह कहते थे कि धारा 370 का वादा करते हैं, लेकिन धारा 370 कभी समाप्त नहीं होगी। आपने देखा कि संसद के दोनों सदनों में हमको स्पष्ट बहुमत मिला, तो हमारे गृह मंत्री अमित भाई ने प्रस्ताव पेश किया। हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में, उनके नेतृत्व में धारा 370 को हम लोगों ने तार-तार कर दिया। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के साथ, जो लंबे समय से जुल्म और अत्याचार हो रहा था, भेदभाव हो रहा था, उसको हमने डंके की चोट पर समाप्त किया है। इसी तरह 'भारतीय दंड संहिता' इंडियन पेनल कोड था यानी कैसे दंड लोगों को मिलेगा। इस प्रकार के कानून बने हुए थे। हमारी सोच की पॉजिटिविटी देखिए, जिन लोगों की सोच में नेगेटिविटी थी, उन्होंने इंडियन पेनल कोड, भारतीय दंड संहिता नामनक्लेचर किया। लेकिन हम लोगों ने कहा, भारतीय दंड सहिता नहीं, बल्कि जो भी अदालत में जाता है, अदालत की दहलीज पर खड़ा होता है, उसे न्याय मिलना चाहिए। गलत करता है तो दंड मिलना चाहिए। और जो अच्छा करता है तो उसका सम्मान किया जाना चाहिए। इसीलिए दंड संहिता को हम लोगों ने 'न्याय संहिता' के रूप में परिवर्तित किया है और इस काम को भी हमारे गृह मंत्री अमित भाई ने इसे प्रस्तुत किया था। मोदी जी के मार्गदर्शन में यह अभी पारित हुआ है। लंबे समय से देश में एक नए संसद भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। आप सभी जानते हैं वह बनकर तैयार है। 'स्टेट ऑफ द आर्ट' संसद

> **500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद भगवान राम अपने विग्रह में अवस्थापित हो गए। प्रधानमंत्री जी, आपने 22 जनवरी को, आपके माध्यम से जो कार्य हुआ है, वह कोई सामान्य कार्य नहीं है, वह इतिहास में अद्वितीय है**

भवन की बात कांग्रेस ने भी कही थी, बहुत पहले कही थी, मगर उनके अंदर इच्छाशक्ति का अभाव था। वह इस काम को नहीं कर पाए, बल्कि उन्होंने यह किया कि जिस दिन उद्घाटन समारोह था उसका बॉयकॉट किया। और तर्क क्या दिया था, वह न तो उनकी पार्टी के हित में था और उनके लोकतंत्र के हित में था और न ही वह देश के हित में था। जो काम उन्होंने किया और उसके लिए तरह-तरह के तर्क देते थे कि क्यों हमने उसका बहिष्कार किया। लेकिन लोकतंत्र का एक नया मंदिर तो हमारे प्रधानमंत्री ने बनाया है, उसका निर्माण तो किया ही है।

श्रीराम मंदिर का निर्माण: भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण के एक नए युग की शुरुआत

विधाता ने भी भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए किसको चुना? इस नियति ने भी भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए किसको चुना? चुना हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को

वहीं अयोध्याधाम में भगवान श्रीराम के मंदिर का निर्माण कराकर उन्होंने भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण के एक नए अध्याय की शुरुआत की है। 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद भगवान राम अपने विग्रह में अवस्थापित हो गए। प्रधानमंत्री जी आपने 22 जनवरी को, आपके माध्यम से जो कार्य हुआ है, वह कोई सामान्य कार्य नहीं है, वह इतिहास में अद्वितीय है। यह इसलिए अद्वितीय है कि यह अवसर 500 वर्षों के बाद आया है। पर मैं कह सकता हूं, सन 1947 में भारत देश का शरीर स्वतंत्र हुआ था और 22 जनवरी, 2024 को उसमें आत्मा की प्राण प्रतिष्ठा हमारे प्रधानमंत्रीजी ने की।

आपने देखा कि विधाता ने भी भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए किसको चुना? इस नियति ने भी भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए किसको चुना? चुना हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को चुना। भगवान श्रीराम के लिए जो जन-आंदोलन हमें देखने को मिला, वह एक नए युग का परिवर्तन है। राम मंदिर के बारे में इतना ही कहना चाहूंगा।

मोदी जी ने अयोध्या के साथ-साथ, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल कॉरिडोर, करतारपुर कॉरिडोर के साथ-साथ केदारनाथ बद्रीनाथ, सोमनाथ जैसे धार्मिक और आध्यात्मिक केंद्रों का पुनर्निर्माण भी कराया है। अब तो अबू धाबी में भी मोदीजी के प्रयासों से भव्य मंदिर बन गया है, इसके बारे में विस्तार में जाने की कोई आवश्यकता नहीं।

अर्द्धसैनिक बलों में 33 प्रतिशत पदों पर महिलाओं की नियुक्ति

चंद्रयान मिशन, आदित्ययान मिशन इसके बारे में कोई बहुत अधिक मुझे चर्चा करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि इसके बारे में हमारे अध्यक्ष जी ने चर्चा कर दी है। महिला सशक्तीकरण की बात करना और उसके लिए काम करना। मैं यह मानता हूं कि दोनों अलग-अलग बातें हैं। भाजपा की जब केंद्र में मोदी जी के नेतृत्व की सरकार बनी, तो पुलिस और अर्धसैनिक बलों में 33 फीसदी पदों पर महिलाओं की नियुक्ति करने की एडवाइजरी जारी हुई थी और उस समय मैं ही गृहमंत्री था, मोदीजी ने मुझे निर्देश दिया था। मोदी जी के नेतृत्व में सैनिक स्कूलों और एनडीए को महिलाओं के लिए खोल दिया गया। संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हो गया। मैं कहना चाहता हूं नारी वंदन अधिनियम जो पारित हुआ है यह बहुत बड़ा क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाला है भारत की राजनीति में। और मैं समझता हूं जिसके दर्शन इस दशक में भारत में ही नहीं, पूरे विश्व में होने जा रहे हैं।

> **पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में जो हुआ है और हमारे कार्यकर्ता जिस बहादुरी के साथ लड़ रहे हैं, मैं अपने वेस्ट बंगाल के कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करना चाहता हूं**

प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में गारंटी वाली सोच का आयाम क्या है, जो इन 10 वर्षों में पहुंचा है। इसे समझने की आवश्यकता है और आप समझें मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं। यदि 15 अगस्त, 2014 को प्रधानमंत्री ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' प्रारंभ किया, अर्थात् गर्भ में स्त्री की रक्षा से लेकर उज्ज्वला योजना के द्वारा गृहिणियों की आंखों की आंसू पोंछने तक।

मुद्रा योजना के द्वारा स्वावलंबी बनाने तक, कामकाजी यानी काम करने वाली जो महिलाएं हैं उनको 6 माह के मातृत्व अवकाश तक, बलात्कार के लिए कठोर से कठोर यहां तक कि प्राण दंड तक, मंत्रिमंडल में सर्वाधिक महिला भागीदारी और संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के द्वारा संसदीय व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी तक यह एक पूरा खाका है, जिसे यदि कोई देखे तो इस विषय पर हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी की सोच क्या है और वह कितनी दूर-दृष्टि के साथ व्यवस्थित योजना से चलते हैं, इसे अच्छी तरह समझा जा सकता है। मगर अभी सोच का एक आयाम बाकी है, जो शायद मैं दावे के साथ कह सकता हूं किसी पूर्ववर्ती सरकार ने सोचा ही नहीं होगा। दक्षिण-ध्रुव को छूने वाला पहला देश बना और मोदी जी ने उस प्वाइंट का नाम भी 'शिव शक्ति प्वाइंट' रखा। यानी नारी शक्ति का वंदन संसद तक ही नहीं बल्कि चांद के अछूते कोने पर भी आज हमको दिखाई दे रहा है। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है।

> **मोदी जी ने 2014 में ही कहा था— सरकार बर्थडे पर अपने बहुत पूर्व सैनिकों को हम 'वन रैंक, वन पेंशन' देंगे और आज मैं आपको देना चाहता हूं। करीब-करीब 65 हजार करोड़ रुपए हम अपने भूतपूर्व सैनिकों के सम्मान में दे चुके हैं**

पश्चिम बंगाल में नारियों के साथ जुल्म

हमारे देश में एक राज्य है वेस्ट बंगाल, क्या हो रहा है वहां, नारियों के साथ किस प्रकार का जुल्म ढाया जा रहा है, उनकी इज्जत और अस्मत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में जो हुआ है और हमारे कार्यकर्ता जिस बहादुरी के साथ लड़ रहे हैं, मैं अपने वेस्ट बंगाल के कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करना चाहता हूं। और इस प्रकार की घटनाएं मैं समझता हूं सभ्य समाज के मस्तक पर कलंक हैं। इसकी कठोर निंदा की जानी चाहिए। भारत को संवैधानिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से मजबूत करने के लिए मोदी जी ने जो प्रयास पिछले 10 वर्षों में किए हैं वह इस देश के इतिहास में दावे के साथ मैं कह सकता हूं पहले कभी नहीं हुआ है। मगर कांग्रेस इस देश को टुकड़ों में बांटने में लगी हुई है। मजहब की

राजनीति कर रहे हैं। जाति के आधार पर कांग्रेस देश और समाज को तोड़ रही है और कहती है कि हम भारत को जोड़ रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा अब आरंभ की है। पिछड़ों के नाम का रोना रोते हैं, लेकिन ओबीसी कमिशन को पहली बार संवैधानिक दर्जा यदि किसी ने दिया है तो हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी दिया है।

भूतपूर्व सैनिकों को दिए 65 हजार करोड़ रुपये

मोदी जी ने 2014 में ही कहा था सरकार बर्थडे पर अपने बहुत पूर्व सैनिकों को हम 'वन रैंक, वन पेंशन' देंगे और आज मैं आपको देना चाहता हूं। करीब-करीब 65 हजार करोड़ रुपए हम अपने भूतपूर्व सैनिकों के सम्मान में दे चुके हैं। यह भूतपूर्व सैनिकों के लिए कोई बख्शीश नहीं है, बल्कि हमारे देश की सीमाओं की सुरक्षा करने का जिन लोगों ने संकल्प लिया था, उनके प्रति हमारी एक सम्मान की अभिव्यक्ति है। मैं समझता हूं कि मोदी जी के नेतृत्व में यह सरकार न बनती तो यह काम किसी भी सूरत में नहीं हो सकता था। दो महीने पहले हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार हुई है। कैसे हुई है, क्या हुआ है, इस पर हमारे अध्यक्ष जी ने विस्तारपूर्वक चर्चा की है। इसलिए मैं उसकी चर्चा नहीं करूंगा। जी20 समिट की भी उन्होंने चर्चा की है, अफ्रीकन यूनियन को किस तरीके से जी20 के अंतर्गत स्थान दिलाने का काम हमारे प्रधानमंत्रीजी ने किया। और सबसे बड़ी बात न्यू दिल्ली डिक्लेरेशन जिसका हमारा एक पड़ोसी देश चाइना भी मेम्बर था, पहली बार सर्वसम्मति से पारित हुआ है। पिछले दिनों ही प्रधानमंत्रीजी की कुशल राजनीतिक क्षमता के दर्शन हुए थे। जब कतर की यात्रा पर जाने से पहले उन्होंने वहां की सरकार के जेलों में हमारे पूर्व सैनिक बंद थे, उनको फांसी की सजा दी गई, फिर उसे आजीवन कारावास में बदल दिया गया, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री जी की यह पहल थी— हमारे 8 पूर्व सैनिक बाइज्जत

> **आज हर व्यक्ति को यह विश्वास हो चला है कि पूरी दुनिया में यदि कहीं भी कोई मुसीबत होगी, किसी के ऊपर भी कोई मुसीबत होगी, तो उस मुसीबत से बचाने वाला शख्स है नरेन्द्र मोदी**

बरी हो गए हैं और अपने घर को वापस लौट रहे हैं।

आज जब भारत बोलता है, दुनिया कान खोलकर सुनती है

आज हर व्यक्ति को यह विश्वास हो चला है कि पूरी दुनिया में यदि कहीं भी कोई मुसीबत होगी, किसी के ऊपर भी कोई मुसीबत होगी, तो उस मुसीबत से बचाने वाला शख्स है नरेन्द्र मोदी। यह विश्वास ऐसे ही नहीं पैदा होता है। इसके पीछे एक लंबा इतिहास है। चाहे कोविड का समय हो; इराक, सीरिया और यमन के संघर्ष की स्थिति हो; चाहे वह सोमालिया का गृह युद्ध हो; या फिर रूस-यूक्रेन का युद्ध हो; प्रधानमंत्री 'कैप्टन इंडिया' बनकर सब जगह से भारतीयों को सुरक्षित निकालने में कामयाब रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की हैसियत क्या बनी है, पहले अंतरराष्ट्रीय फोरम पर इंटरनेशनल फोरम पर भारत कुछ बोलता था तो दुनिया भारत की बातों को गंभीरतापूर्वक नहीं लेती थी, लेकिन आज इंटरनेशनल फोरम पर भारत कुछ बोलता है, दुनिया दोनों कान खोलकर सुनती है, भारत बोल क्या रहा है। यह भारत की हैसियत बढ़ी है।

> **भारत जिसे टेक्नोलॉजी में बहुत ही पिछड़ा हुआ देश माना जाता था। वह डिजिटल ट्रांजेक्शन में नंबर 'वन' ही नहीं बना है, बल्कि पिछले वर्ष दुनिया के 46% डिजिटल ट्रांजेक्शन भारत में हुए हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े मुल्कों के कुल डिजिटल ट्रांजेक्शन को जोड़ भी लिया जाए उससे ज्यादा है**

अभी हाल में ही मैं ब्रिटेन गया था। वहां के मंत्रियों के साथ भी हमारी बातचीत हुई थी, प्रधानमंत्री से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ था। जब कोई व्यक्ति विदेश में जाता है, तो स्वाभाविक रूप उसे देश के बारे में बहुत सारी जानकारियां प्राप्त होती हैं। पर भारत के बदले स्वरूप की अनुभूति मुझे उस विदेश यात्रा में हुई थी। मोदी जी के नेतृत्व में तारीख ने जो भी फलक देखा है वह मंजिल भी पाई है। किसी समय में ब्रिटेन, जिससे हम मदद की गुहार लगाते थे, आज वह भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करने को इतना महत्व दे रहा है। आगामी चुनाव में ब्रिटेन का भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट एक महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा बनने जा

रहा है। मैं गारंटी के साथ कह सकता हूं, वह किसी और सरकार की बस की बात हो ही नहीं सकती थी।

10 वर्षों में कुछ ऐसे भी काम हुए हैं कि नई टेक्नोलॉजी में 'हमारा भारत' दुनिया का सिरमौर देशों के लगभग समकक्ष पहुंचता जा रहा है। क्लीन एनर्जी, न्यू स्टार्टअप कैपेसिटी में हम दुनिया के चौथे देश बन गए हैं और सोलर एनर्जी में 25 गुना छलांग लगायी है। हम लोगों ने डिजिटल डाटा की कीमत लगभग 20 गुना कम की है। वह भारत जिसे टेक्नोलॉजी में बहुत ही पिछड़ा हुआ देश माना जाता था। वह डिजिटल ट्रांजेक्शन में नंबर 'वन' ही नहीं बना है, बल्कि पिछले वर्ष दुनिया के 46% डिजिटल ट्रांजेक्शन भारत में हुए हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े मुल्कों के कुल डिजिटल ट्रांजेक्शन को जोड़ भी लिया जाए उससे ज्यादा है। हाइड्रोजन एनर्जी से लेकर, 5G रोल आउट तक और एक साथ हंड्रेड सैटेलाइट लॉन्च करने तक, अब टेक्नोलॉजी में मुझे लगता है कि जल्दी ही दुनिया के सिरमौर भी बनेंगे, वह दिन दूर नहीं हैं। रक्षा मंत्री के रूप में मैं कह सकता हूं।

20 हजार करोड़ रुपये से अधिक हुआ रक्षा निर्यात

> पूरा देश यह मान रहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भाजपा की 370 सीटें और एनडीए की कुल 400 सीटों से पार हासिल करके फिर से सरकार बनाएंगे

रक्षा के क्षेत्र में भी हमारे प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में अभूतपूर्व काम हुए हैं। आपको जानकर खुशी होगी कुछ हजार, 10 हजार, 5 हजार, 15 हजार करोड़ रुपए का डिफेंस प्रोडक्शन होता था। आज हमारा डिफेंस प्रोडक्शन 1 लाख 8 हजार करोड़ रुपए से अधिक का बढ़ गया है। दुनिया में रक्षा सामान यानी टैंक, तोप, एम्यूनेशन, गोली-बारूद, बंदूक; यह सब दुनिया के दूसरे देशों से आयात करते थे। सबसे बड़े आयातक, सबसे बड़े इंपोर्टर हम थे, लेकिन आज आपको जानकर खुशी होगी कि हम दुनिया के टॉप 25 कंट्रीज में एक्सपोर्टर बनकर खड़े हो गए हैं, यह है हमारा भारत। 2014 में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट लगभग 900 करोड़ रुपया हुआ करता था। आज वह डिफेंस एक्सपोर्ट एप्रोक्सीमेटली मोर दैन 20 हजार

करोड़ रुपया पहुंच रहा है।

हमारे सिर पर विपक्ष ये आरोप लगा रहा है कि हम विपक्ष को समुचित स्थान नहीं दे रहे हैं। मुझे लगता है कि मोदी जी के नेतृत्व में विपक्षी नेताओं को जितना सम्मान मिला है, भारत के इतिहास में मैं कहना चाहता हूं, अभूतपूर्व है। हमने सिर्फ अटल जी और आडवाणी जी को ही 'भारत रत्न' नहीं दिया है, हमने सरदार पटेल की दुनिया में सबसे ऊंची प्रतिमा बनवायी थी। उस समय हमारे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध उन्हीं के रहते लगा था, पर सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान भारत की एकता और अखंडता में सबसे ऊंचा था। इसलिए उनकी सबसे ऊंची मूर्ति बनवाने का काम किया तो हमारे प्रधानमंत्री जी ने किया। स्वतंत्रता संग्राम में कांग्रेस के अध्यक्ष रहे पंडित मदन मोहन मालवीय जी को भी 'भारत रत्न' दिया। तो वहीं पर भारत के राष्ट्रपति रहे कांग्रेस के नेता प्रणब मुखर्जी जी को भी हम लोगों ने 'भारत रत्न' दिया। तो कांग्रेस अध्यक्ष प्रधानमंत्री रहे पी.वी. नरसिम्हाराव साहब को भी हमने दिया। हम लोगों ने नहीं देखा कि हमारी पार्टी के थे या किसी पार्टी के। सामाजिक न्याय के पुरोधा कर्पूरी ठाकुर जी को भी हम लोगों ने 'भारत रत्न' दिया। कांग्रेस के मुख्यमंत्री एस.सी. जमीर जी और तरुण गोगोई जी को भी हम लोगों ने पद्म विभूषण दिया और मैं चुनौती के साथ मैं कह सकता हूं कि विपक्ष के नेताओं का जितना सम्मान मोदी जी ने 10 सालों में किया है, वह अपने भारत की राजनीति में मिसाल है।

अबकी बार 400 पार

मैं यह कहना चाहूंगा कि लोकसभा चुनाव नजदीक है और चुनाव से पहले की यह आखिरी राष्ट्रीय परिषद् की बैठक है। पूरा देश यह मान रहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा की 370 सीटें और एनडीए की कुल 400 सीटों से पार हासिल करके फिर से सरकार बनाएंगे। केवल देश की जनता ही नहीं मान रही है, अकेले में बात करेंगे तो दूसरे राजनीतिक पार्टियों के नेता भी स्वीकार करेंगे; हां हालात तो यही हैं। दबी जुबान से वे भी स्वीकार करते हैं। ये 370 सीटों का आंकड़ा छूने का सामर्थ्य भारत की राजनीति में यदि किसी के पास है तो वह भाजपा के पास है, क्योंकि 2019 के चुनाव के

पहले जो संकल्प रखे थे, उसे हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी ने पूरा करके जनता को एक नई आशा और विश्वास के साथ भर दिया है और धारा 370 को भी समाप्त किया है। इसलिए इस बार विजय तिलक 370 सीटों के साथ करने का मन इस देश की जनता ने बना लिया है। 'अब की बार 400 पार' यह कोई नारा नहीं है, बल्कि मैं समझता हूं कि हर कार्यकर्ता का संकल्प होना चाहिए। 400 पार का यह संकल्प हमें इस बैठक से लेकर अपने-अपने राज्यों में जाना है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को लगातार तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बनाना है। मैं आपका आह्वान करना चाहता हूं, एक कविता के माध्यम से "सेनानी करो प्रयाण, अभय भावी इतिहास तुम्हारा है; ये नखत अमां के बुझते हैं, सारा आकाश तुम्हारा है।" इन्हीं शब्दों के साथ आप सबको बहुत-बहुत धन्यवाद।

❑❑❑

'विकसित भारत' के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री मोदीजी के सुदृढ़ नेतृत्व में एकजुट हों: अमित शाह

'भारत मंडपम', नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन 18 फरवरी, 2024 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 'भाजपा—देश की आशा, विपक्ष की हताशा' प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि कांग्रेस दुष्प्रचार एवं झूठ की राजनीति का सहारा ले रही है। इसे लगता है कि बार–बार आधारहीन आरोपों को दुहराकर यह सत्ता में वापसी कर सकती है। जब तक यह रचनात्मक राजनीति से दूर रह लोकतांत्रिक संस्थाओं का अपमान करती रहेगी तथा देश को तोड़ने वालों का समर्थन करेगी, जनता भी इसे चुनावों में सबक सिखाती रहेगी। भाजपा का यह राष्ट्रीय अधिवेशन आह्वान करता है कि हम सभी, कांग्रेस एवं 'इंडी–गठबंधन' की स्वार्थ, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, नकारात्मक एवं हताशा की राजनीति को पराजित करें। उनके भाषण का पूर्ण पाठ हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं:

भारत माता की जय।

मंच पर उपस्थित हम सबके प्रिय नेता और दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी, हमारे प्रिय अध्यक्ष सम्माननीय जगत प्रकाश नड्डा जी, मंच पर उपस्थित भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्वगण और आज इस सभागार के अंदर आए हुए देश भर के लघु भारत के रूप में हम सबके सामने विराजे देश के सभी कार्यकर्ता भाइयों-बहनों को मैं प्रणाम कर अपनी बात को शुरू करता हूं।

मित्रो, हमारा यह विस्तृत राष्ट्रीय अधिवेशन चुनाव की दहलीज के समय पर हो रहा है। इस राष्ट्रीय अधिवेशन के अनेक निहितार्थ हैं। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रधानमंत्री मोदी जी के विकसित भारत के स्वप्न को आगे बढ़ाने का संकल्प लेकर हम सब यहां देश भर में वापस जाएंगे। इस अधिवेशन के बाद 2047 का भारत कैसा होगा, इसका मोदी जी का संदेश लेकर हम हर कांस्टीटूएंसी में जाएंगे और कुछ ही दिनों में देश की जनता यह निर्णय करने वाली है कि आने वाले पांच साल इस देश के शासन की डोर किस पार्टी के हाथ में होगी, किस व्यक्ति के हाथ में होगी।

मगर, पूरे देश में कहीं पर भी संशय नहीं है, प्रश्न-चिन्ह नहीं है और पूरे देश ने यह तय किया है कि मोदी जी फिर से एक बार इस देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। 75 साल में इस देश ने 17 लोकसभा चुनाव देखे हैं, 22 सरकारें बनी हैं, 15 प्रधानमंत्री देखे हैं। देश में जितनी भी सरकरें आईं, अपने-अपने समय में हर सरकार ने समय-अनुकूल विकास करने का प्रयास किया है, मगर आज मैं किसी कंफ्यूजन के बगैर कह सकता हूं कि समग्रता से हर क्षेत्र का विकास और हर व्यक्ति का विकास करने का काम केवल और केवल नरेन्द्र मोदी जी के 10 साल में हुआ है। नरेन्द्र मोदी जी के 10 साल के नेतृत्व में देश सुरक्षित हुआ और देश समृद्धि की ओर आगे बढ़ा। देश के 60 करोड़ गरीब, जो आजादी के 70-75 साल तक अपने आपको विकास की प्रक्रिया के बाहर मानते थे, उनको मालूम ही नहीं था कि देश आजाद हुआ है, देश में लोकतंत्र आया है। उन्हें क्या मिला या उनको क्या हिस्सा मिला?

> **दलित, आदिवासी और पिछड़ा समाज जिसको वोट-बैंक के नाते कांग्रेस और इंडी एलायंस के लोगों ने वोट बैंक के रूप में बहुत उपयोग किया। पहली बार उनको सम्मान और हिस्सेदारी देने का काम भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है**

करोड़ों गरीबों को घर देना, घर में गैस का सिलेंडर देना, पीने के पानी का कनेक्शन, बिजली पहुंचाना, शौचालय देना, 5 किलो अनाज गरीबों को मुफ्त

में देना और 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य का खर्च भी सरकार ने उठाया। आज यह 60 करोड़ गरीब अपना बैंक अकाउंट भी रखते हैं और डिजिटल इंडिया से एक गरीब महिला अपनी सब्जी भी खरीद पाती है। इन लोगों के जीवन में 70 साल तक जो अभाव था, उस अभाव को 10 साल में समाप्त कर देने का काम हमारे प्रिय नेता नरेन्द्र मोदी जी ने किया। आज ये 60 करोड़ लोग अपने आपको देश के लोकतंत्र से जुड़ा हुआ पाते हैं। आज ये 60 करोड़ लोग हमारे समाज के संविधान की सार्थकता को महसूस करते हैं। 10 साल में इतना बड़ा परिवर्तन आया है। दलित, आदिवासी और पिछड़ा समाज जिसको वोट-बैंक के नाते कांग्रेस और इंडी एलायंस के लोगों ने वोट बैंक के रूप में बहुत उपयोग किया। पहली बार उनको सम्मान और हिस्सेदारी देने का काम भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है।

मोदी जी ने 10 साल के अंदर कई सिद्धियां प्राप्त कीं। गरीबी से मुक्ति, भ्रष्टाचार से मुक्ति, जातिवाद से मुक्ति, परिवारवाद से मुक्ति, तुष्टीकरण से मुक्ति

पहली बार देश का गौरव पूरी दुनिया में महसूस किया गया, दुनिया में भारत के लोग कहीं पर भी जाते हैं, कहीं पर भी आप चले जाओ लोग पूछेंगे, मोदी जी के भारत से आते हो ना? यह पहचान दुनिया में स्थापित करने का काम हमारे नेता नरेन्द्र मोदी जी ने किया है और मैं आज यह बताना चाहता हूं कि 140 करोड़ की जनता को पहली बार महान भारत का स्वप्न देखने का साहस नरेन्द्र मोदी जी ने दिया है। न केवल महान भारत का स्वप्न देखने का, बल्कि उस स्वप्न को सिद्धि में परिवर्तित करने के लिए सामूहिक पुरुषार्थ को पूर्ण करने का मन्त्र भी श्री नरेन्द्र मोदी ने दिया है। और पूरे देश के सामने एक लक्ष्य रखा कि 2047 में भारत पूर्ण रूप से विकसित भारत होगा, आत्मनिर्भर भारत होगा, गुलामियों की निशानियों से मुक्त भारत होगा। यह संकल्प पहली बार 140 करोड़ की जनता के सामूहिक संकल्प के माध्यम से आज विश्व के सामने उभर कर सामने आया है और इस संकल्प का एक्नॉलेजमेंट भी पूरा विश्व कर रहा है।

पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस की स्थापना

मोदी जी ने 10 साल के अंदर कई सिद्धियां प्राप्त कीं। गरीबी से मुक्ति, भ्रष्टाचार से मुक्ति, जातिवाद से मुक्ति, परिवारवाद से मुक्ति, तुष्टीकरण से मुक्ति। इस देश का लोकतंत्र कई सालों तक भ्रष्टाचार, जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टीकरण के नासूरों से ग्रसित था। नरेन्द्र मोदी जी ने पहली बार भ्रष्टाचार, जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति को समाप्त कर 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' को एस्टेब्लिश करने का काम किया है। नरेन्द्र मोदी जी ने अपने कर्तव्य से, अपनी कुशलता से देश की पूरी जनता को, जो एक सामूहिक हीन भावना थी, एक मास इंफिरियारिटी कंपलेक्स को समाप्त कर, 'हम भी कर सकते हैं, हम ही करेंगे' इस गौरव के साथ दुनिया के सामने किया। नरेन्द्र मोदी जी ने पहली बार इस देश को गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति दिलाने का आह्वान किया। यह शुरुआत आजादी के दूसरे दिन ही होनी चाहिए थी, परंतु जब तक कांग्रेस रही, इसकी कल्पना भी नहीं की गई। मोदी जी ने गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति के लिए 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से आह्वान किया और जनता ने पलक पावड़े बिछाकर इसका स्वागत किया और आज गुलामी के प्रतीकों से हम मुक्त हुए। उग्रवाद, आतंकवाद, नक्सलवाद ने इस देश को चार दशकों से परेशान कर दिया था। मोदी जी के 2014 से 2024 के कार्यकाल में उग्रवाद, आतंकवाद और नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। मैं देश की जनता से कहना चाहता हूं,मोदी-थ्री में यह देश पूर्ण रूप से आतंकवाद, उग्रवाद और नक्सलवाद से मुक्त होकर शांत और समृद्ध भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

> **मोदी जी के शासन ने कई विरोधाभास खत्म कर दिए हैं। एक समग्रता में सोचने वाला नेतृत्व, एक नीति के आधार पर चलने वाला नेतृत्व, एक युगद्रष्टा नेतृत्व किस तरह से काम करता है, इसकी मिसाल कायम की है**

मोदी जी के शासन ने कई विरोधाभास खत्म कर दिए हैं। एक समग्रता में सोचने वाला नेतृत्व, एक नीति के आधार पर चलने वाला नेतृत्व, एक युगद्रष्टा

नेतृत्व किस तरह से काम करता है, इसकी मिसाल कायम की है। पूरे आजादी के कालखंड से आज तक सरकारों की मीमांसा इसी तरह से होती है कि ये सरकार किसानों की है या उद्योगपतियों की है? यह सरकार किसान कल्याण करेगी या इकोनॉमी को आगे बढ़ायेगी? मोदी जी ने यह बता दिया कि किसान कल्याण भी हो सकता है और अर्थतंत्र भी पटरी पर आ सकता है। दोनों के बीच में कोई विरोधाभास नहीं है। सालों तक बहस का बंटवारा रहा कि सरकार गांव की है या शहरों की है, यह भी विरोधाभास रहा, क्या गांव का विकास कर सकते हो या शहरों का विकास कर सकते हो? मोदी जी ने यह भी सिद्ध कर दिया कि गांव दुनिया में सबसे अच्छे गांव बन सकते हैं, गांव से कोई पलायन नहीं होगा और शहर भी दुनिया में सबसे सुविधापूर्ण शहर बन सकते हैं। स्मार्ट सिटी बन सकते हैं, यह सिद्ध किया। गरीब कल्याण और अर्थतंत्र का विकास दोनों के बीच में भी बहुत बहस चली, कई बार कई सरकार, कई अर्थशास्त्री कई पंडित कहते रहे कि यदि अर्थशास्त्र का विकास करना है तो गरीब कल्याण को छोड़ना पड़ेगा।

> **मोदी जी ने तय कर लिया और करके दिखाया कि सरहद की सुरक्षा और देश की सुरक्षा हमारी सबसे पहली प्रायरिटी है और आज देश को सुरक्षित करने के बाद मोदी जी ने भारत को विश्व-मित्र के रूप में प्रस्थापित किया**

हर किसान को प्रतिवर्ष मिले 6,000 रुपये

मैं आज सबके सामने कहना चाहता हूं हर किसान को हर साल 6,000 रुपये देना, हर गरीब को सभी प्राथमिक सुविधाएं एक साथ देना और अर्थतंत्र को 11वें नंबर से पांचवें नंबर पर ला देना वह मोदी जी ही कर सकते हैं और कोई नहीं। आज एक संदेश लेकर 140 करोड़ की जनता के बीच में जाइए यहां से। मोदी जी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाएं और हमारा अर्थतंत्र भी तीसरे नंबर पर आ जाएगा, यह संदेश लेकर हमें जाना है। इसी तरह से एक द्वंद्व रहा कि विदेश नीति; अगर दुनिया को मित्र बनना है तो देश की सुरक्षा में थोड़ा-बहुत कंप्रोमाइज करना पड़ेगा। यह बहुत लंबी बहस का

विषय है और आजादी के तुरंत बाद यह शुरू हुआ और सारे पंडित, सुरक्षा नीति और विदेश नीति के द्वंद्व में फंसे रहे। मोदी जी ने तय कर लिया और करके दिखाया कि सरहद की सुरक्षा और देश की सुरक्षा हमारी सबसे पहली प्रायरिटी है और आज देश को सुरक्षित करने के बाद मोदी जी ने भारत को 'विश्व-मित्र' के रूप में प्रस्थापित किया। 'वसुधैव कुटुंबकम्' के हमारे सूत्र को उन्होंने ही जारी रखा।

इंडी एलाइंस और कांग्रेस पार्टी की देन है— लोकतंत्र के स्पिरिट को खत्म करना। देश के लोकतंत्र को भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टीकरण और जातिवाद से कलर्ड कर दिया। कभी भी स्वतंत्र रूप से जनमत उभरकर न आए, इस प्रकार की लोकतांत्रिक व्यवस्था करने में परिवारवादी पार्टियां लगी रहीं और मोदी जी ने 10 वर्षों में ही भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टीकरण और जातिवाद को समाप्त करके विकास की राजनीति को मध्य-बिंदु में लाया, जिसको देश की जनता ने स्वीकार किया।

> **देश की जनता को तय करना है कि परिवारवादी पार्टियां चाहिए, भ्रष्टाचार का पोषण करने वाली पार्टियां चाहिए, तुष्टीकरण करने वाली पार्टियां चाहिए या देश के लिए जान न्योछावर करने को तैयार भारतीय जनता पार्टी चाहिए**

भाजपा का सिद्धांत 'राष्ट्र प्रथम'

आज मैं आप सबके माध्यम से करोड़ों भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को कहने आया हूं कि अगला चुनाव दो खेमे में के मध्य है, जैसे— महाभारत के युद्ध में पांडव और कौरव थे, उसी तरह चुनाव के पहले दो खेमे पड़े हुए हैं, एक खेमा है मोदी जी के नेतृत्व में, बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए का गठबंधन और दूसरा है कांग्रेस के नेतृत्व में सारी परिवारवादी पार्टियों का इंडी एलाइंस। देश को इन दोनों में से एक को चुनना है। इंडी गठबंधन एक घमंडिया गठबंधन है जो भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति का पोषक है और भाजपा और एनडीए का गठबंधन राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर चलने वाला गठबंधन है। देश की जनता को तय करना है कि परिवारवादी पार्टियां चाहिए, भ्रष्टाचार का पोषण करने वाली पार्टियां चाहिए, तुष्टीकरण

करने वाली पार्टियां चाहिए या देश के लिए जान न्योछावर करने को तैयार भारतीय जनता पार्टी चाहिए।

यह जो एलाइंस हुआ है, यह ऐसे ही नहीं होता है। यह एलायंस तब होता है जब सोच समान हो, विचार समान हो, यह पूरा का पूरा इंडी एलाइंस कांग्रेस के नेतृत्व में है। मैं आज आपको कह सकता हूं, इस देश में भ्रष्टाचार की जनक कांग्रेस पार्टी है और इस देश में भ्रष्टाचार का पोषण भी कांग्रेस पार्टी ने किया है। 10 साल यूपीए के ले लीजिए— कोल ब्लॉक आवंटन, कॉमनवेल्थ गेम्स का घोटाला, 2G घोटाला, शारदा चिट फंड का घोटाला, हिमाचल में सेबों की बिक्री का घोटाला, आईएनएक्स मीडिया का घोटाला, ऐयरसेल मैक्सिक का घोटाला, अंतरिक्ष देवास का घोटाला, लैंड और जॉब का घोटाला, पंचकूला और गुड़गांव में भूमि आवंटन का घोटाला, जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन का घोटाला, बेसिक डिनर विमान में घोटाला, एयरक्राफ्ट खरीद में घोटाला, सबमरीन का घोटाला, अगस्ता-वेस्टलैंड का घोटाला, बोफोर्स घोटाला, जीप घोटाला, मारुति घोटाला और भोपाल गैस कांड से चन्दा उगाही का घोटाला; यह कांग्रेस पार्टी ने किया। हमारे यहां कहते है किसी भी तत्व का व्यास आकाश, भूमि और पाताल तक होता है। मगर इन्होंने आकाश से भी आगे जाकर अंतरिक्ष में भी घोटाला किया, भूमि से आगे जाकर पाताल में खदानों का भी घोटाला किया और समुद्र को भी नहीं छोड़ा, वहां सबमरीन का भी घोटाला कर दिया। जल, स्थल, अंतरिक्ष— हर जगह कांग्रेस ने घोटाले किए हैं और इंडी एलाइंस का नेतृत्व कांग्रेस के हाथ में है।

एक ओर यह लाखों करोड़ों के घोटाले करने वाली कांग्रेस है और दूसरी ओर 23-23 सालों से राज्य सरकार और केंद्र सरकार में मुखिया रहने के बाद भी हमारे विरोधी भी एक पाई का भी आरोप नहीं लगा सके

मोदी जी की निर्मल छवि

मैं देश की जनता को यह कहना चाहता हूं कि किस प्रकार की सत्ता चाहते हैं? एक ओर यह लाखों करोड़ों के घोटाले करने वाली कांग्रेस है और दूसरी

ओर 23-23 सालों से राज्य सरकार और केंद्र सरकार में मुखिया रहने के बाद भी हमारे विरोधी भी एक पाई का भी आरोप नहीं लगा सके, ऐसा नेतृत्व नरेन्द्र मोदी जी का है। देश की जनता को यह तय करना है कि देश का भविष्य इन भ्रष्टाचारियों के हाथ में सौंपना है या या प्रामाणिक व्यक्ति जिस पर दुश्मन भी आरोप नहीं लगा सकते, ऐसे नरेन्द्र मोदी जी को चुनना है। एक कहावत है— 'बड़े मियां तो बड़े मियां छोटे मियां भी सुभान अल्लाह।' जब कांग्रेस पार्टी इतना भ्रष्टाचार करती है तो साथी भला क्यों पीछे रहेंगे। आम आदमी पार्टी को देखिए— आबकारी घोटाला, लोगों के उपचार में मोहल्ला क्लीनिक घोटाला, ढेर सारे घोटाले किए, लोगों के मेडिकल टेस्ट में भी घोटाला किया। आज उनका सारा नेतृत्व कोर्ट से भागता है या जांच एजेंसी से भागता है। झारखंड में एक एमपी के घर से साढ़े तीन सौ करोड़ रुपया जप्त होता है। छत्तीसगढ़ में महादेव के नाम से जुआ खिलाने का एक घोटाला आता है। डीएमके के मंत्रियों के घर से करोड़ों रुपया बरामद होता है। तृणमूल कांग्रेस के मंत्रियों के घर से 55 करोड़ रुपए एक ही स्थान से ही मिले। अनेक सैकड़ों करोड़ के घोटाले बाहर आ रहे हैं और लालू जी तो सजायाफ्ता हैं और अभी भी नए-नए भ्रष्टाचार की एफआईआर उन पर हो रही है। कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में यह घमंडिया गठबंधन पूरा भ्रष्टाचार से लिप्त है। देश की जनता को तय करना है, भ्रष्टाचार के पोषण को समाप्त करने वाले नरेन्द्र मोदी जी को मैंडेट देना है या भ्रष्टाचार जिनके धर्म है ऐसे इंडी एलाइंस को मत देना है? यह देश की जनता को तय करना है।

> **एक ओर मोदी जी के नेतृत्व में डेवलपमेंट का एलाइंस है और दूसरी ओर राहुल जी के नेतृत्व में डायनेस्टी का। डेमोक्रेटिक एलाइंस, डेवलपमेंटल एलाइंस और डायनेस्टिक एलाइंस के बीच में देश की जनता को पसंद करना है**

इंडी एलाइंस यानी सारे परिवारवादी पार्टियों का गठबंधन

कुछ पत्रकार, कुछ मीडिया चैनल इंडी एलाइंस को बड़ा चैलेंज बता रहे

हैं। अगर मुझे कोई कहे इंडी एलाइंस क्या है तो मैं इसकी एक ही व्याख्या करता हूं कि सारे परिवारवादी पार्टियों का गठबंधन है। इससे ज्यादा कुछ नहीं है। जो अपनी पार्टी के अंदर डेमोक्रेसी स्थापित नहीं कर सकते वह देश की डेमोक्रेसी की रक्षा नहीं कर सकते। यह देश की जनता को तय करना है। आपकी पार्टी लोकतांत्रिक पार्टी नहीं है, आप देश के लोकतंत्र की रक्षा नहीं कर सकते। एक ओर मोदी जी के नेतृत्व में डेवलपमेंट का एलाइंस है और दूसरी ओर राहुल जी के नेतृत्व में डायनेस्टी का। डेमोक्रेटिक एलाइंस, डेवलपमेंटल एलाइंस और डायनेस्टिक एलाइंस के बीच में देश की जनता को पसंद करना है। मुझे विश्वास है एक ओर मोदी जी देश के गरीबों के विकास के लिए काम करेंगे, दूसरी ओर अपने परिवार की चिंता करने वाली पार्टियां है। निश्चित रूप से देश विकास की राजनीति करने वाली भारतीय जनता पार्टी को सेलेक्ट करेगी इसका मुझे पूरा विश्वास है। देखिए, राजनीति में इसका उद्देश्य क्या है, मोदी जी कहते हैं, महान भारत की रचना हो, 2047 तक का लक्ष्य रखा है, 'विकसित भारत' का। सोनिया जी का लक्ष्य राहुल जी को पीएम बनाना है, पवार साहब का लक्ष्य बेटी को सीएम बनाना, ममता दीदी का लक्ष्य भतीजे को सीएम बनाना, स्टालिन का लक्ष्य अपने बेटे को सीएम बनाना, लालू जी का लक्ष्य अपने बेटे को सीएम बनाना, उद्धव ठाकरे का लक्ष्य अपने बेटे को सीएम बनाना, मुलायम सिंह जी बेटे को सीएम बना कर ही गए हैं। अब मुझे एक बात बताइए कार्यकर्ता भाइयो-बहनो, जिनका लक्ष्य ही अपने बेटे-बेटियों-भतीजियों का कल्याण हो, वह गरीब का कल्याण कर सकता है क्या? कभी नहीं कर सकता है, जिनका लक्ष्य ही अपने परिवार के लिए सत्ता हथियाना हो वह देश का कल्याण कर सकता है? कभी नहीं।

इस देश के अंदर 2G, 3G और 4G पार्टियां हैं। 2G से मतलब 2G घोटाले से नहीं है। टू जेनरेशन पार्टी, थ्री जेनरेशन पार्टी, फोर जेनरेशन पार्टी।

इस देश के अंदर 2G, 3G और 4G पार्टियां है। 2G से मतलब 2G घोटाले से नहीं है। टू जेनरेशन पार्टी, थ्री जेनरेशन पार्टी, फोर जेनरेशन पार्टी। चार-चार पीढ़ी तक नेता नहीं बदलता है

चार-चार पीढ़ी तक नेता नहीं बदलता है। क्यों, देश के किसी युवा में कुव्वत नहीं है क्या, वह आगे नहीं बढ़ सकता? ना जी, वह नहीं बढ़ सकता, थोड़ा आगे बढ़ गया तो उसका हश्र कर देंगे, कई सारे हश्र किए हुए लोग भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन कर रहे हैं, आज लोकतंत्र की यात्रा में जुड़े हैं। तेजस्विता का, परफॉर्मेंस का, विचार का, परिश्रम का और दृष्टि का वहां कोई महत्व नहीं है। वहां केवल और केवल आप कहां जन्मे, इसका महत्व है।

मैं आज आप सबके माध्यम से देश की जनता से पूछना चाहूंगा, अगर भारतीय जनता पार्टी परिवारवादी पार्टी होती तो एक चाय बेचने वाले का बेटा कभी प्रधानमंत्री नहीं बन सकता था। लोकतंत्र के अंदर यह बहुत जरूरी है कि सबको समान अवसर मिले, सबके अंदर ईश्वर प्रदत्त शक्तियां जो पड़ी हैं उसके आधार पर उसको आगे बढ़ने का मौका मिले और वह केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी में विद्यमान है और किसी में नहीं। मोदी जी एक गरीब परिवार से, गरीब मतलब आप कल्पना नहीं कर सकते कितने गरीब परिवार से सम्माननीय प्रधानमंत्री बने, जिन्होंने पूरे विश्व में देश को सम्मान दिलाया, गौरव दिलाया।

मोदी जी एक गरीब परिवार से, गरीब मतलब आप कल्पना नहीं कर सकते कितने गरीब परिवार से सम्माननीय प्रधानमंत्री बने, जिन्होंने पूरे विश्व में देश को सम्मान दिलाया, गौरव दिलाया

जनजाति परिवार से आती हैं इस देश की राष्ट्रपति

इस देश की राष्ट्रपति एक जनजाति परिवार से आती हैं, जनजातियों में भी अति पिछड़ी जातियों में से राष्ट्रपति मुर्मु जी आती हैं। प्रधानमंत्री जी ने, भारतीय जनता पार्टी ने एक गरीब आदिवासी की बेटी को महामहिम द्रौपदी मुर्मु बनाकर सभी आदिवासियों का सम्मान किया। इस देश का उपराष्ट्रपति एक किसान का बेटा, खेत जोतने वाले का बेटा बना है। मैं खुद मानता हूं कि भारतीय जनता पार्टी में बूथ स्तर का काम करने वाला एक व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री भी बन सकता है, राष्ट्रपति भी बन सकता है और वह केवल

और केवल भारतीय जनता पार्टी में ही यह सहूलियत उपलब्ध है, क्योंकि हमने अपनी पार्टी को लोकतांत्रिक पार्टी बनाकर रखा है। यह परिवारवादी पार्टियां जो अपने बेटे-बेटियों के लिए काम करती हैं वह देश का कल्याण नहीं कर सकतीं। केवल और केवल 'राष्ट्र-प्रथम' के नारे के साथ आगे बढ़ रही भारतीय जनता पार्टी, मोदी जी के नेतृत्व में आगे बढ़ रही भारतीय जनता पार्टी ही देश का कल्याण कर सकती है।

इस देश में जब से हमारा संविधान बना, संविधान के अंदर पंथनिरपेक्षता को बहुत महत्व दिया गया और यह देश आज से नहीं हजारों सालों से पंथनिरपेक्षता के आधार पर बिना सांप्रदायिकता के आधार पर चलता है। राज्य का कोई भी धर्म नहीं होता। सबको अपना धर्म बनाने, मानने की और उसका अनुसरण करने की छूट दी गई है, मुक्ति दी गई है, परंतु कांग्रेस पार्टी ने वोट-बैंक की रचना करने के लिए संविधान की उदात्त भावनाओं में भी विकृति डालकर पंथनिरपेक्षता को तुष्टीकरण की राजनीति से दूषित किया। मै आज आप सबके सामने कहना चाहता हूं कि कांग्रेस पार्टी जिसने भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकारा, एफिडेविट को भी नकारा, बाद में उनको एफिडेविट वापस लेना पड़ा, ट्रिपल तलाक का कानून जो केवल और केवल मुस्लिम महिलाओं को उनके अधिकार देने का कानून है, इसका भी उन्होंने विरोध किया। यूसीसी जो कांग्रेस के समय में ही संविधान निर्माता एक लक्ष्य देश के लिए रखकर गए थे, उत्तराखंड सरकार यूसीसी लाई, कांग्रेस ने इसका भी विरोध किया।

इस देश की जनता ने मोदी जी को दूसरी बार पूर्ण बहुमत दिया। उन्होंने 5 अगस्त, 2019 को धारा 370 को समाप्त कर दिया और आज कश्मीर एक नए युग के साथ आगे बढ़ रहा है

धारा 370 समाप्ति

धारा 370— जब संविधान बना तभी तय था कि यह टेंपरेरी है। टेंपरेरी का मतलब है, उचित समय पर उसको हटा देना, मगर 70 साल तक उचित

समय आया नहीं। धारा 370 के कारण कश्मीर के अंदर अलगाव, उग्रवाद फैला, पाकिस्तान को अंदर पैर रखने की भूमि मिली और 40,000 से ज्यादा लोग मारे गए। मगर तुष्टीकरण की राजनीति ने धारा 370 को हटाने नहीं दिया। इस देश की जनता ने मोदी जी को दूसरी बार पूर्ण बहुमत दिया। उन्होंने 5 अगस्त, 2019 को धारा 370 को समाप्त कर दिया और आज कश्मीर एक नए युग के साथ आगे बढ़ रहा है। पीएफआई पर हमने बैन लगाया, तब भी कांग्रेस और इंडी एलाइंस के लोगों ने टेढ़े-मेढ़े बयान दिए।

दक्षिण भारत की महान परंपरा, तमिलनाडु की महान परंपरा पवित्र सेंगोल को हमने पार्लियामेंट के अंदर बड़ी पवित्रता के साथ प्रस्थापित किया, इसका भी कांग्रेस पार्टी और उनके साथियों ने विरोध किया। एक ओर जहां भाजपा विजयी होती है उन राज्यों को गोमूत्र स्टेट कहते हैं। यह लोग संविधान पर पहला अधिकार, देश के खजाने पर पहला अधिकार माइनॉरिटी का है, यह मान्यता रखने वाले हैं। मोदी जी का कहना है कि देश के खजाने पर पहला अधिकार गरीब का है, दलित का है, आदिवासी का है, पिछड़ी जाति का है।

> **75 साल तक हम कानूनी लड़ाई लड़े और संपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से हमने राम मंदिर का निर्माण किया। इसका संपूर्ण यश हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जाता है**

लोकतांत्रिक तरीके से श्रीराम मंदिर का हुआ निर्माण

ये जाकिर नाइक को 'मैसेंजर ऑफ पीस' का सर्टिफिकेट देते हैं, भगवा आतंकवाद के नाम से पूरे सनातन धर्म को बदनाम करते हैं और अंतिम चरम सीमा तो तब आ गई, जब साढ़े पांच सौ साल बाद देश में उत्सव का क्षण आया, श्रीरामलला के मंदिर में प्रधानमंत्री जी प्राण प्रतिष्ठा करने वाले थे, श्रीरामलला के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में न्यास ने कांग्रेसियों को भी निमंत्रण भेजा। मगर उन्होंने तुष्टीकरण की राजनीतिक करना तय माना और इसको ठुकरा दिया। मैं आज इस पार्टी को चेतावनी देना चाहता हूं कि आपने श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को ठुकरा कर इस ऐतिहासिक पल में हिस्सेदारी होने से अपने आप को ठुकरा लिया है। देश के महान बनने

की प्रक्रिया में अपने आपको दूर कर लिया है। देश की जनता इसको देख भी रही है और याद भी रखेगी। खैर वह आए, ना आए, भारतीय जनता पार्टी तुष्टीकरण को नहीं मानती है, आज मैं इस महा-अधिवेशन के सामने कहना चाहता हूं, किसी भी लोकतांत्रिक देश में बहुमत समाज ने अपने श्रद्धाओं के निर्माण के लिए इतनी लंबी कानूनी लड़ाई नहीं लड़ी है। 75 साल तक हम कानूनी लड़ाई लड़े और संपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से हमने राम मंदिर का निर्माण किया। इसका संपूर्ण यश हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जाता है।

यह कांग्रेस पार्टी और इंडी एलाइंस वाले हम पर आरोप लगाते हैं कि भारतीय जनता पार्टी अस्थिरता फैलाती है। मैं तो ज्यादा जवाब नहीं देता, मगर चुनाव का समय आया है, जनता के सामने सच रखना चाहिए। आज यह कहने आया हूं, कांग्रेस पार्टी की तबसे जबसे इंदिरा जी प्रधानमंत्री बनी, तबसे न लोकतंत्र में श्रद्धा है, न लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में। इन्होंने न्यायपालिका, ब्यूरोक्रेसी, मीडिया, चुनाव आयोग— जैसी सभी संवैधानिक संस्थाओं की धज्जियां उड़ाने का काम किया है। इमरजेंसी आपकी ही देन थी, आप भूल जाते हो। पूरे देश को जेलखाना बनाकर रख दिया था, पूरा विपक्ष जेल के अंदर बंद था और आर्टिकल 356 सरकारें तोड़ने का जो रिकॉर्ड आपने बनाया है, आज से 100 साल बाद भी कांग्रेस पार्टी का यह रिकॉर्ड कोई तोड़ नहीं पाएगा, जितनी सरकारें आपने गिराए हैं। कांग्रेस पार्टी ने 90 बार आर्टिकल 356 का प्रयोग किया, 50 बार अकेली इंदिरा गांधी जी ने किया, 40 क्षेत्रीय दलों की सरकार को कांग्रेस पार्टी ने गिराई, चार केंद्र की सरकार, चौधरी चरण सिंह, चंद्रशेखर जी, देवगौड़ा जी और गुजराल जी की सरकारें गिराने का काम भी कांग्रेस पार्टी ने ही किया है और यह हमें कहते हैं। न्यायपालिका कोई फैसला देगी, न्याय करेगी उस पर टिप्पणियां करके ज्यूडिशरी को डराते हैं, मैं कांग्रेस पार्टी को याद कराता

कांग्रेस पार्टी ने 90 बार आर्टिकल 356 का प्रयोग किया, 50 बार अकेली इंदिरा गांधी जी ने किया, 40 क्षेत्रीय दलों की सरकार को कांग्रेस पार्टी ने गिराई

हूं, 1973 में तीन वरिष्ठ जजों को हटाकर जस्टिस शेलट, जस्टिस ग्रोवर और जस्टिस हेगड़े को दरकिनार कर अपने एएन रे को सर्वोच्च न्यायाधीश बनाया, क्योंकि रायबरेली का फैसला आपके खिलाफ आ गया था। हमने कभी ज्यूडिशरी के खिलाफ इस प्रकार के षड्यंत्र नहीं किया, लेकिन कांग्रेस पार्टी इस देश में अस्थिरता की जनक है और स्थिरता कोई दे सकता है तो केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी से संभव है।

बंगाल में मारे गए सैकड़ों कार्यकर्ता

अभी-अभी देश में हम चुनाव में जा रहे हैं, हिंसा कहां होती है? आज मैं देश की मीडिया को भी कहना चाहता हूं, हिंसा की बात आप करते हैं। कौन से राज्यों में चुनावी हिंसा होती है? कौन से राज्य में पॉलिटिकल हिंसा होती है? मैं आज देश की जनता को गिनाना चाहता हूं, केरल में हमारे 100 से ज्यादा कार्यकर्ता शहीद हो गए, 300 से ज्यादा कार्यकर्ता अपाहिज हो गए, किसका शासन है— इंडी एलाइंस का शासन है। बंगाल में सैकड़ों कार्यकर्ता मौत के घाट उतार दिए गए, हमेशा चुनाव में घपलेबाजी, धांधली और हिंसा होती रही है। किसका राज है? ममता दीदी का राज है। इंडी एलाइंस का राज है। बिहार में भी जंगलराज था। 100 किलोमीटर दूर मतपेटियां मिलती थीं, किसका राज था? इंडी एलाइंस का। यूपी में भी चुनाव का रिगिंग होता था, हमारी सरकारों में कभी रिगिंग नहीं हुआ। आज भारतीय जनता पार्टी के हजारों कार्यकर्ता हिंसा की भेंट चढ़े हैं। कइयों ने जान गंवाईं, कई अपाहिज हुए, कइयों के घर जलाए गए, हम तो हिंसा के भुक्त भोगी हैं, हिंसा फैलाने वाला कोई है तो वह घमंडिया गठबंधन है, इंडी एलाइंस है।

> 'मां' भारती का अपमान करने वाले जॉर्ज पोन्नैया का कांग्रेस के राजकुमार आशीर्वाद लेते हैं, जॉर्ज सोरेस जो भारत विरोधी है, वह उनका समर्थन करता है। कोयंबटूर बम ब्लास्ट के गुनाहगार को इंडी एलाइंस रिहा करती है

कांग्रेस का शासन था। आजादी के वक्त तब कांग्रेसी देश की ओर से

निगोशिएट कर रहे थे, तभी देश का विभाजन हुआ और आज भी कांग्रेस की विभाजनकारी प्रवृत्ति राजनीतिक फायदे के लिए कम नहीं है। अभी-अभी कांग्रेस के नेता ने कहा— इस देश के दो टुकड़े होने चाहिए, खुलेआम दो टुकड़े करने की बात करते हैं। कांग्रेस पार्टी स्टेटमेंट से कन्नी भी नहीं काटती है, यह बताता है कि कांग्रेस पार्टी इसका समर्थन करती है।

मां भारती का अपमान करने वाले जॉर्ज पोन्नैया का कांग्रेस के राजकुमार आशीर्वाद लेते हैं, जॉर्ज सोरेस जो भारत विरोधी है वह उनका समर्थन करता है। कोयंबटूर बम-ब्लास्ट के गुनाहगार को इंडी एलाइंस रिहा करती है और कांग्रेस के नेता पाकिस्तान में जाकर मोदी जी को हटाने के लिए पाकिस्तान की मदद मांगते हैं। जब धारा 370 मोदी जी ने हटाई, राहुल गांधी का 370 के समर्थन में जो बयान था, वह पाकिस्तान ने यूनाइटेड नेशन में कोट करके सुनाया। शर्म करो, शर्म करो।

> **1957 में काका साहब कालेकर कमेटी ने पिछड़ों के लिए रिपोर्ट दी, कांग्रेस पार्टी ने इसे कभी इंप्लीमेंट नहीं किया। मंडल आयोग बना, 1980 में मंडल आयोग को इंदिरा गांधी ने ठंडे बस्ते में डाल दिया**

कांग्रेसी देश के खिलाफ विदेश में जाकर बोलते हैं। देश के प्रधानमंत्री, देश की संसद, देश के लोकतंत्र की निंदा विदेश में जाकर करते हो और धारा 370 जैसी महत्वपूर्ण विषय को आपने पाकिस्तान को यूएन में हथियार देकर देशद्रोह का एक उदाहरण सेट किया है और मैं देश की जनता को कहना चाहता हूं कि यह विभाजनकारी प्रवृत्ति, जो आजादी के वक्त थी, वह आज भी कांग्रेस में है, वहां पर कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

कांग्रेस के शहजादे का 9 महीने बाद बदलता है स्क्रिप्ट

अभी-अभी कांग्रेस के आधुनिक शहजादे को किसी ने भाषण लिखकर दिया। उनका तय है, यह भाषण वह 9 महीने तक बोलते ही रहेंगे, 9 महीने के बाद स्क्रिप्ट बदलता है, इतना ही है उनका। अभी उनके हाथ में ओबीसी का भाषण किसी ने थमा दिया। अब हर जगह ओबीसी मुद्दे, हर सवाल ओबीसी के

लिए। मैं इनको कहना चाहता हूं, भाई अच्छा ट्विटर रख लो, अच्छा शिक्षक रख लो और कांग्रेस पार्टी ने ओबीसी के लिए क्या किया है, उसका जरा ध्यान कर लो, आप जो बोल रहे हो, वह आपके ही खिलाफ जा रहा है। मैं आज आप सभी को बताना चाहता हूं। 1957 में काका साहब कालेलकर कमेटी ने पिछड़ों के लिए रिपोर्ट दी, कांग्रेस पार्टी ने इसे कभी इंप्लीमेंट नहीं किया। मंडल आयोग बना, 1980 में मंडल आयोग को इंदिरा गांधी ने ठंडे बस्ते में डाल दिया। 1990 में जब इंप्लीमेंटेशन की बारी आई, विपक्ष के नेता के नाते राजीव गांधी ने पार्लियामेंट में इसका विरोध किया और जवाहरलाल जी ने 1951 में जातिवादी सर्वे का विरोध किया था और भारतीय जनता पार्टी ने क्या किया, मैं पिछड़ा समाज की बात करता हूं, बड़े गौरव के साथ बात करता हूं। हमने इस देश को गौरव देने का काम किया।

> मोदी जी ने 10 साल के अंदर जातिवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण को समाप्त कर दिया। वे इसके आधार पर राजनीति करते हैं, इसके आधार पर अपनी राजनीति को आगे बढ़ाते हैं

अति पिछड़ी जाति का प्रधानमंत्री देने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया। आज देश में पहला मंत्रिमंडल ऐसा है मोदी जी का, जिसमें 27 मंत्री ओबीसी है, राज्यों को ओबीसी की सूची का संशोधन करने का अधिकार मोदी जी ने दिया, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल और मेडिकल इंजीनियरिंग के दाखिले में 27% का आरक्षण पहली बार नरेन्द्र मोदी जी ने दिया। ओबीसी की छात्रवृत्ति में 33% की वृद्धि नरेन्द्र मोदी जी ने दिया। आईआईटी में ओबीसी छात्रों के ट्यूशन फी को माफ करने का निर्णय देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया। नीट की परीक्षा में ओबीसी बच्चों का पहली बार अगर आरक्षण हुआ तो नरेन्द्र मोदी जी ने किया। पेट्रोल पंप और गैस की एजेंसी में 27% पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने का काम नरेन्द्र मोदी जी ने दिया और यह जितनी भी गरीब कल्याण की स्कीम बनी है उन सबमें सबसे बड़ा बेनिफिशियरी अगर कोई है तो दलित, पिछड़ा, ओबीसी है। राहुल गांधी आप हमें क्या ओबीसी का कल्याण सिखाते हो, हम तो समाज के हर

वर्ग को साथ में लेकर चलते हैं। जो पिछड़ा है उसको ज्यादा मिलता है, जो अगड़ा है वह अपने आप सब्सिडी छोड़ देता है। मोदी जी ने देश की जनता का आह्वान किया, जिनको सुख और संपत्ति है, ईश्वर की कृपा है वह अपनी गैस की सब्सिडी छोड़ दें, तो करोड़ से ज्यादा लोगों ने गैस की सब्सिडी अपने आप त्याग दी। मोदी जी ने करोड़ों गरीबों को फ्री ऑफ कॉस्ट गैस देने का काम किया।

मोदी जी ने जातिवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार व तुष्टीकरण को समाप्त किया

मोदी जी ने 10 साल के अंदर जातिवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण को समाप्त कर दिया। वे इसके आधार पर राजनीति करते हैं, इसके आधार पर अपनी राजनीति को आगे बढ़ाते हैं। इन चार आधारों पर सत्ता हथियाने का उनका स्वप्न मोदी जी ने चूर-चूर कर दिया। अब इस प्रकार के कलुषित मैंडेट को प्राप्त नहीं कर सकते। आज 10 साल में देश महान भारत, विकसित भारत का स्वप्न लेकर आगे बढ़ रहा है। दूर-दूर तक सत्ता प्राप्ति की संभावना आज घमंडिया गठबंधन को नहीं दिखती। इस कारण लोग डिनायल मोड में आ गए हैं। हर चीज में विरोध करते हैं। धारा 370 और महिलाओं का अधिकार देने के कई मौके आए, लेकिन वह विरोध करते रहे। तीन तलाक का विरोध किया, ओबीसी कमिशन का विरोध किया, कश्मीर में गुर्जर, बकरवाल, पहाड़ी, वाल्मीकि को रिजर्वेशन देने का विरोध किया। 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम पर भी कई सारे व्यवधान खड़े किए। हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता देने का बिल, एक देश एक टैक्स, जीएसटी का विरोध किया, दलित को राष्ट्रपति बनाने, आदिवासी को राष्ट्रपति बनने के लिए सर्वसम्मति नहीं होने दी।

> **सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक कर मोदी जी ने भारत के पराक्रम को पूरी दुनिया के सामने प्रस्थापित किया। आतंकवाद के सामने तगड़ा मैसेज दिया**

सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक कर मोदी जी ने भारत के पराक्रम को

पूरी दुनिया के सामने प्रस्थापित किया। आतंकवाद के सामने तगड़ा मैसेज दिया आपने, उस वक्त भी राहुल जी, अपने देश से साक्ष्य मांगे थे। शर्म करो, शर्म करो। सेवा के जवान की शहादत पर आप साक्ष्य मांगते हो?

भारत ने वैक्सीन का निर्माण किया। 100 से ज्यादा देशों में हमारी वैक्सीन गई, वैक्सीन के माध्यम से आज 140 करोड़ की आबादी सुरक्षित हुई, उसको भी 'मोदी-वैक्सीन' कह कर बदनाम करने का प्रयास किया। मगर, आज भी कोई वैक्सीन लेने जाता है, तो कहता है मोदी वैक्सीन दे दो, मेरी इम्यूनिटी खत्म हो गई है। डिजिटल इकोनामी, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर इसका विरोध किया। नई संसद बनी, इतनी भव्य संसद देखकर आज देश की पूरी जनता पुलकित है, गौरवान्वित है, इसका भी आपने विरोध किया। कर्तव्य पथ बना, आपको 'राजपथ' नाम अच्छा लगता था। 'कर्तव्य पथ' का भी विरोध किया। 'भारत मंडपम' को भी कोर्ट से रोकने का प्रयास किया, 'यशोभूमि' को भी रोकने का प्रयास किया। 'डाटा प्रोटक्शन' के विजनरी बिल का भी विरोध किया और अंत में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का भी आपने विरोध किया। यह कांग्रेस डिनायल मोड में आ गई है।

> **आज मोदी सरकार ने हर क्षेत्र में 40 से ज्यादा पॉलिसी बनाकर, पॉलिसी के आधार पर शासन कैसा हो, कैसा हो सकता है, इसका उदाहरण पूरी दुनिया में रखने का काम नरेन्द्र मोदी जी ने किया है**

पूरे प्रदेश की जनता को मैं कहना चाहता हूं कि पांच साल का पार्लियामेंट के अंदर कांग्रेस का हिसाब किताब निकालिए। इन्होंने पार्लियामेंट के अंदर शोर-शराबे और बहिष्कार के अलावा कुछ नहीं किया। हम भी विपक्ष में रहे हैं, 10 साल तक बैठे, हमने रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाई। जो अच्छा है, उसका समर्थन करते थे और आपके भ्रष्टाचार को भी हमने उजागर किया, मगर आपने क्योंकि भ्रष्टाचार है ही नहीं, इसलिए बाहर जाना ही उचित समझा।

अहंकार युक्त है इंडी एलाइंस

इंडी एलाइंस अहंकार युक्त है। वह सहन नहीं कर सकता, वह ऐसा मानते हैं कि देश का प्रधानमंत्री वही बन सकता है जो बड़े परिवारों से आता है। वह यह सहन नहीं कर सकते कि एक गरीब मां का बेटा, आज देश का प्रधानमंत्री बनकर देश को चला रहा है। यह अहंकार उनको भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ खड़ा करता है। यह परिवारवादी राजकुमार सारे के सारे इकट्ठा होकर हमारा विरोध करते हैं। मोदी जी ने 40 से ज्यादा नीतियां बनाकर इस देश को नीतियों के आधार पर चलाने का काम किया। मैं पूरी सूची बोलना नहीं चाहता। 'पॉलिसी-पैरालिसिस' हो गया था, ऐसा पूरी दुनिया मनमोहन सिंह सरकार को कहती थी। आज मोदी सरकार ने हर क्षेत्र में 40 से ज्यादा पॉलिसी बनाकर, पॉलिसी के आधार पर शासन कैसा हो, कैसा हो सकता है, इसका उदाहरण पूरी दुनिया में रखने का काम नरेन्द्र मोदी जी ने किया है।

> **भारतीय जनता पार्टी का 1950 से इतिहास है, हमने जब भी आंदोलन किए देश के लिए किए, सिद्धांतों के लिए किया, जनता के लिए किया**

मैं और आप हमारे नेता का बखान करें, पत्रकार भी कहेंगे, घमंडिया गठबंधन भी कहेगा कि आप तो ऐसा ही कहोगे, मगर मैं आज देश की जनता का भी धन्यवाद करना चाहता हूं, आपने बार-बार भारतीय जनता पार्टी को आशीर्वाद देकर, मोदी जी को आशीर्वाद देकर अपना समर्थन दिया है। आज देश के 17 राज्यों में एनडीए की सरकार है। 58 प्रतिशत हिस्से पर जिसमें 57% आबादी है, वहां एनडीए का शासन है। गुजरात में हम लगातार छह बार चुनाव जीते, मध्यप्रदेश में 30 सालों से शासन में है, गोवा में तीन बार जीते, उत्तर प्रदेश में दो बार जीते, उत्तराखंड में दो बार जीते, हरियाणा में दो बार जीते, अरुणाचल में दो बार जीते, असम में दो बार जीते, त्रिपुरा में दो बार जीते, मणिपुर में दो बार जीते और छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी तीन बार मैंडेट मिला था, फिर से चौथा मैंडेट छत्तीसगढ़ और राजस्थान की जनता ने दिया है। बिहार, महाराष्ट्र, मेघालय, नागालैंड और सिक्किम में एनडीए को

बार-बार आशीर्वाद मिला है। यह जो जनादेश है, वह मैं मानता हूं कि मोदी जी का परिश्रम, मोदी जी की नीतियां, मोदी जी के परफॉर्मेंस के ऊपर 140 करोड़ की जनता का ठप्पा है, जो इंडी एलाइंस को नहीं दिखाई देता है।

भाजपा ने सिद्धांतों व जनता के लिए किए आंदोलन

मैं अंत में इतना कहना चाहता हूं, अभी-अभी इंडी एलाइंस वालों के जो नेता है, कांग्रेस पार्टी की एक भारत जोड़ो यात्रा निकाले हैं, निवेदन तो आपका भारत तोड़ने का है, 'भारत जोड़ो यात्रा' पर निकले हैं। मैं इनको कहना चाहता हूं कि किसी भी पार्टी के कार्यक्रम हो या यात्रा, राजनीतिक कार्यक्रम वह पार्टी का परिचय कराती है। कांग्रेस पार्टी ने आजादी के बाद जितने भी आंदोलन किया, वो सभी सत्ता में वापस आने के लिए किया। भारतीय जनता पार्टी का 1950 से इतिहास है, हमने जब भी आंदोलन किए देश के लिए किए, सिद्धांतों के लिए किया, जनता के लिए किया। सबसे पहले जम्मू-कश्मीर के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शहीद हुए। हमने धारा 370 हटाने का काम किया। 'गोवा बचाओ' का आंदोलन भारतीय जनता पार्टी ने किया। कच्छ का सत्याग्रह भारतीय जनता पार्टी ने किया, गौ हत्या पर प्रतिबंध लगाने का आंदोलन जनसंघ ने किया, आपातकाल के विरोध में हम लड़े, असम में घुसपैठियों के खिलाफ हमने पूरे देश को मोबिलाइज किया। श्रीराम जन्मभूमि का आंदोलन भी केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी ने किया। भ्रष्टाचार के खिलाफ आडवाणी जी के नेतृत्व में हमने आवाज उठाई, तेलंगाना आंदोलन भी भारतीय जनता पार्टी ने किया और सबरीमाला का आंदोलन भी भारतीय जनता पार्टी ने किया। हमारी पार्टी ने कभी भी सत्ता प्राप्त करने के लिए आंदोलन नहीं किया है। जनता की परेशानियों को दूर करने के लिए किया है, सिद्धांतों के लिए किया है और देश को सुरक्षित रखने के लिए किया।

> **एक तरफ तुष्टीकरण की राजनीति करने वाला यह घमंडिया गठबंधन है, दूसरी ओर राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रवाद से ओत-प्रोत भारतीय जनता पार्टी है। आप किसको सिलेक्ट करोगे?**

एक तरफ भ्रष्टाचार की गंगा, तो दूसरी तरफ बेदाग मोदी जी

अब हम सबको देश की जनता के सामने कहना है, देश की जनता को स्पष्ट बताना पड़ेगा। एक ओर परिवारवादी पार्टियां हैं और दूसरी ओर एक गरीब मां का बेटा इस देश का प्रधानमंत्री बना है। आप किसको पसंद करते हैं? एक ओर 60 साल से भ्रष्टाचार की गंगा जिस पार्टी से बहती है कांग्रेस पार्टी है, तो दूसरी ओर 23 साल से शासन में होने के बावजूद भी कपड़े पर एक भी दाग नहीं लगा, ऐसे नरेन्द्र मोदी जी खड़े हैं। एक तरफ तुष्टीकरण की राजनीति करने वाला यह घमंडिया गठबंधन है, दूसरी ओर राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रवाद से ओत-प्रोत भारतीय जनता पार्टी है। आप किसको सिलेक्ट करोगे? एक ओर कुछ बनने के लिए राजनीति में आए हैं और दूसरी ओर भारत माता को सर्वोच्च समर्पित कर पूरा जीवन देकर काम करने वाले व्यक्ति हैं। एक ओर हर साल तीन महीने विदेश में वैकेशन करने वाला नेतृत्व है और दूसरी ओर 23 साल से एक भी छुट्टी न लेने वाला कर्तृत्वमान व्यक्ति है। एक ओर दिशाहीन राजनीति है और दूसरी ओर एक युगद्रष्टा नेता के नेतृत्व में महान भारत की रचना को आगे बढ़ाने वाली भारतीय जनता पार्टी है। देश की जनता को हमें यह बताना पड़ेगा, घर-घर जाना पड़ेगा। मोदी जी ने आजादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में हर भारतीय के मन में देशभक्ति की भावना जागृत की है, हर युवा को आजादी के आंदोलन से वाकिफ कराया है और 75 वर्ष की स्थितियां 'इररिस्पेक्टिव ऑफ पार्टी' देश की जनता के सामने रखी है और सबसे बड़ी बात आजादी के बाद जब अमृतकाल में शताब्दी तक पहुंचेंगे तब महान भारत की रचना का संकल्प मोदी जी ने 140 करोड़ की जनता के मन में प्रत्यारोपण किया है। बहुत बड़ी बात है। सामूहिक चेतना, एक सामूहिक संकल्प और संकल्प को सिद्ध करने का सामूहिक पुरुषार्थ। इतने बड़े देश में जागरूक कोई और नहीं कर सकता, हमारा नेतृत्व और हमारे नेता संवेदनशील मोदी जी जनता की भावना को

> **मोदी जी ने आजादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में हर भारतीय के मन में देशभक्ति की भावना जागृत की है, हर युवा को आजादी के आंदोलन से वाकिफ कराया है**

समझते हैं, वह युगद्रष्टा नेता हैं, वह कर्मठ हैं, कठोर परिश्रम करते हैं, कठोर निर्णय लेने में भी वह पीछे मुड़कर नहीं देखते हैं। वे चीन के सामने सीना तानकर खड़े रहते हैं और पाकिस्तान के घर में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक भी करते हैं। नोटबंदी, गरीबों के कल्याण के लिए नोटबंदी इसी नेतृत्व ने किया, 'विश्व-मित्र' की भारत की छवि भी हमारे नेता ने ही बनाई। कोरोना काल में वैक्सीन के माध्यम से 100 से ज्यादा देशों को उन्होंने मदद की है।

संसद व विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिला

मातृशक्ति को भगवान की तरह भक्ति से पूजा करने वाला नेतृत्व बहुत सालों बाद देश को मिला है। विधानसभा और संसद में 33% रिजर्वेशन ‘नारी शक्ति वंदन’ अधिनियम से नरेन्द्र मोदी जी ने दिया है और जाति की कल्पना जो सदियों से इस देश में थी, इसको समाप्त करके गरीब, युवा, महिला और किसान वर्ग को समाहित कर सार अर्थ में संविधान की स्पिरिट को मोदी जी ने नीचे उतारा है। मैं मोदी जी को जानता हूं, मोदी जी दीपक के लौ की तरह हैं, जो खुद जलकर अंधेरों को काटने का काम करते हैं। जिस तरह से दीपक की लौ कभी नीचे नहीं जा सकती, उस तरह से मोदी जी का काम और विचार भी उच्च गति वाले हैं। वह कभी नीचे की ओर नहीं आ सकते और मुझे विश्वास है कि मोदी जी के उर्ध्व गति वाली सोच और उर्ध्व गति वाली कर्मठता और उर्ध्व गति वाले परिश्रम से ही यह देश 2047 में महान भारत बनेगा, विकसित भारत बनेगा और पूरी दुनिया गौरव से देखती रहेगी। भारत माता की छवि को और सम्मान करेगी। एक और मैंडेट देश की जनता के सामने बड़ी विनम्रता के साथ मांगिए कि हमारा उद्देश्य केवल और केवल 140 करोड़ की जनता का सेवा करना है और देश को महान बनाना है और वह केवल और केवल नरेन्द्र मोदी जी कर सकते हैं और कोई नहीं कर सकता। इस प्रस्ताव को आप सभी लोग पूरे देश में घर-घर लेकर जाएंगे, ऐसा विश्वास है। अंत में फिर से दोनों हाथ उठाकर प्रचंड आवाज के साथ ‘भारत माता’ का जयकारा लगाइए।

भारत माता की जय।

नई दिल्ली में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन की कुछ झलकियां

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18 फरवरी, 2024 को भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करते भाजपा नेतागण

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन का भव्य दृश्य

भाजपा प्रकाशन विभाग

6-ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002